Email- projnvu@gmail.com

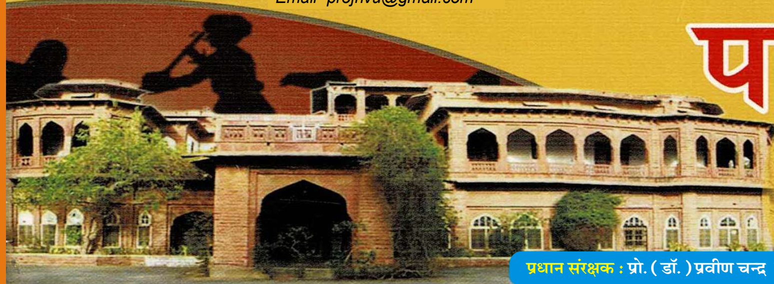

परिसर समाचार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
का समाचार-पत्र

प्रधान संरक्षक : प्रो. (डॉ.) प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी, कुलपति

विशेषांक : वर्ष - अगस्त, 2020 से अगस्त, 2021

आजादी का अमृत महोत्सव

आजादी का पर्व आत्मचिन्तन एवं अन्तर्दर्शन का अवसर

कुलपति ने किया ध्वजारोहण एवं पौधारोपण

केंद्रीय कार्यालय में स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में 15 अगस्त, 2021 को कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने झण्डा फहराया। कुलपति ने हमेशा कर्मशील रहते हुए सकारात्मक सोच के साथ अपने कर्तव्यपथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। आजादी का यह पर्व आत्मचिन्तन तथा विश्लेषण करने का अवसर है। उस परिसर से अगाध प्रेम और स्नेह करने का है जिसके साथ हमारा जीवन बंधा हुआ है।

1939 में प्रकाशित एक आलेख में गाँधी जी ने कहा था - ''मैं आजादी की जंग लड़ते हुए लगातार यह सोच रहा हूँ कि आजादी के बाद हम कहीं निष्क्रिय तो नहीं हो जाएंगे। इसलिए अपने भाषणों मैं इन दिनों में लगातार कहता हूँ कि आजादी का अर्थ मुक्ति नहीं, दायित्वों का एक सौभाग्यपूर्ण बंधन है। हम अपने दायित्व न निभायें तो उस आजादी से बेहतर ये गुलामी ही है।''

समारोह समापन के पश्चात् विश्वविद्यालय के केन्द्रीय कार्यालय एवं नया परिसर में स्व. प्रो जेताराम विश्नोई स्मृति पार्क में एन.एस.एस. के सहयोग से वृक्षारोपण किया गया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम के अवसर पर संकाय अधिष्ठातागण प्रो. के. एल. रैगर, प्रो. सुनील शर्मा, प्रो. अशोक पुरोहित, प्रो. चन्दन बाला, प्रो. संगीता लूंकड, प्रो. एस.के. मीना, सिंडीकेट सदस्य प्रो. के. आर. गेनवा, पीआरओ प्रो. सरोज कौशल, गेस्ट हाउस के अध्यक्ष डॉ. महीपाल सिंह, एन.एस.एस. समन्वयक प्रो. के.आर. पटेल, गुरु जम्भेश्वर पर्यावरण एवं शोध संस्थान के निदेशक डॉ ओमप्रकाश, कुलपति सचिव राजाराम सेंगवा, विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

कुलपति की कलम से

पश्चिमी राजस्थान के महत्त्वपूर्ण शिक्षण संस्थान जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में 'कुलपति' पद का निर्वहन करते हुए मेरे मन में विश्वविद्यालय के उत्कर्ष हेतु अनेक उदात्त विचार थे, जिन्हें हमने हमारे सुयोग्य आचार्यों, कार्मिकों तथा छात्रों के सहयोग से क्रियान्वित करने में सफलता पायी:-

- विश्वविद्यालय ने अपने सभी कार्य कोविड-19 महामारीकाल में राज्य सरकार की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार संपादित किये हैं। जिससे परीक्षाओं का आयोजन, नये सत्र में प्रवेश एवं ऑनलाईन कक्षाओं का संचालन करवाना भी सम्मिलित है।
- विश्वविद्यालय कोरोनाकाल में भी शिक्षा की निरन्तरता और ज्ञान की वृद्धि हेतु लगभग 150 से अधिक राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार विभिन्न महत्त्वपूर्ण विषयों पर आयोजित कर चुका है।
- वेबसाईट को अपडेट किया गया।
- एलुमिनी एसोसिएशन का पंजीकरण करवाया गया।
- पेटेन्ट सेल का गठन किया गया।
- रिसर्च डायरेक्टर की पोस्ट सृजित कर रिसर्च सेल को प्रभावी बनाया गया।
- नई टेलीफोन डायरेक्ट्री का प्रकाशन हुआ।
- 25 स्मार्ट बोर्ड लगवाये गये।
- केन्द्रीय पुस्तकालय का पुनरुद्धार एवं इन्टरनेट सुविधा उपलब्ध करवायी गई।
- रुसा की ग्रांट का पूरा उपयोग हुआ एवं कई नवनिर्माणों (25) का लोकार्पण हुआ।
- पेट्रोलियम इंजीनियरिंग विषय का प्रारम्भ हुआ।
- पीएच.डी. रेगूलेशन-2016 लागू हुआ।
- हॉस्टल रुल बुकलेट बनवाई गई।
- वाईल्ड लाईफ रिसर्च व कन्जरवेशन अवेयरनेस केन्द्र की स्थापना की गई।
- विश्वविद्यालय में जितने भी अध्ययन केंद्र निष्क्रिय थे, उनके निदेशक नियुक्त कर कार्यविधि को पुनः संचलन योग्य बनाया।
- महिला अध्ययन केन्द्र ने उत्कृष्ट कार्य किया।

- विश्वविद्यालय की एनएसस, एनसीसी व स्काउट विंग ने कोविड महामारी संक्रमण बचाव हेतु जागरुकता अभियान एवं सहायता करना इत्यादि।
- वृहदस्तर पर पौधारोपण।
- गोद लिये गाँवों में कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं।
- छात्र सेवा मण्डल द्वारा ऑनलाईन माध्यम से गतिविधियाँ आयोजित करना।
- माननीय राज्यपाल महोदय से पीएच.डी. ऑर्डिनेन्स-2018 स्वीकृत करवाना।
- दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया।
- विश्व पर्यावरण दिवस पर विभूतियों का सम्मान किया गया।
- आनन्दम् कोर्स को प्रारम्भ किया गया।
- एचआरडीसी का प्रारंभ होना एवं 50 कोर्स का यूजीसी द्वारा स्वीकृति प्रदान करना।
- कैशलेस लेनदेन आदि नवाचार किये गये।
- विश्वविद्यालय के इतिहास एवं प्रगति पर तीन फिल्में (10-10 मिनट, 45 मिनट) बनाई गईं।
- **NAAC** हेतु **AQAR** भेजा जा चुका है। **SSR** की तैयारियाँ पूर्णता की ओर हैं।
- **MPET 2021** की परीक्षा संपन्न करवाई गई।

मेरा संकल्प है

समय शिला पर मधुर चित्र गढ़ना है,
गौरवगाथा का हर पन्ना मिलकर पढ़ना है,
सागर के सीने पर बढ़ती ज्यों मिल–जुलकर लहरें,
लक्ष्यों के उत्तुंग शिखर पर वैसे चढ़ना है।

प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी

कुलपति,
जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय,
जोधपुर

सम्पादक की कलम से

प्रिय साथियों,

परिसर विश्वविद्यालय की मात्र सूचनात्मक समाचार पत्रिका नहीं है अपितु 'परिसर' हमारे विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को सम्प्रेषित करने वाला महत्त्वपूर्ण प्रकाशन है। विश्वविद्यालय केवल विशाल भवनों का समूह मात्र नहीं होते। विश्वविद्यालय के प्राणों को इसके शिक्षक, छात्र तथा कर्मचारी समृद्ध करते हैं। विश्वविद्यालय के महनीय आचार्य-गण अपने चिन्तन तथा शोध के माध्यम से जो वैचारिक मुक्तामणियाँ सम्प्रेषित करते हैं, वे भावी-पीढ़ी को सुसंस्कृत करने में उपचरित होती हैं, अतः उनकी उपलब्धियों को 'परिसर' के माध्यम से रेखांकित करना हमारा पुनीत कर्त्तव्य है। छात्रों के द्वारा अध्ययन, शोध, क्रीड़ा तथा अन्य सह-शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से विश्वविद्यालय की ज्ञान-परम्परा को अग्रेसारित किया जा रहा है, उनको समाज के उत्तम नागरिक बनाने में विश्वविद्यालय की भूमिका बहुत महत्त्वपूर्ण है।

प्रत्येक संकाय, भिन्न-भिन्न अध्ययन केन्द्रों आदि ने कोविड महामारी के उपरान्त भी प्रभूत कार्यक्रमों का आयोजन कर अपने कर्त्तव्यों का सुचारु निर्वाह किया। ऑनलाइन पटल के माध्यम से विभागों ने विद्यार्थियों के ज्ञान-सम्वर्धनार्थ अनेक वेबीनार आयोजित किये। शोध-प्रवृत्ति के उत्कर्ष में इन वेबीनारों की महती भूमिका है। राष्ट्रीय सेवा योजना, एनसीसी, छात्र सेवा मंडल, स्मार्ट विलेज परियोजना, स्काउट एवं गाइड आदि के माध्यम से सामाजिक सम्बद्धता हमारा उत्तरदायित्व है। कर्मयोग ही हमारा ध्येय है। कहा भी कहा गया है -

काममय एवायं पुरुष इति, स यथाकामो भवति तत्क्रतुर्भवति।

यत्क्रतुर्भवति तत्कर्म कुरुते, यत्कर्म कुरुते तदभिसम्पद्यते।।

बृहदारण्यकोपनिषद् 4/4/5

यह व्यक्ति कामनामय ही है। वह जैसी कामना करता है,तदनुरूप संकल्प होता है, जैसा संकल्प करता है,वैसा ही कर्म करता है, जैसा कर्म करता है, उसके अनुरूप ही फल प्राप्त करता है। इस ध्येय के साथ विश्वविद्यालय अनेक स्तरों पर नित नूतन प्रतिमान रचने के लिए कृतसंकल्प है।

प्रो. सरोज कौशल
जनसम्पर्क अधिकारी
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,
जोधपुर।

दीक्षान्त समारोह

जेएनवीयू का 17वाँ दीक्षान्त समारोह सम्पन्न

- नोबेल पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी, राज्यपाल एवं उच्च शिक्षा मंत्री का रहा मार्गदर्शन।
- जेएनवीयू की वेबसाइट पर उपलब्ध यू-ट्यूब लिंक से हजारों छात्रों ने वर्चुअल समारोह देखा।
- विद्यार्थियों के हाथों में डिग्री नहीं, प्रकाश पुंज - श्री कैलाश सत्यार्थी
- 77 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए, 42174 स्नातक, 6882 स्नातकोत्तर डिग्रियाँ प्रदान की गई।

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के सत्रहवें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति एवं राज्यपाल माननीय कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के 42174 स्नातक, 6882 स्नातकोत्तर एवं 138 शोधार्थियों को पीएच. डी की उपाधियाँ प्रदान कीं। वहीं 77 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय में प्रथम बार तीन मानद उपाधियाँ प्रदान की गई। पहली बार यह समारोह वर्चुअल आधार पर हुआ, जिसमें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित श्री कैलाश सत्यार्थी ने दीक्षांत उद्बोधन दिया। एमबीएम कॉलेज सभागार में भव्य मंच पर कुलपति प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी व कुलसचिव श्रीमती चंचल वर्मा मौजूद रहे। वहीं राज्यपाल श्री कलराज मिश्र, उच्च शिक्षा मंत्री भंवरसिंह भाटी, नोबेल पुरस्कार से सम्मानित श्री कैलाश सत्यार्थी आभासी रूप से समारोह में मौजूद रहे और उद्बोधन दिया। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत स्वास्थ्य कारणों से समारोह में आभासी रूप से नहीं जुड़ सके।

विद्यार्थियों के हाथ में एक प्रकाश पुंज, एक मशाल – कैलाश सत्यार्थी

एमबीएम सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि विभिन्न उपाधि धारक विद्यार्थी आज से नए जीवन की शुरुआत कर रह हैं, उसमें अवसरों के साथ-साथ चुनौतियाँ भी हैं, जिसे स्वीकार कर आगे बढ़ें। कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि डिग्री प्राप्त करने के पश्चात् आपके हाथ में एक प्रकाश पुंज, एक मशाल है। आप इस मशाल को थाम कर इस स्थान तक पहुँचाने वाले सभी जनों के प्रति कृतज्ञता बोध को प्रकट करें।

उन्होंने कहा आप भले ही किसी भी पृष्ठभूमि से आए हो लेकिन आप में हीनता का भाव नहीं होना चाहिए। इसे अपने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से सीख सकते हैं। वे बेहद सामान्य पृष्ठभूमि से निकलकर इसी विश्वविद्यालय से

डिग्री प्राप्त कर आज ऊँचे स्तर पर पहुँचे हैं। आप भी उनकी तरह ऊँचे स्थान पर पहुँच सकते हैं। श्री सत्यार्थी ने कहा कि हमारे जीवन का लक्ष्य केवल पैसा कमाना नहीं होना चाहिए बल्कि एक-दूसरे की जिम्मेदारी उठाते हुए कृतज्ञता से अपने कार्यों को अंजाम देना चाहिए तथा करुणा को अपने डीएनए का हिस्सा बनाएं, क्योंकि जब हम दूसरों के दुःख-दर्द को अपना समझ कर कार्य करते हैं वही जीवन में सच्ची डिग्री है।

चुनौतियों से मुकाबले के लिए दक्ष बनें, मरुभूमि में शोध एवं अनुसंधान करें – राज्यपाल

दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए महामहिम कुलाधिपति एवं राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह शिक्षा का अंत नहीं हैं बल्कि विद्यार्थी के नये जीवन की शुरुआत है। विद्यार्थी इसके बाद ही नए परिवेश में ढलने के लिए संस्कारित होता है। मैं आशा करता हूँ कि आप सभी विश्वविद्यालय से प्राप्त अपनी शिक्षा और संस्कारों का उपयोग राष्ट्र को सबल बनाने में करेंगे। उन्होंने कहा कि "विश्वविद्यालय ज्ञान के लिए सभी ओर से अपने आप को खुला रखें। याद रखें कि हम जो जानते है वो थोड़ा है, जो नहीं जानते उसकी कोई सीमा नहीं है।' आपने विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों को अद्यतन शिक्षा प्रणाली एवं तकनीक से जोडने पर बल दिया साथ ही कहा कि "वैश्वीकरण के दौर में विश्वविद्यालय के दायित्व बदल रहे हैं और जिम्मेदारियाँ भी बढ़ रही हैं। वर्तमान की चुनौतियों, विशेषकर विज्ञान, अभियान्त्रिकी, कला, साहित्य, संस्कृति, मीडिया एवं तकनीकी विषयों में विद्यार्थियों को दक्ष किया जाना आवश्यक है।" आपने मरुभूमि को आधुनिक भारत के अनुकूल ढालने के लिए शोध एवं अनुसंधान करने के लिए प्रेरित किया।

गुणात्मक शिक्षा की आवश्यकता - उच्च शिक्षा मंत्री

राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय पर मुख्यतः पश्चिमी राजस्थान के लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने तथा देश के पश्चिमी भूभाग पर गुणात्मक शिक्षा का विस्तार और सामाजिक, आर्थिक एवं वैज्ञानिक प्रगति को स्थापित करने की भी जिम्मेदारी है। इसी के साथ शिक्षण और अनुसंधान के उच्च मानकों को स्थापित करने का भी दायित्व है।

कुलपति ने किया स्वागत तथा प्रस्तुत किया प्रतिवेदन -

कुलपति प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी ने प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय की

उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया तथा कहा कि विश्वविद्यालय न केवल नवीन पाठ्यक्रम तैयार करने की ओर प्रवृत्त है अपितु स्वयं के संसाधन जुटाने के लिए प्रयत्नरत है। हमारा लक्ष्य अधिकाधिक रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम संचालित करने का है ताकि युवा उच्च शिक्षा प्राप्त कर मात्र उपाधि ही प्राप्त न करें अपितु मनोवांछित रोजगार भी प्राप्त करें।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में लम्बे समय से रिक्त पड़े शैक्षणिक और अशैक्षणिक पदों पर शीघ्र नियुक्ति करना हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए उन्होंने राज्य सरकार से स्वीकृति शीघ्र प्रदान करने का अनुरोध किया।

तीन महानुभावों को मानद उपाधि

1. समारोह में विधि क्षेत्र में डी. एलएल उपाधि डॉ. दलवीर भंडारी को दी गई।

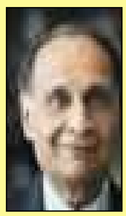

2. विज्ञान विषय में डी. एससी उपाधि प्रो. गोवर्धन मेहता को प्रदान की गई।

3. सामाजिक कार्य में डी. लिट् की उपाधि श्री एस. एन. सुब्बाराव को प्रदान की गई।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. ललित पंवार एवं डॉ. राजश्री राणावत द्वारा किया गया तथा गार्ड ऑफ ऑनर एनसीसी प्रभारी प्रो. कमल सिंह के नेतृत्व में प्रदान किया गया।इस अवसर पर ईएमएमआरसी द्वारा निर्मित वृत्तचित्र भी प्रस्तुत किया गया।

गोद लिए गाँव की प्रशंसा

राज्यपाल महोदय ने गोद लिए गाँव की प्रशंसा की और उन्होंने कहा कि मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई है कि इस विश्वविद्यालय ने मोगड़ा कला गाँव को आदर्श गाँव बनाने के लिए गोद लेकर सृजनात्मक महत्व के कई कार्य किए हैं। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की टीम ने जहाँ एक ओर कोरोना काल में ग्रामवासियों को निःशुल्क मास्क व सेनेटाईजर वितरित किए वहीं स्वास्थ्य जागरुकता के लिए सामान्य चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर लोगों में जागरुकता का संदेश दिया। इस क्रम में निशुल्क नेत्र चिकित्सा, स्वैच्छिक रक्तदान जैसे कार्यों की जितनी सराहना की जाये कम है। कम्प्यूटर लैब की स्थापना, साक्षरता शिविर, बालिका शिक्षा, बाल विवाह रोकथाम, स्वस्थ व स्वच्छ भारत अभियान, जन-जन शिक्षा, घर-घर शिक्षा का अलख जगाना, पौधारोपण करना आदि कार्य अत्यन्त प्रशंसनीय हैं। मुझे यह भी ज्ञात हुआ है कि विश्वविद्यालय ने सालावास गाँव को भी आदर्श गाँव बनाने का निश्चय किया है। इस हेतु यहाँ मुख्य मार्गो पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं तथा दसवीं व बारहवीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों हेतु 51,000/- रुपये की एफ.डी. तथा लैपटॉप ग्राम पंचायत विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना प्रारम्भ की गई है। रक्तदान शिविर, महिलाओं के लिए रोजगार प्रशिक्षण शिविर, कौशल विकास कार्यक्रम, 'जन्मदिन मनाओ-पुण्य कमाओ' जैसी योजनाएं निश्चय ही हमें सकारात्मक दृष्टिकोण की ओर प्रेरित करती हैं।

संविधान के प्रति प्रतिबद्धता : आमजन को संविधान की जानकारी होना आवश्यक है। राष्ट्रीय एकता, अखण्डता व सामाजिक समरसता के लिए कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा। मैं चाहता हूँ कि विश्वविद्यालयों में युवाओं को मूल कर्त्तव्यों का ज्ञान कराने के लिए अभियान चलाया जाये। देश की युवा पीढी को मूल कर्तव्यों के बारे में बताया जाना आवश्यक है।

छात्र-छात्राओं व शिक्षकों ने ऑनलाइन देखा समारोह

दीक्षांत समारोह का लिंक जेएनवीयू की वेबसाइट पर उपलब्ध करवाया गया। यू-ट्यूब लिंक से हजारों छात्रों ने वर्चुअल समारोह देखा। इसको लेकर विद्यार्थियों में काफी उत्साह नजर आया। कुलपति प्रो. त्रिवेदी व कुलसचिव श्रीमती चंचल वर्मा मंच पर मौजूद रहे। समारोह के संयोजक प्रो. अशोक कुमार पुरोहित, वाणिज्य संकाय के अधिष्ठाता प्रो.रमन कुमार दवे, अभियांत्रिकी संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर सुनील शर्मा, कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. किशोरीलाल रैगर, सांयकालीन अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रो.एस.के. मीणा, वित्तीय सलाहकार मंगलाराम विश्नोई विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण आयोजन समिति के सदस्य मौजूद रहे। तकनीकी टीम के सदस्य भी इस दौरान मौजूद रहे। संगीत विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों ने कुलगीत व सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। समारोह के सफल आयोजन के लिए कुलसचिव श्रीमती चचंल वर्मा ने कुलाधिपति, उच्च शिक्षा मंत्री, कुलपति, सिण्डीकेट व सीनेट सदस्यों व विभागाध्यक्षों का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान से समारोह का भव्य समापन हुआ। अन्त में कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने कुलाधिपति की अनुमति से दीक्षांत समारोह के समापन की घोषणा की।

स्वर्ण पदक वितरण समारोह में गोल्ड मेडल मिलने से खिले चेहरे

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के बृहस्पति भवन सभागार में आयोजित स्वर्ण पदक वितरण समारोह में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक एवं दानदाता स्वर्ण पदक कुलपति प्रो. पी. सी. त्रिवेदी के सानिध्य में वितरित किए गए। जन सम्पर्क अधिकारी प्रो. सरोज कौशल ने बताया कि कोरोना संक्रमण के कारण विश्वविद्यालय ने अपना 17वां दीक्षांत समारोह वर्चुअल आधार पर आयोजित किया था, जिसमें सर्वोच्च अंक प्राप्त विद्यार्थियों को ऑनलाइन डिग्री वर्चुअल रूप से प्रदान की गई थी। कोरोना दिशा-निर्देशों की अनुपालना के साथ स्वर्ण पदक वितरण समारोह आयोजित कर विश्वविद्यालय के 77 विद्यार्थियों में से उपस्थित 66 विद्यार्थियों को सभागार में सामाजिक दूरी रखते हुए कुलपति प्रो. त्रिवेदी के करकमलों से स्वर्ण पदक एवं डिग्री प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में कुलसचिव चंचल वर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. के.आर. गेनवा के साथ सभी संकायों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ता विद्यार्थी विद्यमान रहे।

जेएनवीयू के शिक्षक टॉप साइंटिस्ट रैंकिंग में सम्मिलित

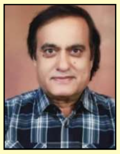

विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के चार शिक्षकों को वर्ल्ड टॉप साइंटिस्ट में सम्मिलित किया गया। विश्व विद्यालय के प्रो. आर.जे. सेंगवा, प्रो. अतरसिंह शेरोन, प्रो. जी.डी. शर्मा और प्रो. कल्याण के. बेनर्जी को वर्ल्ड रैंकिंग ऑफ साइंटिस्ट के एक प्रतिशत में सम्मिलित किया गया।

डॉ. राठौड़ की पुस्तक प्रकाशित करेगी हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के सह आचार्य डॉ. महीपाल सिंह राठौड़ द्वारा लोक साहित्य के विद्यार्थियों के लिए नवीनतम अनुसंधान के आधार पर लिखी गयी पुस्तक 'लोक साहित्य की रूपरेखा' का प्रकाशन राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी जयपुर द्वारा किया जायेगा। इस सम्बन्ध में अकादमी ने लेखक से अनुबंध किया है।

प्रो. सेंगवा के शोधकार्य को नोबेल लारेट प्रोफेसर गुडएनफ ने अपने नये शोधपत्र में मान्यता प्रदान की

भौतिक विभाग के प्रोफेसर आर.जे. सेंगवा द्वारा 'लिथियम आयन होम पोलिमर इलेक्ट्रोलाइट' पर 'आयनिक' जर्नल में प्रकाशित शोधकार्य को वर्ष 2019 के रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार विजेता अमेरिकी वैज्ञानिक प्रोफेसर जॉन बी. गुडएनफ ने अपने 28 जून 2021 के 'ए.सी.एस. एप्लाइड मटेरियलस तथा इंटरफेसेज' जर्नल में OI:10-1021/ acsami.1c07547 से ऑनलाइन प्रकाशित शोधपत्र में साइटेशन करके प्रोफेसर सेंगवा करके प्रोफेसर सेंगवा द्वारा दिये गये रिजल्टस् को मान्यता प्रदान की। इलेक्ट्रोलाइटस् पदार्थो में आयनिक चालकता को उपयोगी स्तर तक बढ़ाने तथा नये प्रकार के पोलिमर इलेक्ट्रोलाइट बनाकर उनका उच्च ऊर्जा घनत्व ठोस लिथियम ऑयन बैटरी निर्माण में प्रभावी उपयोग को समझाया। लिथियम ऑयन बैटरी क्षेत्र में उपयोग आने वाले पदार्थो के सतत: विकास में अपूर्व योगदान के लिए वर्ष 2019 में 'द यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एंड ऑस्टिन' के प्रोफेसर गुडएनफ को नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

भौतिक विज्ञान विभाग में 1986 से प्रोफेसर सेंगवा ने एडवांस मेटेरियल के क्षेत्र में उल्लेखनीय शोध कार्य किया तथा अपने शोध को विश्व के उच्च इम्पेक्ट जर्नलस् में प्रकाशित किया। अब तक 168 शोधपत्र विश्व के टॉप जर्नलस् में प्रकाशित करने तथा उनका कुल साइटेशन 4432 होने के कारण प्रो. सेंगवा के शोध आकलन 'एच. इन्डेक्स' का मान 40 प्राप्त हुआ है जो शोध क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिक के लिए बड़ी उपलब्धि है।

प्रो. सरोज कौशल ने अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशिष्ट वक्ता के रूप में दिये व्याख्यान

1- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के द्वारा 'सतत विकास और श्रीमद्भगवद्गीता का दर्शन' विषय पर आयेजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 22 दिसम्बर, 2020 को विशिष्ट वक्ता के रूप में व्याख्यान प्रदान किया।

2- जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा 27 दिसम्बर, 2020 को विशिष्ट वक्ता के रूप में 'भारतीय प्रमाणमीमांसा' के अंतर्गत' तन्त्रयुक्ति की उपादेयता' विषयक व्याख्यान दिया।

3- दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार में 21 मार्च, 2021 को 'गोरखनाथ की वाणी में लोकसंग्रह' विषय पर विशिष्ट वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

4- गुरु जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ, जेएनवीयू, जोधपुर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में 4 जून, 2021 को 'जम्भेश्वर दर्शन में पर्यावरण सम्वेदना' विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रो. सरोज कौशल ने संस्कृत कवि सम्मेलन में किया संस्कृत कविता-पाठ

1- राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर द्वारा आयोजित संस्कृत सप्ताह, के अंतर्गत 1 अगस्त, 2020 को संस्कृत कविताओं का पाठ किया। इस काव्य-पाठ में देश के सुप्रसिद्ध संस्कृत कवियों ने समकालीन संस्कृत कविताओं को प्रस्तुत किया था।

2- पितृ दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय कवि संगोष्ठी में 20 जून, 2021 को संस्कृत कविताओं की प्रस्तुति की। यह कार्यक्रम राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर द्वारा आयोजित किया गया था।

प्रो. सरोज कौशल के ब्लॉग प्रकाशित

प्रो. सरोज कौशल ने राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर की वेबसाइट पर दो ब्लॉग प्रकाशित हुए। **'उदात्त जीवन का अभिप्रेरकः माघकाव्य'** 17 मार्च, 2021 को तथा **'संस्कृत साहित्य में पिता की महनीयता'** विषय पर 20 जून, 2021 को दो ब्लॉग प्रकाशित किये गये। यह संस्कृत विभाग तथा जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के लिए गौरव आधायक अवसर है कि विश्वविद्यालय के शिक्षक शैक्षणिक स्तर पर उत्कर्ष की ओर अग्रसर हैं।

बॉटनी के प्रोफेसर ने ढूंढा नया एंजाइम

बॉटनी विभाग के प्रो. ज्ञानसिंह शेखावत ने ऐसे

एंजाइम की खोज की है, जो पौधे को अधिक तापमान और लवणीय परिस्थिति में बचाएगा। इस उपलब्धि को विश्व की प्रतिष्ठित जर्नल्स में 'नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट्स' में सम्मिलित किया गया है। हाल में इनको इंडियन बोटेनिकल सोसाइटी द्वारा वाईएस मूर्ति मेमोरियल गोल्ड मेडल पुरस्कार दिया गया।

डॉ. मीणा को डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय पुरस्कार की घोषणा

देश में साहित्य, पत्रकारिता एवं समाज सेवा के क्षेत्र में

उल्लेखनीय कार्यो के लिए डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय पुरस्कार 2021 के लिए राजनीति विज्ञान के प्राध्यापक डॉ. जनक सिंह मीना को प्रदान करने की घोषणा बाबा साहेब की 130 वीं जयंती के अवसर पर अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. एस. पी. सुमनाक्षर द्वारा की गई है।

प्रो. मीना बर्डिया ने अंतर्राष्ट्रीय वर्ल्ड कॉफ्रेंस में भाग लिया

लोक प्रशासन विभाग में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत प्रो. मीना बरड़िया ने इन्टरनेशनल पोलिटिकल साइन्स एसो-

सिएशन की 26वीं वर्ल्ड कॉफ्रेंस में भाग लिया। राज-नीति विज्ञान के विश्व महाकुंभ मे प्रो. बरड़िया ने प्रथम दिवस पर 10 जुलाई को अपना शोध पत्र कश्मीर्स स्पेशल स्टेटस एण्ड रिवोकेशन ऑफ अर्टिकल 370 ऑफ द कांस्टिट्यूशल ऑफ इंडिया विषय पर प्रस्तुत किया।

डॉ. श्वेता झा ने किया रिसर्च पेपर का ऑनलाइन वाचन

डॉ. श्वेता झा, सहायक आचार्य, वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा चतुर्थ इंटरनेशनल कान्फ्रेंस

ऑन एप्लायड बायो- केमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी बोहाई यूनिवर्सिटी, चाइना में उनके रिसर्च पेपर इंटेग्रेटेड फिजियोलॉजिकल एण्ड कंपेरेटिव नालिसिस ऑफ जीरो हैलोफाइट एट्रिप्लेक्स.रिवील अंडर लाइंगसाल्ट स्ट्रेस टॉलरेंस मैकेनिज्म का वाचन किया गया।

प्रो. गोयल को 'एक्सीलेंट रिसर्चर अवार्ड'

विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय के बीएफई विभाग के प्रो. कृष्ण अवतार गोयल को इंटरनेशनल अकादमी फॉर

एक्सीलेंट इन रिसर्च के तहत एक्सीलेंट रिसर्चर अवार्ड के लिए चुना गया है। डॉ. गोयल की 12 पुस्तकें और 50 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

प्रो. सरोज कौशल महामहोपदेशक विद्यावाचस्पति पं. मधुसूदन ओझा वेद-वेदांग सम्मान से सम्मानित

आस्था सांस्कृतिक संस्था,

जयपुर के द्वारा प्रोफेसर सरोज कौशल को वेद-वेदांग एवं संस्कृति सेवा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान करने के उपलक्ष्य में महामहोपदेशक विद्यावाचस्पति पं. मधुसूदन ओझा वेद-वेदांग सम्मान से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। यह भी ध्यातव्य है कि प्रो. कौशल पं. मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ, संस्कृत विभाग की निदेशक हैं, तथा वेद-विज्ञान के क्षेत्र में उन्होंने महत्त्वपूर्ण प्रकाशन किए हैं।

राजस्थानी काव्य कृति "कोरोना-काळ" का लोकार्पण

मानवीय संवदेनाओं से परिपूर्ण है कोरोना–काळ : प्रो. पी.सी. त्रिवेदी

काव्य-कृति कोरोना काळ मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण है यह विचार जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने अपने मुख्य आतिथ्य उद्बोधन में व्यक्त किए। कार्यक्रम अध्यक्ष राजस्थानी के ख्यातनाम कवि-आलोचक डॉ. आईदान सिंह भाटी ने कहा कि कोरोना-काळ काव्य-कृति डिंगल परम्परा के दूहा-छंद में रचित है, जो वर्तमान मानव की मनोदशा को सहज रूप से उजागर करती है। रचनाकार भंवरलाल सुथार ने ग्राम्य-परिवेश की बिंबात्मकता से अपनी रचनाओं को लबरेज करके समकालीनता का स्वर मुखर किया हैं।

मुख्य वक्ता रचनाकार श्री जहूर खां मेहर ने कहा कि कोरोना- काळ काव्य-कृति में गरीब, मजदूर और आम आदमी की पीड़ा को जिस रूप में उजागर किया गया है वो अपने-आप में अद्भुत है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजस्थानी कवि-आलोचक डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने कहा कि यह काव्य-कृति वर्तमान समय और समाज की दशा और दिशा को लेकर एक महत्त्वपूर्ण कृति है। इस अवसर पर राजस्थानी रचनाकार भंवरलाल सुथार ने कोरोना काळ के दौरान अपने सृजन पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम संयोजक सुनील सुथार ने स्वागत उद्बोधन एवं डॉ. भवानी सिंह पातावत ने आभार व्यक्त किया।

जेएनवीयू में टेलीफोन डायरेक्टरी का विमोचन

विश्वविद्यालय में नई टेलीफोन डायरेक्टरी बनाई गई जिसका विमोचन कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने किया। डायरेक्टरी में विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के शिक्षकों और संकायों के संपर्क सूत्र उपलब्ध है।

कुलपति ने किया डॉ. साँखला की पुस्तक का विमोचन

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी ने लक्की इंस्टिट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज के प्राचार्य एवं लेखक डॉ. अर्जुन सिंह साँखला लिखित 'एक थी कठिनाई' पुस्तक का विमोचन किया। इस कार्यक्रम में जोधपुर संभाग के निजी कॉलेजों की समिति के अध्यक्ष शैतानसिंह चौधरी, सचिव वीरेंद्र माथुर, कोषाध्यक्ष नवविक्रम सिंह तोमर, शिक्षाविद तथा जोधपुर के महिला महाविद्यालय की प्राचार्या मनोरमा उपाध्याय उपस्थित थीं।

'भारतीय संगीत का इतिहास' पुस्तक का विमोचन

संगीत विभागाध्यक्ष डॉ. गौरव शुक्ल द्वारा रचित भारतीय संगीत का इतिहास पुस्तक का विमोचन प्रदेश के मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने जयपुर में किया। भारतीय संगीत के इतिहास विषय के विद्यार्थियों के लिए इस पुस्तक को अत्यंत ही उपयोगी बताया।

सिंडीकेट सदस्य सोढाणी की पुस्तक का विमोचन

विश्वविद्यालय के सिंडीकेट सदस्य व गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाड़ा के पूर्व कुलपति की 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वयन' विषयक पुस्तक का विमोचन कुलाधिपति व राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजभवन में किया।

शेखावाटी किसान आंदोलन पुस्तक का ऑनलाइन विमोचन

शेखावाटी किसान आंदोलन एवं स्वतंत्रता सेनानी चौधरी ताराचंद झारोड़ा विषयक पुस्तक का ऑनलाइन विमोचन इतिहास विभाग द्वारा आयोजित वेबीनार में किया गया । इस पुस्तक के लेखक डॉ भरत देवड़ा ने बताया कि पुस्तक की प्रस्तावना राजस्थान के किसान आंदोलनों पर गहन शोध कार्य कर चुके प्रख्यात इतिहासकार प्रोफेसर पेमाराम द्वारा लिखी गई।

वेबीनार में माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर प्रवीण चंद्र त्रिवेदी, डीन प्रो. के. एल. रैगर, विभागाध्यक्ष प्रो सुशीला शक्तावत, मुख्य वक्ताओं एवं स्वतंत्रता सेनानी ताराचंद शिक्षा विकास समिति के पदाधिकारियों द्वारा लेखकों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

डॉ. सुरेश कुमार की पुस्तक का कुलपति त्रिवेदी ने किया विमोचन

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी ने डॉ. सुरेश कुमार लिखित पुस्तक आधुनिक एशिया का इतिहास का विमोचन किया। इस मौके पर इतिहास विभाग से असिस्टेंट प्रोफेसर प्रो. भवानी सिंह राजपुरोहित मौजूद रहे। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने डॉ. सुरेश कुमार लिखित पुस्तक को छात्रोपयोगी एवं महत्त्वपूर्ण बताकर उनको शुभकामनाएं दीं।

डॉ. मीणा की पुस्तक का विधायक ने किया विमोचन

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर एवं नेपासी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. जनक सिंह मीणा द्वारा लिखित भारतीय संविधान, राजनीतिक व्यवस्था एवं शासन प्रणाली नामक पुस्तक का विमोचन लोहावट विधायक किशनाराम विश्नोई ने जोधपुर सर्किट हाउस में किया।

रोवर्स एवं रेंजर्स स्काउटिंग की लघु पुस्तिका का विमोचन

रोवर ग्रुप लीडर डॉ. भरत देवड़ा द्वारा संपादित रोवर्स रेंजर्स स्काउटिंग नामक लघु पुस्तिका का माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर प्रवीण चंद्र त्रिवेदी ने विमोचन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय ग्रुप लीडर डॉ. भरत देवड़ा तथा कला संकाय के प्रथम क्रू के रोवर लीडर डॉ. ललित कुमार पवार उपस्थित रहे। यह पुस्तिका यूको बैंक के आर्थिक सहयोग से प्रकाशित की गई।

कुलपति ने किया राजस्थानी वेबिनार पोस्टर का विमोचन

विश्वविद्यालय के राजस्थानी विभाग और बाबा रामदेव शोधपीठ के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित होने वाले ''आधुनिक राजस्थान गद्य विधावां: एक दीठ'' विषयक ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार के पोस्टर का विमोचन कुलपति प्रो. पी. सी. त्रिवेदी ने केंद्रीय कार्यालय में किया।

'वैश्विक महामारी के पर्यावरण पर प्रभाव' दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार के पोस्टर विमोचन

पर्यावरण जागरुकता हेतु शोधपीठ द्वारा साईकिल रैली, फोटो प्रदर्शनी एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का होगा आयोजन- प्रो. पी. सी. त्रिवेदी

जेएनवीयू द्वारा संचालित गुरु जम्भेश्वर पर्यावरण शोधपीठ द्वारा वैश्विक महामारी के पर्यावरणीय प्रभाव विषय पर 4 जून को वेब संगोष्ठी तथा 5 जून को अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। पोस्टर एवं संगोष्ठी ब्रोशर के विमोचन के दौरान कुलपति प्रो. पी. सी. त्रिवेदी ने कहा कि इस प्रकार की संगोष्ठी से हमें प्राचीन मनीषियों के ज्ञान एवं गुरु जम्भेश्वर की शिक्षा का भान हो सकता है।

शोधपीठ के निदेशक डॉ. ओम प्रकाश विश्नोई ने कहा कि शोधपीठ द्वारा पर्यावरण उद्यान, साईकिल रैली, फोटो प्रदर्शनी, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी अनेक कार्यक्रमों को आयोजन पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी के कार्य निरन्तर किए जाएंगे।

कुलपति ने किया राजस्थानी सांस्कृतिक सप्ताह पोस्टर का विमोचन

विश्वविद्यालय में छात्र सेवा मंडल के अन्तर्गत राजस्थानी संस्कृति प्रकोष्ठ की ओर से एक मार्च से छह दिवसीय राजस्थानी सांस्कृतिक सप्ताह के पोस्टर का विमोचन विवि के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने किया। पोस्टर विमोचन में छात्र सेवा मंडल अध्यक्ष प्रो. नरेन्द्र मिश्र, प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. मीनाक्षी बोराणा आदि सम्मिलित हुए।

फंजाई पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की चार पुस्तकों का विमोचन

शिक्षकों का अभिनंदन, सम्मान समारोह

वनस्पति शास्त्र विभाग में कार्यरत प्रो. प्रवीण गहलोत व लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय के प्रो. जोगिन्द्र सिंह द्वारा फंजाई पर लिखी चार पुस्तकों का विमोचन किया गया। पुस्तक विमोचन व शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. पी. सी. त्रिवेदी मुख्य अतिथि थे जबकि कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के भूतपूर्व कुलपति व काजरी के सेवानिवृत्त प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एल. एन. हर्ष एवं जोधपुर नगर निगम महापौर श्रीमती कुन्ती देवड़ा विशिष्ट अतिथि थे।

इन चारों पुस्तकों का प्रकाशन विश्व के सर्वश्रेष्ठ व विज्ञान जगत के अग्रणी प्रकाशक एल्सीवीयर, नीदरलैंड द्वारा किया गया है।

Details of MoU signed between JNVU & other agencies

S. No.	Organization	Collaborating Areas
1.	Rajasthan ILD Skills University, Jaipur	Exchange information related to teaching and research, collaborate in curriculum development, provide mutual access of facilities for academic purposes, etc.
2.	INFLIBNET Centre, Gandhi Nagar	For Shodhganga/Shodhgangotri
3.	Indian Institute of Technology, Jodhpur	Research and allied activities
4.	Mining Engineers' Association of India, Rajasthan Chapter, Jodhpur	Effective use of resources to promote mining education, Skill based training, education and research, etc.
5.	All India Institute of Medical Sciences, Jodhpur	Research and allied activities
6.	Indian Institute of Technology, Kanpur	For Centre for Ganga River Basin Management and Studies (cGanga)
7.	Heartfulness, Education Trust Vijayawada	Education, Heartfulness relaxation, meditation and connected wellness workshops, etc.
8.	Haridev Joshi University of Journalism and Mass Communication, Jodhpur	Exchange information related to teaching and research, collaborate in curriculum development, provide mutual access of facilities for academic purposes, etc.
9.	ICAR-National Bureau of Plant Genetic Resources, Regional Station, Jodhpur	Research and allied activities
10.	Govind Guru Tribal University, Banswara	Encourage Higher Education, Vedic studies and research

मंगला राम विश्नोई को जेएनवीयू वित्त नियंत्रक का चार्ज

श्री मंगलाराम विश्नोई ने जयनारायण व्यास विश्व-विद्यालय के वित्त नियंत्रक का

कार्यभार संभाला। कार्यभार संभाल कर अधिकारियों की बैठक ली। इस अवसर पर कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र चारण व अनिल पंवार सहित कई कर्मचारियों ने विश्नोई का स्वागत किया।

डॉ. सांखला बने बिल्डिंग एंड कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी कोर्स के समन्वयक

जेएनवीयू से सम्बद्ध एमबीएम

इंजीनियरिंग कॉलेज के स्ट्रक्चरल विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुरेश सांखला को बिल्डिंग एण्ड कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का समन्वयक नियुक्त किया गया।

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय एवं इनफ्लिबनेट, गांधीनगर के मध्य पीएच.डी. शोध ग्रन्थ जमा करवाने के लिए हुआ एमओयू

कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने बताया कि जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं गांधीनगर स्थित यूजीसी द्वारा अनुमोदित इनफ्लिबनेट केन्द्र के मध्य शोध ग्रन्थ (Ph.D. Thesis) जमा करवाने हेतु समझौता हुआ है। कुलपति ने बताया कि इसके लिए जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रो.पवन कुमार कसेरा को विश्वविद्यालय समन्वयक नियुक्त किया है।

जेएनवीयू और आईआईटी जोधपुर में एमओयू

विश्वविद्यालय और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के मध्य बायोसाइंस अनुसंधान को लेकर एक एमओयू हुआ। आईआईटी जोधपुर के शिक्षकों और व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। एमओयू के अंतर्गत आईआईटी और जेएनवीयू मिलकर बायोसाइंस पर संयुक्त रूप से शोध करेंगे।

विश्वविद्यालय व राष्ट्रीय पादप आनुंवाशिक संसाधन ब्यूरो के मध्य एमओयू

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर व राष्ट्रीय

पादप आनुंवाशिक संसाधन ब्यूरो, क्षेत्रीय केन्द्र जोधपुर के मध्य एम.ओ.यू. का आदान-प्रदान हुआ। कुलपति प्रो.

प्रो. गेनवा परीक्षा नियंत्रक, प्रो. गर्ग बने इलेक्ट्रिकल विभागाध्यक्ष एवं डॉ. ओपी विश्नोई बने गुरु जम्भेश्वर शोध संस्थान के निदेशक

प्रो. के.आर. गेनवा

विश्वविद्यालय के केमेस्ट्री विभाग के प्रो. के.आर. गेनवा को परीक्षा नियंत्रक का कार्य सौंपा गया। हाल ही में परीक्षा नियंत्रक प्रो. जैताराम विश्नोई का निधन होने से यह पद खाली हो गया था।

प्रो. अखिल रंजन गर्ग

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के प्रो. अखिल रंजन गर्ग को विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

प्रो. ओ.पी. विश्नोई

गुरु जम्भेश्वर शोध संस्थान का डायरेक्टर केमेस्ट्री विभाग के असिस्टेंट प्रो. डॉ. ओपी. विश्नोई को नियुक्त किया है।

त्रिवेदी व राष्ट्रीय पादप आनुंवाशिक संसाधन ब्यूरो की तरफ से वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी अधिकारी डॉ. विजय सिंह मीणा ने एम. ओ. यू. पर हस्ताक्षर कर एक दूसरे को एम.ओ.यू. की कॉपी भेंट की।

विश्वविद्यालय व हार्टफुलनेस एजूकेशन ट्रस्ट के मध्य एमओयू

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय में आनन्दम् के अन्तर्गत हार्टफुलनेस एजुकेशन ट्रस्ट से एमओयू किया गया। एमओयू पर विश्वविद्यालय की तरफ से माननीय कुलपति प्रो. त्रिवेदी तथा हार्टफुलनेस एजूकेशन ट्रस्ट की तरफ से प्रो. विमला शेरॉन ने हस्ताक्षर कर एक-दूसरे को एमओयू की मूल प्रति भेंट की।

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय तथा हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर के मध्य हुआ 'एमओयू'

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर तथा हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर के मध्य में एमओयू हुआ। इस एमओयू के माध्यम से शैक्षणिक तथा शोध गतिविधियों का दोनों विश्वविद्यालय आदान-प्रदान करेंगे। साथ ही कौशल-विकास पाठ्यक्रमों के संदर्भ में परस्पर वैचारिक विनिमय होगा। दोनों विश्वविद्यालय संसाधनों को परस्पर साझा करेंगे। कार्यशालाओं का आयोजन आदि अनेक बिंदुओं पर दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपति प्रो. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी तथा श्री ओम थानवी ने विचार-विमर्श पूर्वक पारस्परिक साझेदारी की प्रतिज्ञा की।

मुख्यमंत्री ने किया विवि में कौटिल्य कौशल नीति केन्द्र का वर्चुअल लोकार्पण

राजस्थान के मुख्यमंत्री माननीय अशोक गहलोत ने 03 जून को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के पुराना परिसर स्थित कौटिल्य कौशल नीति केन्द्र का वर्चुअल लोकार्पण किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी, नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल एवं युवा मामले एवं खेल मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अशोक चानणा व राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वैभव गहलोत को धन्यवाद ज्ञापित कर बताया कि नव निर्मित कौटिल्य कौशल नीति केन्द्र भवन में 1 बड़ा हॉल, 4 छोटे हॉल एवं 12 स्टाफ रूम निर्मित किए है। प्रो. त्रिवेदी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार की नीतियों की प्रशंसा कर मुख्यमंत्री का आभार जताया। लोकार्पण एवं शिलान्यास का पूर्ण कार्यक्रम वर्चुअल रूप से संपादित हुआ। जिसमें कलेक्ट्रेट सभागार के सामने एनआईसी के वीसी कक्ष में उपस्थित मान्यगण इस कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े रहे।

विश्वविद्यालय में कम्प्यूटर प्रयोगशाला व बालिका छात्रावास वार्डन आवास का लोकार्पण

एम. बी. एम. इंजीनियरिंग कॉलेज के कम्प्यूटर साइंस विभाग में नवनिर्मित दो कम्प्यूटर प्रयोगशाला कक्षों व अनुसूचित जनजाति बालिका छात्रावास हेतु वार्डन आवास का उद्‌घाटन कुलपति प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी के कर कमलों द्वारा हुआ। कम्प्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बरवड़ ने बताया कि इन दोनों प्रयोगशाला कक्षों के निर्माण से विभाग में सुविधाओं का विस्तार हुआ है। अनुसूचित जनजाति बालिका छात्रावास के वार्डन आवास का उद्‌घाटन करते हुए कुलपति ने बताया कि वार्डन आवास बनने से आगामी सत्र में छात्रावास का उपयोग पूर्ण दक्षता के साथ किया जा सकेगा।

रूसा के नोडल अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत ने बताया कि रूसा के तहत् लगभग 50 लाख रुपये के अनुदान से दो कम्प्यूटर प्रयोगशाला कक्षों का निर्माण तथा लगभग 20 लाख रुपये से छात्रावास वार्डन आवास का निर्माण करवाया गया।

एमबीएम कॉलेज में कौशल विकास केन्द्र व कम्प्यूटर सेंटर नवीनीकरण का शुभारम्भ

कोविड दौर में हाइस्पीड इंटरनेट फाइबर लाइन से जुड़ा विश्वविद्यालय

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में कंप्यूटर सेंटर के नवीनीकरण कार्य का शुभारंभ एवं कौशल विकास केंद्र का शिलान्यास कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने किया। माइंनिंग इंजीनियर्स ऐसोसिएशन ऑफ इंडिया-राजस्थान चेप्टर के सहयोग से कौशल विकास केंद्र बनेगा। रूसा के आर्थिक सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में इंटरनेट एवं कंप्यूटर सुविधाओं की बढ़ती मांग के कारण कंप्यूटर सेंटर के नवीनीकरण कार्य का शुभारंभ और न्यू कैंपस के सभी संकायों में हाइस्पीड इंटरनेट लाइन लगाई गई।

नेपासी न्यूज लैटर का कुलपति ने किया लोकार्पण

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर पी.सी. त्रिवेदी द्वारा न्यू पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन सोसायटी के 44 वें न्यूज लैटर का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर नेपासी के महासचिव सह कोषाध्यक्ष डॉ. जनक सिंह मीना ने उपस्थित विद्वज्जनों को न्यूजलैटर की प्रति भेंट की।

ललित कला विभाग के नवनिर्मित कक्ष का लोकार्पण

ललित कला विभाग के नवनिर्मित कक्ष का लोकार्पण कमला नेहरू महिला महाविद्यालय परिसर में बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. त्रिवेदी के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। जो आर्ट गैलरी, स्टूडियो, स्मार्ट क्लास, विजुअल रिसोर्स सेंटर के लिए उपयोग में लाया जाएगा एवं पश्चिमी राजस्थान के कला केंद्र के रुप में विकसित किया जायेगा। डॉ. ऋतु जौहरी व डॉ. रेनू शर्मा ने इस अवसर पर विभाग के विषय में कुलपति महोदय को अवगत कराया। इस अवसर पर निदेशिका प्रो. कैलाश कौशल, रुसा के नोडल अधिकारी डॉ. प्रवीण गहलोत, संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. सरोज कौशल, चीफ इंजीनियर प्रो. रवि सक्सेना, इंजीनियर रवि पुरोहित एवं विभिन्न विभागों के शिक्षणगण उपस्थित थे।

केएन कॉलेज में ई-लाइब्रेरी एवं चित्रकला विभाग आर्ट गैलेरी का उद्घाटन

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में छात्राओं की सुविधा के लिए 4 फरवरी, 2021 को कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी एवं कॉलेज निदेशक प्रो. संगीता लूंकड़ ने फीता काटकर ई लाइब्रेरी और आर्ट गैलरी का उद्घाटन किया। कुलपति ने अपने उद्बोधन में कहा कि सकारात्मक सोच से हम जीवन में नित नये आयाम स्थापित कर सकते हैं। निदेशक प्रो. संगीता लूंकड़ ने कहा कि ई-पुस्तकालय से छात्राएं लाभान्वित होंगी।

अभियान्त्रिकी संकाय के चार विभागों में नए कक्षा- कक्ष व प्रयोगशालाओं का उद्घाटन

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के एम. बी. एम. अभियांत्रिकी संकाय में 24 मार्च को चार विभागों में नवनिर्मित कक्षा-कक्ष व प्रयोगशाला का विधिवत उद्घाटन किया गया। रासायनिक विभाग में सुसज्जित संगोष्ठी कक्ष, नागरिकी विभाग में नए कक्षा-कक्ष, संरचनात्मक विभाग में प्रयोगशाला व इलेक्ट्रोनिक्स और संचार विभाग में कक्षा-कक्ष व प्रयोगशाला कक्ष का निर्माण रूसा अनुदान राशि से आर.एस.आर.डी.सी. जोधपुर द्वारा लगभग एक करोड़ रुपये की राशि से करवाया गया। मुख्य कार्यक्रम का आयोजन रासायनिक विभाग के नवनिर्मित संगोष्ठी कक्ष में किया गया। कार्यक्रम के अन्त में विभागाध्यक्ष डॉ. सुशील सारस्वत ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

केएन कॉलेज में रसायन शास्त्र प्रयोगशाला का लोकार्पण

कमला नेहरू महिला कॉलेज में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री और जोधपुर सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा सांसद कोष से बनी रसायन शास्त्र प्रयोगशाला का 17 जुलाई, 2021 को लोकार्पण किया गया।

कॉलेज निदेशक प्रो. संगीता लूंकड़ ने कहा कि सभी छात्राओं के लिए समान अवसर हैं। अपनी क्षमता पहचाने और आगे बढ़ें। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने कहा कोरोना वैश्विक महामारी के उपरान्त भी विश्वविद्यालय के शिक्षक कार्यों को पूर्ण निष्ठा के साथ कर रहे हैं। ढाई सौ शोध पत्रों का प्रकाशन शिक्षकों द्वारा किया गया है।

जेएनवीयू फार्मेसी का नींव मुहूर्त एवं रक्तदान शिविर

जेएनवीयू नया परिसर में कुलपति प्रो. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी के कर कमलों द्वारा 2017 से चल रहे फार्मेसी (डिप्लोमा व डिग्री) कोर्स के नए भवन के लिए प्रस्तावित जगह पर नींव का मुहूर्त एवं भवन का शिलान्यास हुआ।

इस उपलक्ष मे छात्रों एवं फैकल्टी द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 37 यूनिट रक्तदान किया गया। इस अवसर पर विज्ञान संकाय के डीन प्रो. अशोक पुरोहित, अध्यक्ष रसायन शास्त्र विभाग प्रो. कैलाश डागा, प्रो. संगीता लूंकड़, भवन निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता विनीत गुप्ता, अभियंता रवि पुरोहित, गणमान्य शिक्षक एवं छात्र उपस्थित थे।

हिन्दी विभाग में स्मार्ट कक्ष का लोकार्पण

विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में इस विषय के पुरोधा कवि व आलोचकों ने अपनी सेवाएँ दी हैं और उनकी साधना से विभाग को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। इस गौरव को बनाने में यहाँ के शिक्षकों का महनीय योगदान है, ये विचार कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने 19 अगस्त, 2021 को हिन्दी विभाग में शिक्षकों के सहयोग से निर्मित स्मार्ट कक्ष के लोकार्पण के अवसर पर व्यक्त किए। प्रो.त्रिवेदी ने इस अवसर पर हिन्दी विभाग में अज्ञेय पांडुलिपि एवं शोध संग्रहालय का विधिवत उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. नरेन्द्र मिश्र, अधिष्ठाता कला संकाय, प्रो. के.एल. रैगर, पूर्व अधिष्ठाता प्रो. कौशलनाथ उपाध्याय, महिला अध्ययन केन्द्र की निदेशक प्रो. सरोज कौशल आदि विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

कला संकाय नव भवन, यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग में लैब तथा संगोष्ठी कक्ष का लोकार्पण

विश्वविद्यालय में कला संकाय नव भवन, यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) लैब तथा संगोष्ठी कक्ष का जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण होने पर माननीय कुलपति प्रो. त्रिवेदी द्वारा लोकार्पण किया गया। कला संकाय नव भवन के लोकार्पण के पश्चात् 1200 छात्रों को बैठने की अतिरिक्त सुविधा प्राप्त होगी।

वहीं एम.बी.एम कॉलेज लैब एवं संगोष्ठी कक्ष जीर्णोद्धार लोकार्पण में कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने कहा कि सरकार को हमने उच्च शिक्षा परिषद्, उच्च शिक्षा लोकसेवा आयोग, अम्ब्रेला यूनिवर्सिटी एक्ट, नयी शिक्षा नीति के तहत समान पाठ्यक्रम जैसे प्रावधान करने का सुझाव दिया है। ये कार्य सम्पन्न होने पर प्रदेश में संचालित 27 सरकारी तथा 64 निजी विश्वविद्यालयों में सकारात्मक परिणाम होंगे।

विज्ञान संकाय में कक्षाओं व प्रयोगशालाओं का उद्घाटन

विज्ञान संकाय में 15 अप्रैल को राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) अनुदान राशि से निर्मित नई कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, विभागाध्यक्ष हेतु कार्यालय का विधिवत् उदघाटन किया गया। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में बताया कि इस भवन से गणित व सांख्यिकी विभाग की सुविधाओं में विस्तार होगा। गणित व सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आर. के. गुप्ता ने कहा कि इस विभाग को लम्बे समय से प्रयोगशालाओं की आवश्यकता थी, जो अब रूसा अनुदान राशि से पूर्ण हुई है।

हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित सेमीनार

1. गुप्त जी भारतीयता के अग्रदूत हैं : मैथिलीशरण गुप्त की जयंती पर जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के हिंदी विभाग द्वारा व्याख्यान आयोजित की गई। सुप्रसिद्ध साहित्यकार व लखनऊ विश्वविद्यालय के आचार्य एवं पूर्व अध्यक्ष **प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित** ने गुप्त जी के महाकाव्य 'साकेत के नवम् सर्ग' पर सारगर्भित व्याख्यान देते हुए कहा कि साकेत आधुनिक हिंदी साहित्य का सर्वश्रेष्ठ काव्य है। गुप्त जी का काव्य राष्ट्र की अमरवाणी है। उनका संपूर्ण काव्य भारतीयता से ओतप्रोत है। गुप्त जी ने कहा है- ''जिसको न निज गौरव तथा निज देश का अभिमान है। वह नर नहीं पशु निरा है और मृतक समान है।'' गुप्त जी भारतीयता के अग्रदूत हैं। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के हिंदी विभागाध्यक्ष व संयोजक प्रो. नरेंद्र मिश्र ने संगोष्ठी की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए कहा कि लॉकडाउन में विद्यार्थियों/शोधार्थियों को ई कंटेंट उपलब्ध कराने के लिए व्याख्यानमाला प्रारंभ की गई है।

2. घनानन्द विषयक व्याख्यानः विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता, रीतिकाल के विद्वान् और घनानंद काव्य मर्मज्ञ तथा पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष हिन्दी विभाग, गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रो. रामदेव शुक्ल ने घनानंद काव्य और उनके जीवनवृत्त के कई अनछुए पहलुओं को बताया। उन्होंने कहा घनानंद प्रेम की पीर के कवि है। अध्यक्ष हिंदी विभाग डॉ. नरेंद्र मिश्र ने कहा कि घनानंद ने बंधी-बंधाई परिपाटी से अलग काव्य रचना की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. प्रवीण चन्द ने किया। संचालन डॉ. अरविन्द जोशी व धन्यवाद फत्ताराम नायक ने किया।

3. साहित्यकार को मधुमक्खी की तरह होना चाहिएः विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की ओर से आयोजित व्याख्यानमाला में हिन्दी कथा साहित्य पर साहित्यकार मृदुला सिन्हा का व्याख्यान हुआ। मृदुला सिन्हा ने कहा, साहित्यकार को मकड़ा नहीं मधुमक्खी की तरह होना चाहिए। हिंदी विभाग जोधपुर से डॉ. महिपाल सिंह, डॉ. कुलदीप सिंह मीना, डॉ. कीर्ति माहेश्वरी, डॉ. प्रेमसिंह, डॉ. महेन्द्रसिंह, डॉ. कामिनी ओझा, डॉ. विनीता चौहान, डॉ. कमला चौधरी, डॉ. प्रवीणचंद, डॉ. फत्ताराम नायक एवं डॉ. अरविंद जोशी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

4. रामचरितमानस भारतीय वाङ्मय का अद्भुत रत्नाकरः विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की ओर से आयोजित व्याख्यानमाला में रामचरितमानस के उत्तरकांड पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के एमेरिटस प्रो. श्रीनिवास पांडेय का व्याख्यान हुआ। विषय प्रवर्तन एवं स्वागत हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. नरेंद्र मिश्र ने किया। प्रो. पांडेय ने कहा, राजराज्य की स्थापना के लिए भरत का चरित्र नींव का पत्थर है। सत्ता के प्रति भरत का निर्मोह और भातृत्व प्रेम अप्रतिम है जो वर्तमान राजनीति और सत्ता के लिए अनुपम

उदाहरण बन सकता है।

5. 'जायसी अपने युग के साथ आज भी प्रासंगिक' : हिंदी विभाग की ओर से व्याख्यानमाला की 13वीं श्रृंखला का आयोजन हुआ। व्याख्यान में राष्ट्रीय एकता के ध्वजवाहक मलिक मोहम्मद जायसी विषय का प्रवर्तन तथा स्वागत विभागाध्यक्ष प्रो. नरेंद्र मिश्र ने किया। मुख्य वक्ता उत्तरप्रदेश हिंदी संस्थान के पूर्व अध्यक्ष डॉ. कन्हैया सिंह ने जायसी व उनके रचना कर्म दृष्टिकोण के बारे में विचार प्रस्तुत किए।

6. स्वाधीनता आंदोलन की गीता है : हिंदी विभाग द्वारा राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की अमर कृति 'भारत-भारती' पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यानमाला के निदेशक व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. नरेंद्र मिश्र ने कहा कि गुप्त जी राष्ट्र की धड़कन को समझते थे और यही कारण है कि गाँधी ने उन्हें राष्ट्रकवि नाम दिया। मुख्य वक्ता प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त ने बताया कि गुप्त की सभी रचनाओं में भारत-भारती राष्ट्रीय चेतना का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रमुख रचना है जिसे स्वतंत्रता आंदोलन में क्रांतिकारियों ने गीता की भाँति सराहा।

7. महिला कथा लेखन को आलोचकों ने किया उपेक्षित: हिंदी विभाग की ओर से 21 फरवरी को व्याख्यानमाला की 24वीं कड़ी में समकालीन कथा साहित्य विषय पर व्याख्यान आयोजित किया। सुप्रसिद्ध कथाकार ने आलोचकों पर आरोप लगाया कि वे महिला कथाकारों को दोयम दर्जा का मानकर उन्हें स्तरीय नहीं माना, जिससे साहित्य का बड़ा अहित हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. सूर्यबाला ने समकालीन कथा साहित्य पर सार्थक चर्चा करते हुए हिंदी कहानी की प्रारंभिक यात्रा की ओर दृष्टि डाली। डॉ. कामिनी ओझा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

8. 'आदिकालीन साहित्य पर शोध समय की यक्ष मांग' : ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला में आदिकाल की पृष्ठभूमि और नाथ साहित्य विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र मिश्र ने स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. महेन्द्र सिंह ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। मुख्य वक्ता डॉ. उदय प्रताप सिंह ने आदिकाल की पृष्ठभूमि को समझाते हुए नाथ संप्रदाय पर विस्तार से चर्चा की।

9. 'अनायास रुप से रचा साहित्य सर्वोत्कृष्ट साहित्य': हिंदी विभाग और पत्रकारिता विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में व्याख्यानमाला की 27वीं श्रृंखला 'हिंदी के प्रमुख नाटक और नाटकार' विषय पर आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में ख्यातनाम साहित्यकार हरीश नवल सम्मिलित हुए। मुख्य वक्ता डॉ हरीश नवल ने कहा कि आधुनिक काल के हिंदी नाटककार भारतेंदु हरिश्चंद्र के राष्ट्रीय अनुराग, नाट्यकर्म और अभिनय कौशल से हिंदी नाटक की यात्रा आरंभ की।

10. कामायनी विषय पर व्याख्यानमाला : हिंदी व पत्रकारिता विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में जयशंकर प्रसाद की कालजयी कृति कामायनी विषय पर 28वीं व्याख्यानमाला आयोजित की

गई। मुख्य वक्ता सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के कुलपति डॉ. सुरेंद्र दुबे ने जल प्लावन की कथा के माध्यम से वर्तमान में प्रकृति के रूप में हो रहे शोषण पर विशेष प्रकाश डाला। मुख्य संरक्षक जेएनवीयू कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने इस व्याख्यान में प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखने की बात की।

11. हिंदी भारतीयता की पर्याय है: विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में विशेष विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें हिंदी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर नरेंद्र मिश्र ने आधार वक्तव्य दिया तथा कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत उद्बोधन के साथ किया। श्री विकास दवे, निदेशक, मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी ने विश्व हिंदी के पटल पर अपने बीज वक्तव्य में कहा कि हिंदी हमारा स्वाभिमान है। मुख्य वक्ता श्री कैलाश चंद्र पंत, मंत्री संचालक, मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति व प्रधान संपादक अक्षरा, ने कहा : आजादी के संघर्ष के समय राष्ट्र नेताओं ने हिंदी को अपनाने का प्रण लिया। प्रो. नंद किशोर पांडे, अधिष्ठाता कला संकाय व रिसर्च डायरेक्टर, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर व पूर्व निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि हिंदी भाषा में व्यक्ति की प्रतिष्ठा बसी है। यह स्वीकार्यता की भाषा भी है। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने विश्व हिंदी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि विज्ञान में भी हिंदी आएगी और विज्ञान के शिक्षकों को विज्ञान की राष्ट्रीय उच्च स्तर की पत्रिका के लिए भी सोचना चाहिए।

फोर्थ स्टेट और रियल स्टेट में अन्तर कम रह गया है: बारेठ

राज्य सूचना आयुक्त नारायण बारेठ ने कहा कि इस नई सदी के 21 वें साल में आते-आते बहुत सारे देशों में लोकतंत्र के चतुर्थ स्तंभ और रियल स्टेट के मध्य अब अंतर कम रह गया है। जिनके पास फोर्थ स्टेट है वह अपनी एक भुजा रियल स्टेट में रखना चाहते हैं और जिनके पास रियल स्टेट हैं वे फोर्थ स्टेट की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. पी.एस. भाटी ने मीडिया को एक शक्ति के रूप में बताया। उन्होंने कहा कि संविधान में आम आदमी को अभिव्यक्ति की जितनी स्वतंत्रता दी गई है, उतनी मीडिया को भी है। समारोह अध्यक्ष कुलपति प्रो. त्रिवेदी, विशिष्ट अतिथि राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी में निदेशक डॉ. बी.एल. सैनी, विवि हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. नरेंद्र मिश्र थे। विवि के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. महीपाल सिंह राठौड़ और संयोजक डॉ. हरीदास व्यास ने भी अपने विचार रखे।

संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित सेमीनार

पं. मधुसूदन ओझा के ग्रन्थों पर विद्वानों ने प्रदान की नूतन दृष्टि

पं. मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ, संस्कृत विभाग ने पं. मधुसूदन ओझा की 154वीं जयन्ती पर विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान, जयपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में 'सप्तदिवसीय विचार संसद्' का अन्तर्राष्ट्रिय स्तर पर आयोजन किया।

1. 9 अगस्त, 2020 को उद्घाटन समारोह में कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने अध्यक्षता करते हुए वेद-विज्ञान की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। सारस्वत अतिथि के रूप में प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. अनुला मौर्य, कुलपति, ज.रा. संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, स्वामी ज्ञानेश्वरपुरी ने पं. ओझा के अवदान पर चर्चा की। प्रकोष्ठ निदेशक प्रो. सरोज कौशल ने कहा कि पं. ओझा ने वेदाध्ययन की नूतन दृष्टि प्रदान की है। धन्यवाद डॉ. सुरेन्द्र शर्मा ने ज्ञापित किया।

2. 10 अगस्त को प्रो. लक्ष्मी शर्मा ने 'इन्द्रविजय' पर व्याख्यान करते हुए ग्रन्थ के वैशिष्ट्य को विस्तार से निरूपित किया।

3. श्री कैलाश चतुर्वेदी ने शारीरक विज्ञान पर तथा प्रो. गणेशीलाल सुथार ने पं. ओझा की पुरुषार्थचतुष्टय विषयक अवधारणा को व्याख्यायित किया।

4. प्रो. दयानन्द भार्गव ने 'नासदीय सूक्त के आलोक में सृष्टि विद्या' पर गहन चिन्तनपूर्ण व्याख्यान प्रदान किया।

5. प्रो. अनन्त शर्मा ने पं. ओझा की वैदिक दृष्टि के नूतन प्रतिमानों की व्याख्या की।

6. प्रो. सरोज कौशल ने 'गीताविज्ञानभाष्य के वैशिष्ट्य' को रेखांकित किया।

पं. मोतीलाल शास्त्री के सिद्धान्तों की शोधपूर्ण व्याख्यापरक व्याख्यान आयोजित

14 से 20 सितम्बर पर्यन्त पं. मोतीलाल शास्त्री की 60वीं पुण्यतिथि पर राष्ट्रिय व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। डॉ. कैलाश चतुर्वेदी ने पं. मोतीलाल शास्त्री के श्राद्ध-विज्ञान विषय पर व्याख्यान प्रदान किये। डॉ. पुष्पलता गर्ग ने पं. मोतीलाल शास्त्री की अध्यात्म दृष्टि की व्याख्या की। प्रो. सरोज कौशल ने कठोपनिषद् विज्ञान भाष्य की पृष्ठभूमि पर शोधपूर्ण व्याख्यान प्रदान किया।

गीता का सन्देश सार्वभौमिक तथा सार्वकालिक है : प्रो. सरोज कौशल

संस्कृत विभाग तथा महिला पी.जी. महाविद्यालय, जोधपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में गीता जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. सरोज कौशल ने गीता के योगः कर्मसु कौशलम्, स्थितप्रज्ञता तथा लोक संग्रह की शास्त्रीय अवधारणा का निरूपण किया। अध्यक्षता प्रो. नरेन्द्र अवस्थी ने की तथा डॉ. नीतेश व्यास ने संयोजन किया।

पं. मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ के द्वारा प्रकाशित कैटेलॉग का विमोचन

पं. मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ के द्वारा प्रकाशित ग्रन्थों का परिचय प्रदान करने तथा पं. ओझा के ग्रन्थों की विस्तृत सूची को कैटेलॉग के माध्यम से सम्पादित किया गया है।

शोध प्रकोष्ठ निदेशक प्रो. सरोज कौशल

ने बताया कि इस कैटेलॉग की विशेषता यह है कि इसमें पं. ओझा के ग्रन्थों का पृथक्-पृथक् विषयों के आधार पर वर्गीकरण किया गया है। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने पं. ओझा शोध प्रकोष्ठ द्वारा प्रकाशित कैटेलॉग का लोकार्पण किया।

अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक का मंचन

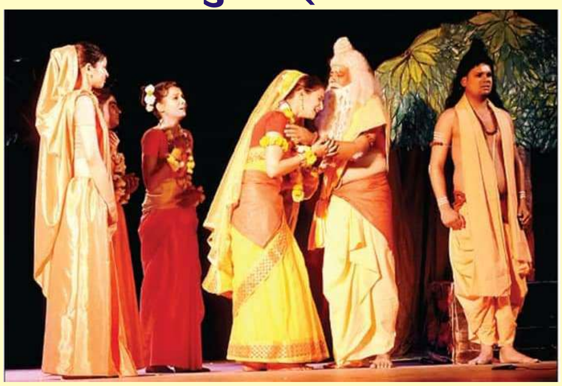

संस्कृत विभाग तथा राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर द्वारा संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित महाकवि माघ महोत्सव के अन्तर्गत जोधपुर के टाऊन हॉल में महाकवि कालिदास के द्वारा रचित अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक का मंचन किया गया। नाटक के निर्देशक डॉ. दीपक भारद्वाज थे। डॉ. भारद्वाज ने महर्षि कण्व की भूमिका भी निभाई। नाटक के चतुर्थ अंक का बहुत प्रभावी मंचन कर उन्होंने अभिज्ञान शाकुन्तलम् को जीवन्त कर दिया। अकादमी के निदेशक श्री संजय झाला के सहयोग से ही यह आयोजन सम्भव हुआ। कुलपति प्रो. त्रिवेदी इसमें मुख्य अतिथि के रूप में तथा राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के पूर्व अध्यक्ष श्री रमेश बोराणा विशिष्ट अतिथि थे।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी शोध एवं सूचना प्रणाली का आधार स्तम्भः प्रो. त्रिवेदी

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर का भूगोल विभाग अब देहरादून स्थित इसरो से जुड़ गया है। इसरो ने ऑनलाइन आउटरिच कार्यक्रमों के लिए जेएनवीयू के भूगोल विभाग को नेटवर्क संस्थान के रूप में नोडल सेंटर बनाया है। विभागाध्यक्ष प्रो. जयसिंह राठौड़ ने बताया कि इससे विश्वविद्यालय से जुड़े विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों को ऑनलाइन आउटरिच कार्यक्रमों के माध्यम से सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली तकनीक को जानने एवं समझने का अवसर मिलेगा। भूगोल विभाग आईआईआरएस इसरो के साथ अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग एवं शोध तकनीकी को सुगम बनाने के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। इसरो ने भूगोल विभाग में कार्यरत डॉ. ओम प्रकाश को इस नोडल सेंटर का समन्वयक नियुक्त किया है, डॉ. ओम प्रकाश ने इससे पूर्व आईआईआरएस-इसरो से देहरादून में दो माह का प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित

कुलपति कार्यालय में आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में कुलपति प्रो. त्रिवेदी एवं कला, शिक्षा एवं समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. किशोरी लाल रैगर ने सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

लिटरेरी एसोसिएशन में 'सिनेमा और महिला' पर व्याख्यान

अंग्रेजी विभाग की साहित्य परिषद् द्वारा आयोजित एक दिवसीय व्याख्यान कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त फिल्म समीक्षक एवं आलोचक अजीत राय ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। विभागाध्यक्ष प्रो. कल्पना पुरोहित ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. के.एल.रैगर ने की जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में फ्रांस की अभिनेत्री मेरियन बोर्गो, फ्रांस में फिल्म निर्माता पियरै फिल्मोन, फ्रांस की फिल्मों के समीक्षक ललित राव और वरिष्ठ पत्रकार एवं रंगकर्मी सिराज सईद मौजूद रहे। अपने उद्‌बोधन में अजीत राय ने फिल्म इंडस्ट्री एवं फिल्मों में महिला के स्थान एवं महिला फिल्मकारों द्वारा चुनौतीपूर्ण विषयों पर कार्य करने पर महत्त्वपूर्ण बातों को रेखांकित किया। इस साहित्यिक संगोष्ठी में प्रो. अशोक पुरोहित, प्रो. चैनाराम चौधरी, प्रो. अरविंद परिहार, प्रो. सरोज कौशल, डॉ. रेनू शर्मा, प्रो. मीना बर्डिया, प्रो. कांता कटारिया, डॉ. महिपालसिंह राठौड़ आदि के साथ-साथ अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अंग्रेजी विभाग में व्याख्यानमाला का शुभारंभ

अंग्रेजी विभाग के साहित्य परिषद के द्वारा व्याख्यानमाला का शुभारंभ हुआ। प्रथम दिन भारतीय प्रवासी केंद्र की निदेशक और वैज्ञानिक, मुंबई विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. निलोफर भरूच ने भारतीय साहित्य और सिनेमा में अंतरराष्ट्रीय प्रवासी भावना विषय पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की संयोजक प्रो. कल्पना पुरोहित ने व्याख्यानमाला के उद्देश्यों से अवगत कराया। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने विभाग द्वारा शुरू किए गए नवाचारों की प्रशंसा की। साहित्य परिषद् के दूसरे व्याख्यान में इंग्लिश एंड कल्चरल स्टडीज की एमिरटस प्रोफेसर और कोलहन विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रो. लक्ष्मीश्री बनर्जी का व्याख्यान हुआ।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा वेबीनार का आयोजन

सत्य, प्रेम और करुणा जीवन के नैतिक मूल्य - प्रो. त्रिपाठी

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा राजनीति में ''नैतिकता और नैतिक मूल्यों का सुदृढीकरण : अवधारणा और तत्कालीन मुद्दे'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार की संयोजक एवं विभागाध्यक्ष प्रो. कांता कटारिया द्वारा अतिथियों का स्वागत, परिचय दिया। इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक के कुलपति ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि राजनीति समस्याओं का समाधान करती है और यह एक महत्त्वपूर्ण विधा है। प्रो. रमेश के. अरोड़ा ने कहा कि गुड और बैड की परिभाषा नहीं बदली जा सकती है। कुलपति ने कहा कि हमारा संविधान बहुत अच्छा है परन्तु आवश्यकता इसकी सही क्रियान्विति की है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. जनक सिंह मीना ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। डॉ. दिनेश गहलोत ने कार्यक्रम का संचालन किया।

लोक प्रशासन विभाग ने मनाया ''आजादी का अमृत महोत्सव''

लोक प्रशासन विभाग में दिनांक 14 अगस्त 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के वक्ता राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. दिनेश गहलोत ने भारतीय लोकतंत्र के बारे में कहा कि यह एक अनूठा देश है और यहाँ का लोकतंत्र सफल लोकतंत्र का उदाहरण है।

विभागाध्यक्ष प्रो. मीना बरड़िया ने कहा कि हमने बडे संघर्षों के बाद आजादी प्राप्त की है। आज भी हमारा देश कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। यदि हमे भारत की खोई हुई प्रतिष्ठा को लौटाना है तो इसके लिये प्रत्येक नागरिक को अपना योगदान देना होगा। अतिथि शिक्षक डॉ. राजेश बोहरा ने विषय पर अपने विचार व्यक्त किये।

''लोक प्रशासन विभाग एवं नेहरु स्टडी सेंटर द्वारा वित्तीय साक्षरता पर वेबिनार''

लोक प्रशासन विभाग एवं नेहरू अध्ययन केन्द्र द्वारा संयुक्त तत्त्वावधान में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज द्वारा वित्तीय साक्षरता पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

यह वेबिनार पगडंडी नामक संस्था के माध्यम से सम्पन्न हुआ। वेबिनार के प्रारम्भ में पगडंडी संस्था की अल्का पारीक ने स्वागत उद्बोधन दिया। इसके बाद नेहरू स्टडी सेंटर के निदेशक डॉ. दिनेश गहलोत ने वेबिनार के आयोजन की प्रासंगिकता एवं वित्तीय साक्षरता के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

इतिहास विभाग में किसान आंदोलनः स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात् विषयक वेबीनार संपन्न

इतिहास विभाग जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर तथा स्वतंत्रता सेनानी चौधरी ताराचंद शिक्षा विकास सहकारी समिति झुंझुनू के संयुक्त तत्त्वावधान में ''भारत में किसान आंदोलन : स्वतंत्रता से पूर्व एवं पश्चात्'' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. भरत देवड़ा तथा इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुशीला शक्तावत ने बताया कि वेबीनार के मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. ब्रजकिशोर शर्मा, पूर्व विभागाध्यक्ष, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा ने अपने उद्बोधन में स्वतंत्रता से पूर्व भारत में हुए किसान आंदोलनों पर प्रकाश डाला। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने कहा गांधीजी ने किसानों को आत्मबल युक्त समुदाय कहा है। अंत में डॉ. प्रतिभा सांखला ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजभवन पार्क में खेजडली बलिदान को मिलेगी जगह

खेजडली बलिदान का स्टेच्यू, टेलीफिल्म, शिलालेख, ताम्रपत्र स्थापित करने का प्रजेंटेशन राजभवन में कुलपति संवाद के दौरान कुलपति प्रो. त्रिवेदी द्वारा प्रदान किया गया। कुलपति द्वारा 5 सितंबर 2020 को सिंडिकेट बैठक में राजस्थानी भाषा का इतिहास, महत्ता, साहित्य की समृद्धि तथा पर्यावरण के संबंध में विश्नोई समाज का इतिहास एवं खेजडली बलिदान को दर्शाने का प्रस्ताव बैठक में प्रस्तुत किया गया।

पुलिस अधिकारियों को दिए 'रिलेक्सेशन टेक्निक' के टिप्स

मनोविज्ञान विभाग व आईसीएमआर के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित हुई एक दिवसीय कार्यशाला

मनोविज्ञान विभाग व आईसीएमआर 'एनआईआईआरएनसीडी' के संयुक्त तत्त्वावधान में 'प्रिवेंशन एंड मैनेजमेंट ऑफ बर्नआउट इन पुलिसिंग' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एंव जवानों में लगातार बढ़ते तनाव एवं अवसाद के मामलों में कमी लाने के साथ ही उन्हें रिलेक्सेशन टेक्निक के माध्यम से अपने कार्य के साथ-साथ तनाव मुक्त होकर कार्य करने की तकनीक से अवगत करवाया गया।

कार्यशाला में आईसीएमआर की वैज्ञानिक डॉ विकास धिकाव व डॉ पीके आनन्द ने अधिकारियों को तनाव मुक्त रहने के वैज्ञानिक तरीकों से अवगत करवाया। राममनोहर लोहिया अस्पताल नई दिल्ली के मेडिसिन विभाग से डॉ गार्गी बाला मेडिटेशम तकनीक से अवगत करवाया। मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं कार्यशाला के संयोजक प्रो. एल.एन बुनकर ने अधिकारियों को मनोवैज्ञानिक महत्त्व के साथ ही पुलिस जांच में काम आने वाले मनोवैज्ञानिक तकनीकों से रूबरू करवाया। सहायक आचार्य डॉ. हेमलता जोशी ने रिलैक्सेशन थेरेपी से पुलिस अधिकारी एवं जवान कैसे अपने कार्य क्षेत्र में कार्य करते हुए खुद को तनाव मुक्त रख सकते हैं, इसके उपाय बताये।

मनोविज्ञान विभाग में कार्यशाला

विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में अपलिफ्टः लेट्स लर्न टू स्ट्रेंथन अवर इमोशनल इंटेलिजेंस विषयक एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई।

मुख्य वक्ता प्रबंधन अध्ययन विभाग की डॉ. नीलम कल्ला ने जीवन में भावनाओं को समझने की आवश्यकता एवं उन्हें रेगुलेट करने के तरीके बताएं। डॉ. हेमलता जोशी ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस पर यह एक चाबी दी गई है जिससे आप अपनी सफलता की ओर अग्रसर होंगे।

इस कार्यशाला में विभागाध्यक्ष प्रो. विमला वर्मा, प्रो. एल.एन. बुनकर, डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. अर्पिता कक्कड़ एवं मनोविज्ञान विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यमों से उपस्थित रहे।

संगीत विभाग ने आयोजित किए अनेक वेबीनार

1. 'समकालीन संगीत शिक्षा में घराना परंपरा की प्रासंगिकता' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन हुआ। संगीत विशेषज्ञों ने वर्तमान दौर में घरानेदार संगीत के शिक्षण की जरूरत बताते हुए प्रचार-प्रसार का आह्वान किया। आयोजन निदेशक डॉ. भूमिका द्विवेदी ने बताया कि वेबीनार का शुभारंभ कुलपति त्रिवेदी और कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. किशोरी लाल रैगर ने किया। मुख्य अतिथि विश्व प्रसिद्ध गायिका व भातखंडे संगीत संस्थान लखनऊ की कुलपति प्रो. श्रुति साडोलिकर ने संस्थागत शिक्षा प्रणाली व घरानेदार संगीत शिक्षण दोनों की वर्तमान में आवश्यकता व स्थिति पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता गणेश कुमार ने संस्थागत संगीत शिक्षण में सुधार व विद्यार्थियों के लिए कॅरियर अवसर पैदा करने के विषय पर चर्चा की। सुरबहार वादक डॉ. अश्विन दल्वी, राजस्थान ललित कला अकादमी जयपुर के पूर्व अध्यक्ष मीना, पं. कृष्ण राव शंकर पंडित की सुपौत्री व ग्वालियर घराने की कलाकार डॉ. मीता पंडित का व्याख्यान हुआ।

2. राग एवं रागांग पर व्याख्यान : संगीत विभाग की ओर से 8 फरवरी, 2021 को एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पंडित मुकुंद क्षीरसागर ने राग और रागांग पर व्याख्यान दिया। उन्होंने भैरव राग पर विस्तृत चर्चा की। व्याख्यान के प्रारंभ में विभागाध्यक्ष डॉ. गौरव शुक्ल ने व्याख्यान की जानकारी दी।

3. संगीत विभाग में एक दिवसीय वेबिनार :संगीत विभाग की ओर से एक दिवसीय वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. स्वाति शर्मा ने बताया कि वेबीनार के आयोजन से विद्यार्थियों को कोरोना महामारी में संगीत सीखने में सहायता प्राप्त होगी। मुख्य वक्ता डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के सहायक आचार्य डॉ. अवधेश सिंह तोमर थे।

4. भारतीय संगीत का मस्तिष्क पर प्रभाव : संगीत विभाग की ओर से 12 जून को एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। संयोजिका डॉ. स्वाति शर्मा ने बताया कि वेबिनार का मुख्य विषय 'भारतीय संगीत का मस्तिष्क पर प्रभाव' रखा गया। वेबिनार में विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों-महाविद्यालयों से लगभग 100 से अधिक विद्वान्, आचार्य, शोधार्थियों ने भाग लिया।

5. यूजीसी नेट परीक्षा में संगीत विषय की तैयारी पर मार्गदर्शन : संगीत विभाग की ओर से 14 फरवरी को एक दिवसीय वेब व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसका मुख्य विषय यूजीसी नेट संगीत विषय में किस प्रकार तैयारी करे, रखा गया। मुख्य वक्ता हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ.

मृत्युंजय शर्मा ने विस्तार से यूजीसी नेट संगीत विषय की तैयारी को पावर पॉइंट के माध्यम से प्रस्तुत किया।

6. **"हिंदी फिल्म में सितार का महत्व"** विषयक एक दिवसीय वेबिनार पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला के सितार के आचार्य वनिता एवं तबले पर संगत उनके भाई जयदेव ने विचार व्यक्त करते हुए मनमोहक प्रस्तुति दी। संयोजिका डॉ. स्वाति शर्मा ने सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

7. संगीत विभाग की ओर से आयोजित वेबिनार में कार्यक्रम संयोजिका डॉ. स्वाति शर्मा ने बताया कि वेबिनार का मुख्य विषय गजलों में शास्त्रीय राग का समावेश था। मुख्य वक्ता गजल गायक डॉ. रोशन भारती ने अपने रूहानी गजल गायन एवं अपनी संगीत यात्रा से सभी को रूबरू करवाया। डॉ. भारती ने गजल की उत्पत्ति एवं विकास गजल के स्वरूप इश्क हकीकी, इश्क मिजाजी एवं गजलों में शास्त्रीय रागों का किस तरह समावेश किया जाता है। इसकी विस्तृत जानकारी प्रदान की।

8. संगीत विभाग की विभागाध्यक्ष व संयोजिका डॉ. स्वाति शर्मा ने बताया कि व्याख्यान का मुख्य विषय उत्तर भारतीय संगीत में ख्याल गायकी की परंपरा था। मुख्य वक्ता काशी हिंदू विश्वविद्यालय के गायन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. ज्ञानेश चंद्र पांडे ने सभी को ख्याल गायकी की बारीकियों से अवगत कराया।

9. संगीत विभाग की ओर से सात दिवसीय साप्ताहिक वेब व्याख्यान के अंतिम दिन गायन, वादन और नृत्य पर संयुक्त रूप से व्याख्यान आयोजित किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. स्वाति शर्मा ने बतायाकि संगीत की पूर्णता गायन, वादन और नृत्य के संयोग से होता है।

जम्मू कश्मीर से विजय सान्याल ने संगीत से अध्यात्म तक का सफर विषय पर बात रखी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के उपाचार्य डॉ. विधि नागर ने कत्थक नृत्य का दरबारों द्वारा संरक्षण एवं संवर्धन पर चर्चा की। काशी हिंदू विवि के पूर्व संकाय प्रमुख प्रो. राजेश शाह सितार वादन के घराने एवं वादन शैली में सौंदर्य का विधान विषय पर व्याख्यान दिया।

10. **संगीत में कंठ संस्कार पर वेबिनार :** संगीत विभाग की ओर से 29 मई को गूगल मीट एवं विभाग के अधिकारिक पेज पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम संयोजिका एवं विभागाध्यक्ष डॉ. स्वाति शर्मा ने बताया कि भारतीय संगीत में कंठ संस्कार विषयक वेबिनार के मुख्य वक्ता संगीतकार एवं शिक्षाविद पंडित देवेंद्र वर्मा थे। संगीतज्ञ वर्मा ने कंठ संस्कार के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने संगीत अभ्यास के लिए चार प्रहर का विधान बताया साथ ही किस प्रकार से अलंकारों का अभ्यास किया जाए इसकी भी

राजस्थानी विभाग ने आयोजित किए अनेक वेबीनार

1. राजस्थानी विभाग द्वारा अनेक राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित : राजस्थानी विभाग द्वारा विभागाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी बोराणा के संयोजन में ''राजस्थानी साहित्य अर बदलतो जुग'' विषयक राजस्थानी भाषा के वेबीनार का आयोजन किया गया।

वेबिनार के प्रारम्भ में कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने राजस्थानी भाषा की प्राचीनता व समृद्धि का उल्लेख किया। मुख्य वक्ता के रूप में राजस्थानी के कवि डॉ. आईदान सिंह भाटी ने साहित्य के जमीनी जुड़ाव की आवश्यकता के बारे में बताया। देश के प्रसिद्ध कहानी एवं उपन्यासकार डॉ. भरत ओला ने रचनाधर्मिता में युग की महत्ता पर प्रकाश डाला।

लोकप्रिय कवि डॉ. गजादान चारण ने समृद्ध पुरातन साहित्य का संरक्षण करने की बात कही। वेबिनार के सहसंयोजक डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने विषय विशेषज्ञों का परिचय दिया। राजस्थानी विभाग द्वारा राष्ट्रीय वेब परिचर्चा ''राजस्थानी साहित्य एवं महिला लेखन'' विषय पर राजस्थान कला साहित्य संस्थान, जोधपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित की गई, जिसमें जोधपुर से जेबा रशीद, बसन्ती पंवार, किरण राजपुरोहित, जयपुर से डॉ. शारदा कृष्ण, उदयपुर से रीना मैनारिया, बीकानेर से मोनिका गौड़ ने अपने वक्तव्य से इस परिचर्चा को एक नया आयाम प्रदान किया।

2. माँ, मातृभूमि तथा मातृभाषा से बढ़कर कुछ भी नहीं - प्रो. त्रिवेदी : माँ, मातृभूमि तथा मातृभाषा से बढ़कर कुछ भी नहीं है, ये विचार कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने बाबा रामदेव शोधपीठ तथा राजस्थानी विभाग द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय वेबीनार' में अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रकट किये। प्रो. त्रिवेदी ने कहा कि हमें विश्व की सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए परन्तु अपनी मातृभाषा का गौरव तथा महत्त्व कभी भी नहीं भूलना चाहिए। आलोचक बुलाकी शर्मा (बीकानेर) ने कहा कि हिंदी तथा राजस्थानी साहित्य में कहानी का सृजन लगभग एक साथ ही प्रारंभ हुआ था। सहायक आचार्य डॉ. धनंजया अमरावत ने उपन्यास साहित्य पर विचार व्यक्त कर वक्ताओं का परिचय दिया।

3. प्राचीन प्रेमाख्यानों को समसामयिक संदर्भ व आधुनिक दृष्टि से प्रस्तुत करती हैं राजपुरोहित की कविताएँ : डॉ शेखावत : राजस्थानी विभाग एवं प्रयास संस्थान, चूरू की ओर से नए परिसर में स्थित भाषा प्रकोष्ठ में डॉ गजेसिंह राजपुरोहित की प्रबंध काव्य पुस्तक 'पळकती प्रीत' पर पोथी चर्चा का

आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के पूर्व उपाध्यक्ष एवं पूर्व अधिष्ठाता प्रो कल्याण सिंह शेखावत ने कहा कि डॉ. राजपुरोहित ने 'पळकती प्रीत' की कविताओं में एक नया प्रयोग किया है। इन कविताओं में एक नई शैली देखने को मिलती है। राजस्थानी साहित्य में पहली बार यह प्रयोग किया गया है।

4. मायड़ भाषा रौ मैत्व कार्यक्रम में दस प्रतिभाओं का सम्मान : महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश शोध केन्द्र, मेहरानगढ़, बाबा रामदेव शोधपीठ राजस्थानी विभाग, जेएनवीयू एवं इंटैक जोधपुर चैप्टर के संयुक्त तत्त्वावधान में प्राथमिक शिक्षा में मायड़ भाषा रौ मैतव विषयक कार्यक्रम आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायाधिपति पुष्पेंद्रसिंह भाटी ने कहा, राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के गौरवशाली इतिहास को देखते हुए राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता मिलनी ही चाहिए।

समारोह अध्यक्ष कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने कहा, बच्चों को मातृ भाषा सीखने की प्रेरणा देनी चाहिए। मातृ भाषा से जुड़ने का मतलब है अपनी जड़ों से जुड़ना। मुख्य वक्ता डॉ. आईदानसिंह भाटी ने कहा, बच्चों को मातृ भाषा में शिक्षा देकर हम परिवेश को बदल सकते हैं। डॉ. महेंद्रसिंह तंवर ने पूर्व नरेश गजसिंह की ओर से राजस्थानी भाषा की मान्यता के लिए किए जाने वाले प्रयासों से अवगत कराया। राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 10 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

5. अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राजस्थानी विभाग द्वारा व्याख्यानमाला आयोजित : राजस्थानी विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ मीनाक्षी बोराणा ने बताया कि इस व्याख्यानमाला की मुख्य वक्ता संस्कृत विश्वविद्यालय की सहायक आचार्य वंदना राठौड़ ने योग के महत्त्व को रेखांकित किया।

6. "संस्कृति के संरक्षण के लिए राजस्थानी रंगमंच की समृद्धि आवश्यक" : राजस्थानी भाषा के नाट्य विशेषज्ञों ने एक स्वर में कहा कि संस्कृति संरक्षण के लिये राजस्थानी भाषा का रंगमंच समृद्ध और विकसित होना आवश्यक है। विभागाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी बोराणा ने बताया कि इस वेबिनार में विषय विशेषज्ञ राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. अर्जुनदेव चारण ने 2500 वर्ष पूर्व लिखे गये भरत के नाट्यशास्त्र से लेकर विभिन्न ऐतिहासिक कालखण्डों का उल्लेख करते हुए राजस्थानी भाषा और उसकी गौरवमयी परम्परा पर विस्तार से प्रकाश डाला।

नेहरू अध्ययन केन्द्र के द्वारा बेवीनार का आयोजन

वैक्सिनेशन में अग्रणी पंचायतों को वित्तीय प्रोत्साहन जरूरी: प्रो. त्रिवेदी

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के नेहरू अध्ययन केन्द्र द्वारा ''कोरोना से सीख: पंचायतों की मजबूती की आवश्यकता'' विषय पर वेबीनार का आयोजन हुआ। वेबिनार के मुख्य वक्ता मध्यप्रदेश सामाजिक विज्ञान शोध संस्थान, उज्जैन के निदेशक प्रो. यतींद्र सिंह सिसोदिया ने कोरोना की तीसरी लहर से बचने हेतु पंचायत राज संस्थाओं की मजबूती को रेखांकित किया।

मुख्य वक्ता समाजशास्त्र के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. के. एन. व्यास के अनुसार पिछले एक वर्ष से खंडन और मंडन की राजनीति की वजह से कोरोना संकट बढ़ा है। कोरोना संकट में सरकार की विरोधाभासी नीतियाँ भी उत्तरदायी है, एक ओर सरकार वैक्सीन का निर्यात का दावा कर सीना ठोकती है वहीं दूसरी ओर सहायता हेतु हाथ भी फैला रही है। अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने पंचायत राज संस्थान को अंतिम व्यक्ति की समस्या का समाधान करने का यंत्र बतलाया। कार्यक्रम के प्रारंभ में संयोजक डॉ. दिनेश गहलोत ने अतिथियों का स्वागत किया तथा वेबीनार पर प्रकाश डाला। वेबिनार समन्वयक डॉ. राजश्री राणावत ने कार्यकम का संचालन किया।

प्रथम संविधान संशोधन सामाजिक आर्थिक न्याय का प्रतीक - माथुर

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के नेहरू अध्ययन केंद्र द्वारा पंडित नेहरू तथा संविधान में प्रथम संशोधन विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार के मुख्य वक्ता न्यायमूर्ति गोविंद माथुर ने प्रथम संविधान संशोधन की पृष्ठभूमि को रेखांकित किया। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम के प्रारंभ में नेहरू अध्ययन केन्द्र के निदेशक डॉ. दिनेश गहलोत ने अतिथियों का स्वागत किया। वेबीनार में 760 पंजीकरण हुए। राज. उच्च न्यायालय में अतिरिक्त महाधिवक्ता संदीप शाह, अधिवक्ता कुलदीप माथुर, अधिवक्ता बलजिंदर संधू, अधिवक्ता राजेश परिहार के साथ-साथ राजनीति विज्ञान की विभागाध्यक्ष प्रो कांता कटारिया, प्रो मीना बरडिया इत्यादि शिक्षक भी सम्मिलित हुए।

आत्मनिर्भर भारत रोजगार सृजन का उपकरण बनेगा : सिंह

लोक प्रशासन विभाग तथा नेहरू अध्ययन केन्द्र के संयुक्त तत्त्वावधान में ''सतत विकास एवं आत्मनिर्भर भारत : महत्वपूर्ण मुद्दे'' विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। विवेकानंद विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति प्रो वी वी सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत से रोजगार सर्जन प्रारम्भ होगा। अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कुलपति प्रो त्रिवेदी ने कहा कि आवश्यकता व तृष्णा के बीच अंतर को समझ कर आत्मनिर्भर भारत का सपना सच किया जा सकता है।

डॉ. अंबेडकर अध्ययन केन्द्र द्वारा बुद्ध पूर्णिमा पर 'लोक में बुद्ध और बौद्ध संस्कृति' विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

"महात्मा बुद्ध ने वैज्ञानिक सोच और परीक्षण के आधार पर कार्य करने का संदेश दिया। महात्मा बुद्ध ने ''अप्प दीपो भवः'' के संदेश के माध्यम से स्वयं को जानने का मार्ग प्रदान किया है। यह मार्ग कोविड महामारी से लड़ने का एक सशक्त हथियार है। ये विचार कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने राष्ट्रीय वेबीनार में प्रदान किए।

अंबेडकर अध्ययन केन्द्र के निदेशक डॉ. भरत कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय वेबीनार में प्रसिद्ध बौद्ध चिन्तक तथा मुम्बई विश्वविद्यालय के प्रोफेसर दामोदर मोरे, डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सोसायटी के सह आचार्य डॉ. वरुण गुलाटी, महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय से डॉ. राजाराम आदि ने विचार व्यक्त किए।

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर जयंती पर पुष्प अर्पण कार्यक्रम

अनुसूचित जाति जनजाति प्रकोष्ठ एवं अम्बेडकर अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्त्वावधान में अम्बेडकर की 130वीं जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि का आयोजन हुआ। अध्यक्षता कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने की।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व कुलपति प्रो. बी. एस. राजपुरोहित ने अम्बेडकर के विचारों को समावेश करना ही सच्ची श्रद्धांजलि बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिंडीकेट सदस्य प्रो. सुनील शर्मा ने कहा कि समाज में वंचित वर्ग की प्रतिभाओं को संविधान में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग से ही मुख्यधारा में लाया जा सकता है। अतिथियों का स्वागत डॉ. भरत कुमार ने किया। कार्यक्रम में अतिथियों को स्मृति चिह्न के रूप में ड. बी.आर. अम्बेडकर की तस्वीर भेंट की गई।

जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि : प्रो. सामतेन

बौद्ध अध्ययन केंद्र ने ''बौद्ध दर्शन एक परिचय'' विषयक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता थे सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर तिब्बतन स्टडीज के कुलपति पद्मश्री प्रो. नवांग सामतेन। उन्होंने कहा कि हमें आंतरिक, मानसिक एवं एनवायरमेंटल संसार की व्याख्या करना जरूरी है। इससे हमें दुःख के कारणों को जानने में सहायता होगी। बुद्धं शरणं गच्छामि, धर्मं शरणं गच्छामि और संघं शरणं गच्छामि की व्याख्या की और बताया यहाँ ज्ञान की शरण लेने की बात है न कि किसी व्यक्ति अथवा धर्म की। अध्यक्षता करते हुए के कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने अपने उद्‌बोधन में कहा आज के समय की माँग है - बौद्ध दर्शन। आज विश्व जिस विकट परिस्थिति से गुजर रहा है बौद्ध दर्शन हमें एक नई राह दिखाता है। वेबीनार में अधिष्ठाता प्रो किशोरी लाल रैगर, प्रो संगीता लूंकड़, प्रो सरोज कौशल आदि उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के अनेक छात्र-छात्राएँ इस व्याख्यान से लाभान्वित हुए। बौद्ध अध्ययन केन्द्र की निदेशक डॉ. राजश्री राणावत ने अतिथियों का परिचय एवं स्वागत किया। केन्द्र के स्वर्णिम इतिहास का भी उल्लेख किया।

गाँधी जयंती पूर्व संध्या पर वेबिनार

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 151वीं जयंती की पूर्व संध्या पर उनके सिद्धांतों को जीवंत बनाए रखने एवं गाँधी विचारों के प्रचार प्रसार को लेकर जेएनवीयू गाँधी अध्ययन केंद्र की ओर से आचार और विचार के ज्योति पुंज महात्मा गाँधी विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन कुलपति प्रो. त्रिवेदी की अध्यक्षता में किया गया। प्रो. त्रिवेदी ने गाँधीजी के जीवन के सात सिद्धांतों पर चर्चा कर वर्तमान समय में उनकी उपयोगिता व आवश्यकता पर प्रकाश डाला। गाँधी अध्ययन केंद्र के निदेशक डॉ. हेमसिंह गहलोत ने बताया कि राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री भंवरसिंह भाटी ने कोरोना महामारी से बचाव को लेकर प्रारम्भ किए जन आंदोलन मे मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार गाँधीगिरी के माध्यम से आजमन की भागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया।

मुख्य वक्ता प्रो. बी. एम शर्मा पूर्व अध्यक्ष राजस्थान लोक सेवा आयोग, प्रो. सतीश कुमार राष्ट्रीय संयोजक राजीव गाँधी स्टडी सर्कल, डॉ. सुनील तिवारी सहायक प्रोफेसर दिल्ली विश्वविद्यालय ने महात्मा गाँधी के जीवन, आदर्श, सत्य, अहिंसा, व परिश्रम के पहलुओं पर उद्‌बोधन दिए।

इसी कड़ी में संगीत विभाग में महात्मा गाँधी और संगीत विषयक राष्ट्रीय वेबीनार कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. किशोरीलाल रैगर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। मुख्य वक्ता पंडित देवेंद्र वर्मा, विदुषी एवं हिना चक्रवर्ती, डॉ. मोनिका शाह थे। विभागाध्यक्ष डॉ. गौरव शुक्ल ने स्वागत किया, डॉ. स्वाति शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पर्यावरण विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार

गुरु जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोध पीठ, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार "वैश्विक महामारियाँ, पर्यावरण से अन्तःसम्बन्ध, प्रभाव एवं जाम्भाणी, दर्शन में समाधान" के प्रथम दिवस पर उद्‌घाटन सत्र का शुभारम्भ निदेशक डॉ. ओमप्रकाश बिश्नोई के स्वागत भाषण से हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में टेक्सास विश्वविद्यायलय अमेरिका से जुड़े प्रो. पंकज जैन ने अपने व्यक्तव्य में अमृतादेवी बिश्नोई तथा अन्य 363 लोगो के बलिदान को पर्यावरण संरक्षण का आगाज बताते हुए पर्यावरण संरक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला। लूणी विधायक श्री महेन्द्रजी बिश्नोई, मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री विजयजी बिश्नोई ने पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण हेतु मार्गदर्शन किया। प्रो. अभिमन्यु कुमार ने कार्यक्रम को सुशोभित किया। इस अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्‌घाटन तथा समापन के अतिरिक्त पांच तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। जिसमें दुबई से श्री आर.के. बिश्नोई, प्रो. अनिल छंगाणी (बीकानेर), प्रो. सरोज कौशल (जोधपुर), प्रो. किशोरीलाल रैगर (अधिष्ठाता, कला संकाय), प्रो. एस.के. सिंह (अभियांत्रिकी संकाय), प्रो. गंगाराम जाखड़ (पूर्व कुलपति, बीकानेर) पद्‌मभूषण तथा पद्‌मश्री से सम्मानित डॉ. अनिल प्रकाश जोशी आदि ने व्याख्यानों से संगोष्ठी को अलंकृत किया।

इनका हुआ सम्मानः- पीठ द्वारा तीन पुरस्कारों को प्रदान किया गयाः-

1. श्री सुन्दरलाल बहुगुणा को 'गुरू जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार' दिया गया।
2. डॉ. वन्दना शिवा को 'अमृता देवी विश्नोई 2021' पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।
3. पद्‌मश्री से सम्मानित श्री यादव पायेंग को 'तपेश्वर जैताराम विश्नाई स्मृति पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

शोध-पीठ के निदेशक डॉ. ओमप्रकाश विश्नोई ने बताया कि इस वेबीनार में 10 देशों के प्रतिभागियों ने 7 सत्रों में 50 शोधपत्र प्रस्तुत किये।

महिला अध्ययन केन्द्र के द्वारा वेबीनार का आयोजन

दो दिवसीय वेबीनार में श्री सुमेर महिला महाविद्यालय की छात्राओं का किया मार्गदर्शन

महिला अध्ययन केन्द्र तथा प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में दो दिवसीय वेबीनार आयोजित किया गया। इसमें आयुर्वेद विश्वविद्यालय की सहायक आचार्य डॉ. मोनिका ने 'सम्यक् आहार, स्वस्थ जीवन' विषय पर व्याख्यान देते हुए आहार की स्वस्थ जीवन में महत्ता को प्रतिपादित किया। ऋतु के अनुसार भोजन, उचित काल में भोजन करना, विरुद्ध आहार न करना, स्निग्ध आहार ग्रहण करना जैसे अनेक सिद्धांतों को आयुर्वेद के शास्त्रों के आधार पर व्याख्यायित किया। क्रोध, ईर्ष्या, लोभ आदि मानसिक रोग शरीर को भी रोगी बना देते है। लक्की प्रोफेशनल स्टडीज के प्राचार्य डॉ. अर्जुनसिंह साँखला ने 'सफल जीवन के सरल सूत्र' विषय पर छात्राओं से कहा कि संघर्ष एक सात्विक उपवास है। वेदना में संवेदना को जीवित रखिए। संवेदना व्यक्ति को सम्पूर्ण मानव बना देती है। उन्होंने कहा कि समानुभूति की भावना सबसे बड़ा मानवीय मूल्य है।

मोटिवेशनल गुरू श्रीकान्त गुप्ता ने नूतन शैली से 'सफलता चूमेगी तुम्हारे कदम' विषय पर अनेक सूत्रों को प्रदान करके जोश भर दिया। 'बी-क्रेजी, नॉट लेजी' कार्य के प्रति उत्साह रखो न कि आलस्य। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 1 प्रतिशत सुधार करें तो सौ दिन के पश्चात् 100 प्रतिशत व्यक्तित्व देदीप्यमान हो जायेगा।

मन की एकाग्रता, उद्यमिता, भाषा प्रयोग तथा तनाव प्रबंधन जीवन की पाठशाला के विषय

डॉ. हेमलता जोशी ने 'माइंडफुल अर्थात् मन की एकाग्रता का अभ्यास' विषय पर व्याख्यान करते हुए कहा कि हम जिस स्थान पर रहकर जिस कार्य का सम्पादन करते हैं, उसकी पूरी पवित्रता का अनुभव करना, हमारा कर्त्तव्य है। प्रकृति के उपादानों का भी हमें साक्षात्कार करना चाहिए। पंच महाभूतों के प्रति हमारी कृतज्ञता पदे पदे लक्षित होनी चाहिए।

डॉ. अर्जुन सिंह सांखला ने महिला उद्यमिता का विस्तार से निरूपण किया। किरण मजूमदार शॉ, इन्दिरा नूयी, मीनाक्षी सरावगी, आदि के उदाहरण प्रस्तुत कर के डॉ. सांखला ने छात्राओं को उद्यमिता के सन्दर्भ में अनेक सूत्र प्रदान किये। डॉ. जागृति उपाध्याय ने प्रतिदिन किये जाने वाले अंग्रेजी प्रयोगों में सामान्य अशुद्धियों के संशोधन को रेखांकित किया। उच्चारण के विषय में भी उन्होंने महत्त्वपूर्ण प्रयोग करवाये ।

प्रो. ए. के. मलिक ने कोरोना काल में तनाव प्रबंधन पर अनेक सुझाव दिए। तनाव से बचने के लिए रचनात्मक कार्यों में स्वयं को संलग्न करना ही उत्तम उपाय है। महिला अध्ययन केन्द्र की निदेशक प्रो. सरोज कौशल ने कहा कि ये व्याख्यान छात्राओं के व्यक्तित्व विकास में समग्रता के आधायक हैं। मन की एकाग्रता, उद्यमिता, भाषा प्रयोग तथा तनाव प्रबंधन, ये वस्तुतः जीवन की पाठशाला के विषय हैं, जिनको साधकर हमारा व्यक्तित्व उत्तर से उत्तम

हो सकता है। डॉ. ओम प्रकाश टाक ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि पाठ्यक्रम के अतिरिक्त इन विषयों से हमारी छात्राएँ विश्व जीवन दृष्टि का विकास करने में सक्षम होंगी। सुमेर महिला महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. निधि ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस देश को महादेश बनाया इसकी तेजस्विनी स्त्रियों ने - प्रो. कौशल

विश्व कविता दिवस की पूर्व संध्या पर महिला अध्ययन केन्द्र, प्रौढ़, सतत एवं आजीवन शिक्षा विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में गाँधी शांति प्रतिष्ठान केन्द्र में काव्य-गोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षता करते हुए गांधीवादी चिन्तक आशा बोथरा ने महिलाओं के सशक्तिकरण के सम्बन्ध में अप्रासंगिक रूढ़ियों को तोड़ने की जरूरत बताई। सरदार पटेल विश्वविद्यालय की सह-आचार्य डॉ. जागृति उपाध्याय ने अंग्रेजी कविता का हिन्दी अनुवाद सहित पाठ किया। श्री दशरथ सोलंकी ने गाँव में कविता से कविता के ककहरे को रेखांकित किया। संस्कृत विभाग की छात्रा कुसुम ने पतंग तथा जिन्दगी की गाड़ी कविताओं के माध्यम से स्त्रियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। युवा कवियित्री हिमानी ने 'मेरा जीवन इबादत है' यह गजल सुनाई।

महिला अध्ययन केन्द्र की निदेशक प्रो. सरोज कौशल ने 'महादेश की स्त्रियाँ' कविता के माध्यम से समाज में स्त्रियों के प्रदेय को परिभाषित किया। वाचस्पति तथा भामती नामक कविता से उन्होंने बताया कि वाचस्पति ही भामती को अमर कर सकते हैं। प्रौढ़ सतत एवं आजीवन विभाग के निदेशक डॉ. ओ.पी. टाक ने कुँवर नारायण की कविता के माध्यम से कविता की महत्ता को स्पष्ट किया।

महात्मा गाँधी और महिला सशक्तिकरण पर हुआ चिन्तन

महिला अध्ययन केन्द्र की ओर से महात्मा गाँधी और महिला सशक्तिकरण विषय पर 16 अक्टूबर 2020 को राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने अध्यक्षता की। मुख्य वक्ता वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेश दाधीच थे और सारस्वत अतिथि महिला अध्ययन केन्द्र, पंजाबी विश्वविद्यालय की प्रो. ऋतु लेहल ने भी सम्बोधन प्रदान किया। महिलाओं के सन्दर्भ में महात्मा गाँधी के विचारों पर इस वेबीनार में विस्तार से चिन्तन किया गया।

वार्षिक प्रतिवेदन का प्रकाशन एवं विमोचन

महिला अध्ययन केन्द्र के द्वारा संचालित शैक्षणिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का दर्पण वार्षिक प्रतिवेदन निदेशक प्रो. सरोज कौशल के द्वारा प्रकाशित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने उसका विमोचन किया।

प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग

विश्वविद्यालय के प्रौढ़, सतत एवं आजीवन शिक्षा विभाग के तत्त्वावधान में अकादमिक सत्र 2020-21 के दौरान कोरोना अनुशासन एवं सरकारी मार्गदर्शन की अनुपालना करते हुए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों रूपों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभाग के निदेशक डॉ. ओ.पी. टाक ने बताया कि -

1. संगीत विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में मांड संस्थान के सहयोग से 22 जुलाई को 'मेरी साधना मेरा जीवन' विषयक गोविंद कल्ला के संगीत साधना विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

2. डॉ. जागृति उपाध्याय ने अंग्रेजी भाषा दक्षता एवं अंग्रेजी भाषा प्रवृत्ति पाठ का व्याख्यान, डॉ. अर्जुनसिंह सांखला ने जीवन जरूर मुस्कुराएगा विषयक पर व्याख्यान दिया।

3. 29 जुलाई को सरदार पटेल विश्वविद्यालय, जोधपुर में श्री अभिषेक शर्मा ने सफलता एवं व्यक्तित्व विकास पर व्याख्यान दिया।

4. 27 अगस्त को जी.डी. मेमोरियल कॉलेज के सहयोग से योगेश बिड़ला ने बदलते-उभरते भारत में केरियर के अवसर एवं दक्षता प्रबंधन पर व्याख्यान, डॉ. अर्जुनसिंह सांखला ने समय प्रबंधन एवं सफलता विषयक व्याख्यान।

5. 29 अगस्त को जी.डी. मेमोरियल कॉलेज के सहयोग से डॉ. अभिजीत कुलश्रेष्ठ ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण निर्माण एवं सफलता की राह विषयक व्याख्यान, डॉ. शिल्पी कुलश्रेष्ठ ने व्यक्तित्व विकास एवं कौशल विकास पर व्याख्यान एवं अमृता एस. दूधिया ने संतुलित एवं शक्तिशाली दिमाग एवं ऊर्जा प्रबंधन विषयक सारगर्भित व्याख्यान हुआ।

6. 5 नवम्बर को श्री पुष्टिकर श्री पुरोहित सूरजमल रूपादेवी प्रशिक्षण कॉलेज के सहयोग से प्रो. ए.के. मलिक ने कोरोना एवं तनाव प्रबंधन विषयक व्याख्यान पर दिया।

7. 12 व 13 दिसम्बर को श्री सुमेर महिला महाविद्यालय के सहयोग से डॉ. अर्जुनसिंह सांखला ने महिला सशक्तिकरण एवं महिला उद्यमशिला विषयक व्याख्यान एवं डॉ. हेमलता जोशी ने मनोविज्ञान भी जीवन एवं मनोवैज्ञानिक समस्याओं का समाधान विषयक व्याख्यान हुआ।

8. 17 जनवरी को महिला पी.जी. महाविद्यालय के सहयोग से डॉ. मनोरमा उपाध्याय ने महिला सशक्तिकरण ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य एवं इतिहास में सशक्त महिलाचरित विषयक व्याख्यान, श्री महेश शर्मा ने आत्मविकास के सूत्र विषयक व्याख्यान दिया। 19 जनवरी को महिला अध्ययन केन्द्र, जेएनवीयू के सहयोग से प्रो. पुष्पा गुप्ता ने जीवन विवेक के सूत्र व मेरा जीवन - मेरी स्मृतियाँ विषयक व्याख्यान दिया।

9. 28 फरवरी को गाँधी शांति प्रतिष्ठान केंद्र के सहयोग से वरिष्ठ सर्वोदयी आशा बोथरा ने आत्मकथात्मक व्याख्यान एवं मेरा जीवन - मेरा संदेश विषयक व्याख्यान।

10. 12 मार्च को विश्वविद्यालय के बी.एड. प्रकोष्ठ में क्षमता एवं दक्षता संवर्द्धन प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रो. ए.के. मलिक ने कोविड एवं तनाव नियंत्रण विषयक व्याख्यान दिया।

11. 13 मार्च को बी.एड. प्रकोष्ठ के सहयोग से ही दीपक बिस्सा ने सफलता के सूत्र एवं सकारात्मकता विषयक दिया।

12. 20 मार्च को गाँधी शांति प्रतिष्ठान केंद्र के सभागार में महिला अध्ययन केंद्र के सहयोग से प्रो. सरोज कौशल ने महिला सशक्तिकरण एवं शिक्षा व साहित्य में भूमिका विषयक सारगर्भित व्याख्यान हुआ।

विज्ञान संकाय ने आयोजित किए वेबीनार

टिड्डियों की वर्तमान स्थिति तथा प्रबंधन पर राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित’

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा **“देश के विभिन्न हिस्सों में टिड्डियों के प्रकोप तथा उनके प्रबंधन”** विषयक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार की आयोजन सचिव तथा विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. लेखू गहलोत ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर त्रिवेदी के मार्गदर्शन में कोरोना के प्रभाव को देखते हुए वेबिनार का आयोजन किया गया। जिससे इस महत्त्वपूर्ण विषय पर परिचर्चा की जा सके। वेबिनार में काजरी के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. विपिन चौधरी, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्र के अपर निदेशक डॉ. संजीव कुमार और टिड्डी चेतावनी संगठन के उप निदेशक डॉ. के. एल. गुर्जर ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखे। विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अशोक पुरोहित ने स्वागत संबोधन में इस महत्त्वपूर्ण विषय पर जोर देते हुए इनके नियंत्रण तथा स्थिति की आवश्यकता बताई। काजरी के वैज्ञानिक डॉ. विपिन चौधरी ने टिड्डियों के जीवन चक्र के बारे में बताया तथा उन्होंने टिड्डियों के जैविक, रासायनिक एवं यांत्रिक नियंत्रण के बारे में बताया। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के अपर निदेशक डॉ. संजीव कुमार ने टिड्डियों की प्रजातियों एवं वर्गीकरण के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी दी।

विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर पद्मश्री कैलाश सांखला पर व्याख्यान आयोजित

विश्व वन्यजीव दिवस 3 मार्च को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय द्वारा संचालित वाइल्डलाईफ रिसर्च एण्ड कन्जर्वेशन अवेयनेस सेन्टर द्वारा श्री सुमेर महिला महाविद्यालय में एक जागरूकता कार्यक्रम- पदमश्री कैलाश सांखला पर व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निधि परिहार ने कहा कि वर्तमान समय में युवा वर्ग को पर्यावरण एवं वन्य जीव संरक्षण के प्रति जागरूक करना आज की प्रमुख आवश्यकता है।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर वेबिनार

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर वाइल्डलाइफ रिसर्च एवं अवेयरनेस सेन्टर व झुंझुनू के सेठ जीबी पोद्दार कॉलेज के संयुक्त तत्त्वावधान में ‘हम जैव विविधता के सतत विकास के समाधान का हिस्सा है, विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया। देश के विख्यात पर्यावरणविद सुन्दरलाल बहुगुणा के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर प्रकृति संरक्षण के लिए अरण्य संस्कृति की ओर चलने पर बल दिया गया। वेबिनार संयोजक डॉ. हेमसिंह गहलोत ने बताया कि वेबिनार में अमरीका से कैमल मिल्क रिसर्चर क्रिस्टीना अडस ने ऊँट पालन की वैश्विक संभावनाओं के बारे में बताया। मुख्य वक्ता क्षेत्रीय उप निदेशक, वाइल्डलाइफ क्राइम कण्ट्रोल ब्यूरो अग्नि मित्रा ने वन्यजीवों के अवैध व्यापार एवं इनकी रोकथाम में कार्यरत एजेंसियों के बारे में विस्तार से बताया।

वन्यजीवों के आवास नष्ट होने से प्राकृतिक असंतुलन हुआः गहलोत

वाइल्ड लाइफ रिसर्च एंड कंजर्वेशन अवेयरनेस सेंटर द्वारा विश्व प्रकृति निधि भारत एवं सेठ जीबी पोद्दार पी. जी. कॉलेज, झुंझुनूं के साथ संयुक्त रूप से विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर वेबिनार आयोजित किया गया। वेबिनार संयोजक डॉ. हेमसिंह गहलोत ने कहा कि लगातार हो रहे शिकार व आवास स्थलों के नष्ट होने से प्राकृतिक असंतुलन की स्थिति पैदा हो गई है। वेबिनार में अध्यक्षता कर रहे जेएनवीयू कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने बताया कि प्रतिघंटा विश्व में कई वन्यजीव प्रजातियाँ लुप्त हो रही हैं। इसलिए देश में कई वन्यजीव संरक्षण नीति की आवश्यकता है।

वनस्पति शास्त्र विभाग

बायोटेक्नोलॉजी में नवाचार पर वेबिनार

विश्वविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग की ओर से **रिसेंट एडवांसेज इन बायोटेक्नोलॉजी** विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल व्यास और वेबिनार समन्वयक डॉ. विनोद कटारिया ने बताया कि प्रथम सत्र में केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब के सह आचार्य डॉ. फेलिक्स बास्ट ने कोविड-19 के संदर्भ में जैव प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला। वे केंद्र सरकार द्वारा गठित राष्ट्रीय कोविड-19 टास्क फोर्स के सदस्य हैं। दूसरे सत्र में प्रो. नरपत सिंह शेखावत ने पादप प्रौद्योगिकी के ऐतिहासिक पहलुओं से लेकर वर्तमान समय तक विकसित तकनीक प्रौद्योगिकी के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

पर्यावरण पर अंतर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं राजकीय महाविद्यालय ओसियाँ, जोधपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में 'विश्व पर्यावरण दिवस' पर "कंजर्वेशन एंड सेफ्टी ऑफ एनवायरमेंटः करंट सिनेरियो एंड फ्यूचर स्ट्रेटजीज" विषय पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन ऑनलाइन किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय वेबीनार के संयोजक प्रो. बी.आर. गाड़ी वनस्पति शास्त्र विभाग व सचिव डॉ. के. आर. पंवार राजकीय महाविद्यालय ओसियां, जोधपुर ने बताया कि इस वेबीनार में देश-विदेश के प्रख्यात विद्वानों ने भाग लिया।

डॉ. सरिता जायसवाल, यूनिवर्सिटी ऑफ सस्केचवान, कनाडा, प्रो. वफिक नोजियर इजिप्ट, डॉक्टर प्रणव पाल, वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया देहरादून, प्रो. बी.आर. बामनिया डीन फैकल्टी ऑफ साइंस, सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर एवं प्रो. अनिल कुमार छंगाणी, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर ने अपने शोध पत्रों के माध्यम से ज्ञानवर्धन किया।

गणित एवं सांख्यिकी विभाग

1. 5 फरवरी, 21 को राजऋषि कॉलेज, अलवर तथा कमीश्नरेट कॉलेज एजुकेशन राजस्थान, जयपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित ज्ञानगंगा कार्यक्रम में गणित विशेषज्ञ प्रो. राजेन्द्र कुमार यादव ने ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

2. गणित एवं सांख्यिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. आर.डी. पंकज की पुस्तक 'वेरियेशनल मेथड एंड इट्स एप्लीकेशन' का प्रकाशन हुआ।

जैव प्रौद्योगिकी का मानव कल्याण में हो उपयोग : प्रो. त्रिवेदी

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विश्वविद्यालय में व्याख्यान

विज्ञान संकाय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. त्रिवेदी द्वारा ''जैव प्रौद्योगिकी : मानव कल्याण हेतु आयाम'' विषय पर व्याख्यान दिया। व्याख्यान में उन्होंने बताया कि मानव कल्याण हेतु विभिन्न प्रकार की चुनौतियों के समाधान जैव प्रौद्योगिकी के नए शोध से संभव हैं। उन्होंने वैक्सीन का उदाहरण देते हुए बताया कि भारत बायोटेक्नोलॉजी में सिरमौर हो रहा है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस संयोजिका प्रो.संगीता लूंकड़ ने रसायन शास्त्र विभाग के स्नातकोत्तर व स्नातक छात्र छात्राओं को विभागीय स्तर पर दिए पुरस्कारों की घोषणा की। इन पुरस्कारों में श्रीमती सुशीला भंडारी उगम कंवर मेमोरियल अवॉर्ड अभय को तथा डॉक्टर कमला टंडन मेमोरियल अवॉर्ड अकार्बनिक रसायन-प्राची पवार को, डॉ. जे.पी सक्सेना मेमोरियल अवॉर्ड कार्बनिक रसायन-ज्योत्स्ना कुमारी को, बीएम गांग मेमोरियल अवॉर्ड विश्लेषणात्मक रसायन-सीमा एवं रितिका पवार को तथा डॉक्टर कमला टंडन मेमोरियल अवॉर्ड (स्नातक) -डिंपल कटारिया को प्रदान किया गया।

फार्मेसी के विद्यार्थियों का सफल प्रयास

फार्मेसी पाठ्यक्रम के बी.फार्मेसी द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ज्योति परमार, नेहा सोनी और

कार्तिक परिहार द्वारा विक्स,क्रीम, लिप बाम बनाने का सफल प्रयास किया गया। विद्यार्थियों के साथ फार्मेसी के शिक्षक डॉ. अनिल भंडारी, श्री विवेक भाटी एवं सुश्री सुप्रिया ने तैयार किए गए सैंपल, विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी को भेंट किए। कुलपति ने विद्यार्थियों के प्रयास की सराहना की एवं भविष्य में इस तरह के विभिन्न उपयोगी पदार्थ बनाने की प्रेरणा दी। फार्मेसी की संयोजक प्रो. संगीता लूंकड़ ने विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता के उत्पाद व अन्य दवाइयाँ बनाने की प्रेरणा दी ।

फार्मेसी में कॅरियर गाइडंस पर हुआ व्याख्यान :

विश्वविद्यालय के बी. फार्मेसी के विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें हैदराबाद की वोवार्सिस कंपनी के एनालिस्ट चंद्रदर्शन जैन ने फार्मेसी के विद्यार्थियों को उभरते नये क्षेत्र के बारे में अवगत कराया और उसके अनुरूप शैक्षणिक गतिविधियों में नये क्षेत्रों के अनुरूप तैयार रहने को प्रेरित किया। व्याख्यान में फार्मेसी के प्रो. अनिल भण्डारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

अभियांत्रिकी संकाय ने आयोजित किए वेबीनार

एमबीएम में सस्टेनेबल मैन्यूफैक्चरिंग पर वेबीनार संपन्न

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के तत्त्वावधान में सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग पर वेबीनार आयोजित हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश श्रृंगी ने मुख्य वक्ता प्रो. जीएस दंगायाच एमएनआईटी जयपुर का स्वागत किया। मुख्य वक्ता ने सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग की जरूरत और उस पर इंडस्ट्री 4.0 का उपयोग करते हुए कैसे सस्टेनेबिलिटी को प्राप्त कर सकते हैं? के बारे में अपने विचार रखे। कार्यक्रम में संयोजक डॉ. मनीष भंडारी, अमित मीणा एवं प्रदीप कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस सेमिनार में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एमबीएम के उत्पादन व औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग में राष्ट्रीय वेबीनार

विश्वविद्यालय के एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के उत्पादन व औद्योगिक इंजीनियरिंग और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल में काइजनः एक जापानी प्रबंधन तकनीक विषयक राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया, जिसमें 160 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वेबीनार संयोजक डॉ. मिलिंद कुमार शर्मा और सह संयोजक डॉ. लखन पाटीदार ने बताया कि बेवीनार में भूटान, यूके, कनाडा, बांग्लादेश, मिश्र, फिलिपींस वं नाइजीरिया जैसे अन्य देशों से भी प्रतिभागियों को पंजीकृत किया गया।

एमबीएम इंजी. के तीन विभागों को एनबीए का एक्रेडिएशन हासिल

विश्वविद्यालय के एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के तीन विभागों को नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडिएशन (एनबीए) का एक्रेडिएशन मिल गया। जिससे अब वैश्विक स्तर पर विद्यार्थियों की डिग्री को मान्यता मिलने से प्लेसमेंट के अवसर बढ़ जाएँगे। इलेक्ट्रिकल इंजी. विभागाध्यक्ष प्रो. अखिल रंजन गर्ग ने कहा कि एमबीएम के तीन विभाग इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, पीएंडआई व मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के एनबीए एक्रीडिएशन मिलने से यह पुष्टि हो गई कि तीनों प्रोग्राम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। इसके साथ ही तकनीकी कोर्स के सभी मापदंड पूरे हो रहे हैं। अब प्रोग्राम अनेक देश जैसे अमेरिका, सभी यूरोपियन देशों, कुवैत व अन्य में मान्य होगा। जिससे प्लेसमेंट की कठिनाई दूर हो पाएगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति और संकाय के समस्त शिक्षकों व कर्मचारियों के प्रयास रंग लाए हैं।

सीमित तत्त्व विधि पर अटल फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय के यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग द्वारा सीमित तत्त्व विधि-एप्लीकेशन इन सॉलिड मैकेनिक्स, फ्लूड मैकेनिक एंड हीट ट्रांसफर विषयक पाँच

दिवसीय अटल फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ वर्चुअल माध्यम से हुआ।

विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश श्रृंगी ने फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम की महत्ता के बारे में बताया। कुलपति प्रो. त्रिवेदी एवं अभियांत्रिकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। संयोजक डॉ. इमरती कुमारी ने बताया कि इस कार्यक्रम में पूरे देश से 23 राज्यों के 123 विभिन्न संस्थानों के 200 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में आई.आई.टी मुंबई के प्रो. तरुण कांत, आई.आई.टी. रुड़की के प्रो. एसपी हर्षा, एमएनआईटी जयपुर के प्रो. अमर पटना आदि ने व्याख्यान प्रस्तुत कर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया।

एमबीएम में ऑनलाइन फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के यांत्रिक विभाग में 3डी प्रिंटिंग विषय पर आधारित एआईसीटीई प्रायोजित पांच दिवसीय ऑनलाइन फैकल्टी डवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम संयोजक यांत्रिक विभाग के डॉ. कैलाश चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम में वैबेक्स के माध्यम से 150 प्रतियोगियों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता आईआईटी दिल्ली के प्रो. डॉ. पी. एम. पांडे ने 3डी प्रिंटिंग की विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी । एमएनआईटी जयपुर मैकेनिकल विभाग के प्रो. हरलाल सिंह माली ने चिकित्सा के क्षेत्र में 3डी प्रिंटिंग के बढ़ते उपयोग के बारे में जानकारी दी।

अभियांत्रिकी संकाय में राष्ट्रीय खेल दिवस पर समारोह आयोजित

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. सुनील शर्मा ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये। मैकेनिकल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर प्रदीप कुमार ने कॉलेज में खेलकूद की विभिन्न सुविधाओं के बारे में बताया और भविष्य में प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक भाग लेने के लिए उपस्थित विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

एमबीएम में इंडस्ट्री संवाद आयोजित

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के मैकेनिकल इंजीनियरिंग के एसएई इंडिया कॉलेजिएट क्लब और एलुमनी एसोसिएशन (1996 बैंच) के सहयोग से चल रहे मेकमेनिया 1.0 के तीसरे दिन इंडस्ट्री टॉक आयोजित हुई। डॉ. जीसी कोठारी ने ऑनलाइन सॉफ्टवेयर्स ऑफ लार्ज इंटर कनेक्टेड पॉवर सिस्टम्स फॉर ऑपरेशन एंड प्रोटेक्शन पर व्याख्यान दिया।

मल्टी डिस्प्लीनरी इंस्टीटूशंस पर वेबिनार

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में 24 फरवरी को नई शिक्षा नीति 2020: मल्टी डिस्प्लीनरी इंस्टीटूशन्स पर वेबिनार का आयोजन हुआ। वेबिनार के मुख्य वक्ता कुलपति प्रो. त्रिवेदी और आईआईटी बीचयू के डायरेक्टर प्रो. प्रमोद कुमार जैन थे। प्रो. त्रिवेदी ने नई शिक्षा नीति 2020 के मुख्य आधार

एक्सेसिबिलिटी, इक्विटी, ट्रांसपेरेंसी, क्वालिटी और एकाउंटेबिलिटी पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. सक्सेना ने गुरुकुल प्रथा की कुछ महत्वपूर्ण बातें जो आज के समय में प्रासंगिक है उनको नई शिक्षा नीति 2020 में कैसे लिया गया है इसको विस्तार से बताया।

31 छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के 31 विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट हुआ। इनमें से माइनिंग इंजीनियरिंग के 6 विद्यार्थी मानसी आसदेव, मिट्ठू सिंह हाडा, नानक राम पटेल, रामस्वरूप, नरेंद्र लांबा एवं शुभम गुप्ता का हिंदुस्तान जिंक में चयन हुआ। माइनिंग इंजीनियरिंग के 4 और छात्रों देवेंद्र सिंह सोलंकी, खीमा राम, अरविंद पालीवाल एवं रूख्मा राम का चयन एएसी माइनिंग, उदयपुर में चयन हुआ। यागना सॉफ्टवेयर पुणे ने मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन के छात्र दिनेश सोलंकी का चयन किया। नेशनल बॉल बेअरिंग कम्पनी, जयपुर ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग के पूजा अग्रवाल और विशाल सांखला का चयन किया। निनी ऑरेंज, पुणे ने कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के दो और छात्रों सुरिंदर कुमार और मोहित सोनी का चयन किया। प्रथम सॉफ्टवेयर ने कंप्यूटर सांइस के चिराग गुप्ता, विक्रमादित्य सिंह कछवाहा, केशव बोहरा, आशुतोष मंगल, देवेंद्र सिंह भाटी, निकिता गोयल, गरिमा विजय एवं इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के सौरभ कुमार जैन तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कंप्यूटर इंजीनियरिंग के दिग्विजय सिंह राठौड़ और आदिल खान भाटी का चयन किया। वहीं जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने सिविल इंजीनियरिंग के अभिषेक बीजणिआ और मनु मंगल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के अनमोल कुमार सिंह और प्राची गुप्ता और मैकेनिकल इंजी. के चंदन सिंह एवं धर्मराज सिंह का चयन किया।

एमबीएम के 13 छात्रों का लाखों के पैकेज पर कैंपस प्लेसमेंट

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के 13 विद्यार्थियों को विश्व की तीन प्रसिद्ध कम्पनियों केयर्न इंडिया, आगिलाइट ग्लोबल सोलूशन्स अमेरिका और अल्फा टीएनडी लिमिटेड कंपनी में चयनित किया है। प्रो. अरविंद वर्मा ने बताया कि कॉलेज के केमिकल विभाग से अर्पित जैन, निशा चौहान, तान्या सिंघल, आकांक्षा शर्मा, अनुज वशिष्ठ, शुभतमा शर्मा अैर सिविल विभाग से चार्वी का चयन केयर्न इंडिया में हुआ। मैकेनिकल विभाग के चंदन सिंह, सानिध्य जैन, सुनील राठौड़ व सिविल के मनु मंगल को वेटिंग लिस्ट में रखा है। अगिलाइट ग्लोबल सोलूशन्स ने आईटी के जतिन टेकचंदानी, एमसीए के कार्तिक सोनी, ईसीसी के कुणाल आचार्य व अभिषेक श्रीमाल का चयन किया। अल्फा टीएनडी लिमिटेड ने इलेक्ट्रिकल विभाग के पंकज शर्मा और राकेश चौरसिया का चयन किया।

एमबीम के 23 विद्यार्थियों का कैंपस से चयन

एमबीएम इंजीनियरिंग कालेज के आठ विद्यार्थियों दीक्षिता जैन, प्रियल साहू, आयुषी गौतम, कोमल मीणा, हर्षिता किरोड़ीवाल, नितेश पमनानी, निकिता शर्मा, एवं हर्षिता अरोरा का क्लैम्बर नॉलेज में बुसिनेस्स डेवलपमेंट एग्जीक्यूटिव के पद पर चयन हुआ। कैपजेमनी सॉफ्टवेयर कंपनी ने भी पंद्रह छात्रों आदिल खान भाटी, अदिति फोफलिया, अपूर्व उपाध्याय, भानुप्रताप सिंह भाखरोट, दिग्विजय सिंह राठौर, गौतम नानकनी, जतिन टेकचंदानी, जयेश सिंघवी, कृतिका अग्रवाल, लक्षित सांखला, मनीष सिंह, नितीश जोशी, प्रियांशु जैन, वैभव घई, एवं विनायक कुरदिआ का चयन एनालिस्ट के पद पर किया।

एमबीएम की दो छात्राओं का ऑप्टम में चयन

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की दो छात्राओं स्वाति कुमावत और भव्या नारंग का ऑप्टम यूनाइटेड हेल्थ ग्रुप की कंपनी में 7.15 लाख रूपये के पैकेज पर चयन हुआ।

एमबीएम के 6 विद्यार्थियों को 10 लाख पैकेज पर प्लेसमेंट

इंजीनियरिंग कॉलेज के इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग के दो विद्यार्थी हर्षिता शर्मा और रिया चौरड़िया का एयरटेल कंपनी में 10 लाख रूपये के पैकेज पर चयन हुआ।मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र अर्पित विजयवर्गीय का डीसीएम श्रीराम में पांच लाख के पैकेज

पर चयन हुआ। कॉलेज के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रभारी डॉ. अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि चयन प्रक्रिया ऑनलाइन थी।

एमबीएम के छात्रों का कैंपस से चयन

एमबीएम इंजीनियरिंग कालेज के चार छात्रों लक्षित सांखला एवं आयुषी गौतम, गौतम नानकनी एवं हर्षा कँवर का सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंजीनियर के पद पर चयन हुआ।

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अटल फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का शुभारम्भ

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस -एप्लीकेशन इन मॉडर्न सिनेरियो विषयक पाँच दिवसीय अटल फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ हुआ। प्रो. त्रिवेदी एवं अभियांत्रिकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। संयोजक अभिषेक गौड़ ने बताया कि इस कार्यक्रम में पूरे राष्ट्र से 21 राज्यों के 140 विभिन्न संस्थानों के 200 प्रतिभागी भाग ले रहे है। प्रो. श्रीधर चिमालोकाण्डो ने सॉफ्टवेयर उद्योगों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर एवं आई.आई.टी. जोधपुर के डॉ. सुमित कालरा ने मटेरियल साइन्स रिसर्च में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग विषयक व्याख्यान दिया।

कंप्यूटर सेंटर की वैज्ञानिक खोज और लेखन 'वेब ऑफ साइंस' में

कंप्यूटर सेंटर द्वारा प्रभावी वैज्ञानिक खोज और लेखन के लिए वेब ऑफ साइंस की पहुंच सक्षम कर दी गई है। अनुसंधान की गुणवत्ता में सहायता और वृद्धि करने के लिए ई-शोध सिंधु योजना के तहत एआईसीटीई द्वारा एमबीएम को यह पहुंच प्रदान की जा रही है। कुलपति ने कहा कि वेब ऑफ साइंस की पहुंच से विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं को अपने शोध को उन्नत बनाने में सहायता मिलेगी।

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में पौधारोपण

राष्ट्रीय सेवा योजना व भारत स्काउट गाइड इकाई के तत्त्वावधान में एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में पौधारोपण व साफ-सफाई कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने पुरानी मशीनरी का म्यूजियम लगाने, फलदार पौधे लगाने और उनकी देखभाल का आह्वान किया। संकाय अधिष्ठाता प्रो. सुनील शर्मा ने संकाय के कायापलट के लिए तथा पौधारोपण के लिए संकल्प लिया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. के.आर. पटेल ने योजना के कार्यक्रमों की जानकारी दी, कार्यक्रम अधिकारी प्रो. आर.सी. मीणा ने संकाय की रूपरेखा को विस्तार से बताया। इस अवसर पर प्रो. आर.सी. मीणा, डॉ. ओ.पी. विश्नोई, उमेश कुमार, भारत स्काउट गाइड के रोवर लीडर प्रदीप कुमार व सहायक रोवर लीडर रोहित रावल के साथ संकाय के वरिष्ठ प्रोफेसर्स, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय

महिलाओं के खुद के दायरे से निकलने पर ही सशक्तिकरण संभव

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में आयोजित फैकल्टी डेवलपमेंट कॉन्क्लेव के अंतिम दिन मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती मनीषा पंवार ने लैंगिक असमानता एवं महिलाओं के विभिन्न क्षेत्र में उपलब्धियों के बारे में बताते हुए कहा कि आज महिलाएँ कई ऊँचाईयाँ छू चुकी हैं फिर भी हमें आज भी सशक्तिकरण की बात करनी पड़ रही है, क्योंकि महिलाएँ स्वयं अपने दायरे से बाहर नहीं निकल पा रही हैं। महिलाओं को खुद दायरे से बाहर आकर खुद को साबित करने के प्रयास करने होंगे। विशिष्ट अतिथि साइबर एक्सपर्ट डॉक्टर सी.बी. शर्मा ने महिलाओं के साथ होने वाले साइबर क्राइम की चर्चा करते हुए कई लीगल आयामों को बताया। कॉलेज निदेशक प्रो. संगीता लूंकड ने सभी का स्वागत किया। डॉ. राजश्री राणावत ने आभार व्यक्त किया।

वेबीनार में बताए महिलाओं के अधिकार

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की ओर से लीगल प्रोविजन्स फॉर वीमन सेफ्टी विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। कॉलेज डायरेक्टर प्रो. संगीता लूंकड़ ने महिला सुरक्षा तथा महिलाओं के अधिकारों की रक्षा पर प्रकाश डाला। वेबीनार के मुख्य वक्ता उच्च न्यायालय अधिवक्ता मोहित सिंघवी ने महिलाओं को मिले अधिकारों के बारे में चर्चा की। संचालन डॉ. राजश्री राणावत ने किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रामलाल सैनी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

केएन कॉलेज में राष्ट्रीय वेबीनार

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय के तत्त्वावधान में आयोजित **बदलते सामाजिक एवं आर्थिक वातावरण के कारण उच्च शिक्षा की चुनौतियाँ** विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन हुआ। वेबीनार के प्रारंभ में प्रो. संगीता लूंकड़ निदेशक कमला नेहरू महिला महाविद्यालय ने स्वागत उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। पीडीएम विश्वविद्यालय हरियाणा के कुलपति प्रो. ए.के. बक्शी ने 21वीं सदी में उच्च शिक्षा की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक को पढ़ाने के लिए विषय की जानकारी और शोध करने के लिए नवीन संचार की आवश्यकता है। 21वीं सदी में उच्च शिक्षा की चुनौतियों में संचार युग, एआई युग, कड़ी प्रतियोगिता के माहौल में शिक्षक को अपने विद्यार्थियों को तैयार करने की आवश्यकता है।

प्रो. संदीप संचेती कुलपति मारवाड़ी विश्वविद्यालय, राजकोट, गुजरात ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट स्कीम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह विद्यार्थी केन्द्रित तकनीक है। जिसमें विद्यार्थी अपनी क्षमता एवं रुचि के अनुरूप विषय का चयन, पढ़ने की प्रणाली जैसे ऑनलाइन शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में क्रेडिट जमा करके किसी भी शिक्षण संस्थान से डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त कर सकता है।

अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने वेबीनार की मुक्तकंठ सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजश्री राणावत ने किया। प्रो. श्रवण कुमार मीणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्व. विश्नोई की स्मृति में प्लांट बैंक शुरू

विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व समन्वयक एवं पूर्व परीक्षा नियंत्रक स्व. प्रो. जैताराम विश्नोई की स्मृति में प्लांट बैंक का उद्घाटन विवि कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने किया।

कार्यक्रम में एनएसएस समन्वयक प्रो. खरता राम पटेल, विधि संकाय अधिष्ठाता प्रो. चंदन बाला, विज्ञान संकाय के प्रो. प्रवीण गहलोत, जम्भेश्वर पीठ के निदेशक डॉ. ओ.पी. विश्नोई, आदि शिक्षक, कर्मचारी, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं स्व. प्रो. जैताराम विश्नोई के परिवारजन उपस्थित थे।

प्रो. जेताराम विश्नोई स्मृति पार्क का शुभारंभ

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के श्री गुरु जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ की ओर से पूर्णतया जन सहयोग से निर्मित प्रो. जेताराम विश्नोई स्मृति पार्क का शुभारंभ एवं पौधारोपण माननीय कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी एवं लूणी विधायक श्री महेन्द्र विश्नोई द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में शोधपीठ के निदेशक डॉ. ओमप्रकाश विश्नाई ने पार्क के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले भामाशाहों का आभार प्रकट किया।

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय परिवार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व निदेशिका प्रो. कीर्ति राजीमवाले, विशिष्ट अतिथि प्रो. के.आर. पटेल समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना, अध्यक्ष पूर्व निदेशिका प्रो. कमल मोहनोत आदि ने वृक्षारोपण की महत्ता रेखांकित की।

राष्ट्रीय सेवा योजना तथा गाँधी अध्ययन केन्द्र के संयुक्त तत्त्वावधान में वृक्षारोपण

राष्ट्रीय सेवा योजना तथा गाँधी अध्ययन केन्द्र के संयुक्त तत्त्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. त्रिवेदी रहे तथा कार्यकम की अध्यक्षता विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अशोक पुरोहित ने की।

एन.एस.एस. समन्वयक प्रो. के.आर. पटेल ने वृक्षारोपण की महत्ता पर अपना उद्‌बोधन दिया। प्रो. त्रिवेदी ने वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरूआत अशोक, गुलमोहर, आम इत्यादि के पौधे लगाकर की।

वृक्षारोपण का कार्यक्रम गाँधी अध्ययन केन्द्र में भी आयोजित किया गया तथा गाँधी अध्ययन केन्द्र के निदेशक डॉ. हेमसिंह गहलोत ने माननीय कुलपति महोदय के साथ औषधीय पौधे लगवाये।

गाँधी बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी : कलेक्टर इंद्रजीत सिंह

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव में दांडी मार्च दिवस के उपलक्ष्य पर 'दांडी संदेश एवं बापू का समाज दर्शन' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कार्यवाहक निदेशक प्रो. सांत्वना गौड़ ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ अजय त्रिवेदी ने महात्मा गाँधी के जीवन दर्शन, सविनय अवज्ञा, सत्य और अहिंसा को स्पष्ट किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो त्रिवेदी ने कहा कि महात्मा गाँधी युगपुरुष थे। ज़िला कलेक्टर श्री इंद्रजीत सिंह ने अपने बीज वक्तव्य में कहा कि महात्मा गाँधी ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने सभी वर्गों को प्रभावित किया। राष्ट्रपिता गाँधी जी की कथनी और करनी में एकता थी।

महिला सृष्टि की जननी, खुद की क्षमता पहचाननी होगीः विश्नोई

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में नारी शक्ति राजस्थान पुलिस, जोधपुर की टीम के निर्देशन में 14 दिवसीय आत्मरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं को महिला शक्ति टीम द्वारा आत्मरक्षा करने की विभिन्न प्रकार की तकनीक सिखाई गई। शिविर का समापन समारोह इनरव्हील इंटरनेशनल क्लब एवं फेथ वर्क्स सोसायटी के सौजन्य से किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एडिशनल एसपी निर्मला विश्नोई ने कहा कि महिला सृष्टि की जननी है। विशिष्ट अतिथि डॉ. कुसुमलता भंडारी ने कहा कि हमारी संस्था बालिका शिक्षा और नारी सशक्तिकरण हेतु निरंतर कार्य करती है। राजस्थान पुलिस अधिकारी किरण विश्नोई ने छात्राओं का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम में डॉ. कामिनी ओझा, डॉ. विनीता चौहान, डॉ. आशा राठी, डॉ. पंकज नामा, डॉ. आर.एस. सैनी, डॉ. लेखू गहलोत के साथ कार्यवाहक निदेशक प्रो. सांत्वना गौड़ एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

के.एन.कॉलेज में नवनिर्मित हॉल का उद्घाटन

5 जुलाई 2020 को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर के.एन.कॉलेज में उद्घाटन एवं पुनरुद्धार पश्चात् कॉलेज हॉल का लोकार्पण हुआ। कॉलेज की निदेशिका प्रो. कैलाश कौशल ने कहा कि लगभग 60 वर्षों बाद इस कॉलेज हाल की छत व दीवारों की मरम्मत कर फर्श पर टाइलें लगाई गई। रुसा से मिली बीस लाख की राशि से प्रस्तुत सभागार को नवता प्रदान की गई। कुलपति ने कहा कि विभिन्न विकास कार्यो के अन्तर्गत अभी 20-25 कमरे और बनेंगे एवं रुसा के कोष में अधिक से अधिक फंड ला कर विश्वविद्यालय के विकास कार्यो को गति प्रदान करेंगे।

रुसा के विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. प्रवीण गहलोत ने सम्बोधन दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में संगीत विभाग की डॉ. स्वाति शर्मा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, कार्यक्रम का संचालन डॉ. कामिनी ओझा ने किया और महिला अध्ययन केन्द्र निदेशक प्रो. सरोज कौशल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में नवाचार अध्ययन, पर्यावरण सुदृढ़ीकरण होगा

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज का 71 वाँ स्थापना दिवस 14 अगस्त 2021 को मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य अभियन्ता ई. गुलाब सिंह भण्डारी थे कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने अध्यक्षता की। इस दौरान एल्यूमिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. एस.एस. टाक, सचिव डॉ. आर.के. विश्नोई व संकाय के डीन प्रो. सुनील शर्मा ने उद्बोधन प्रदान किया। कार्यक्रम में एल्यूमीनी एसोसिएशन के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री द्वारा संस्थान को विश्वविद्यालय बनाये जाने के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने एल्यूमिनी के कार्यक्रमों की प्रशंसा की।

कुलपति ने न्यू कैंपस में लगाए पक्षियों के लिए परिण्डे

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जन्मदिवस के अवसर पर नया परिसर में पेड़ों पर पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए, जिसमें दाना और पानी की व्यवस्था की जाएगी। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने आमजन से अपील की कि गर्मी के इस मौसम में घरों के आसपास पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर वन्य जीव संरक्षण में सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. हेमसिंह गहलोत ने वन्य जीव संरक्षण का महत्त्व बताया।

राष्ट्रीय सेवा योजना ने मोगड़ा कलां में वितरित किए औषधीय व फलदार पौधे

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा गोद लिए गाँव मोगड़ा कलां में 20 अगस्त, 2020 को मारवाड़ के लोकदेवता बाबा रामदेव जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से निःशुल्क 101 औषधीय व फलदार पौधे जिसमें नींबू, अमरूद, गूंदा, शीशम आदि थे, वितरित किए गए।

एन.एस.एस. द्वारा मोगडा कलाँ में स्वच्छता अभियान एवं सर्वेक्षण कार्यक्रम आयोजित

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी इकाइयों द्वारा महामहिम राज्यपाल की स्मार्ट विलेज स्कीम के अन्तर्गत गोद लिए गए गाँव मोगडा कलॉ मे स्वयं सेवकों द्वारा स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में स्वयं सेवकों द्वारा स्वच्छ घर, स्वच्छ गॉव, खुले में शौच बंद करो, टीकाकरण करवाओ, पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबन्धन के नारे लगवाकर ग्रामीणों को संदेश दिया।

विभिन्न विभागों में सघन सफाई अभियान कर दिया स्वच्छता का संदेश

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत स्वच्छता संदेश के साथ विश्वविद्यालय के विभिन्न संकाय और विभाग में सघन सफाई अभियान का शुभारम्भ हुआ। **विज्ञान संकाय** के छात्र-छात्राओं ने मिलकर विभाग परिसर में उगी कंटीली झाड़ियों को हटाया। पूरे परिसर में झाडू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। **कमला नेहरू महिला महाविद्यालय** की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की छात्राओं और 94.3 माय एफएम की ओर से स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित कर परिसर में साफ-सफाई की। **वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन संकाय** तथा **विज्ञान संकाय** में राष्ट्रीय सेवा योजना की एक दिवसीय स्वच्छता कार्यशाला का आयोजन डॉ. आशीष माथुर, निशांत गहलोत एवं डॉ. आर.पी. मीणा के निर्देशन में किया गया।

विधि संकाय में एनएसएस की ओर से एक दिवसीय स्वच्छता कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसमें छात्र-छात्राओं को सीडबॉल बनाना सिखाया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निधि संदल ने स्वच्छता का महत्त्व बताया।

विवि ले लिया सालावास गाँव को गोद

राजभवन के निर्देशों के बाद अब गाँव गोद लेने के तीसरे चरण में विश्वविद्यालय सालावास गाँव को गोद ले रहा है। जिसके संबंध में नोडल अधिकारी की भी नियुक्ति की गई है। तत्कालीन राज्यपाल एवं कुलाधिपति कल्याण सिंह ने विवि को गाँवों को गोद लेकर विकास कार्य करने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद विवि ने पहले नांदड़ीकलां गाँव को गोद लिया था। वहीं अब तीसरे चरण में विवि प्रशासन सालावास गाँव को गोद लिया है। सालावास गाँव के विकास कार्यो के लिए नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश गहलोत को नियुक्त किया गया है। इसी कड़ी में गांव में ग्राम सभा का आयोजन किया गया जिसमें कई विकास प्रस्ताव पारित किए गए, ग्रामीणों द्वारा हाथ तंग होने व बजट नहीं होने के तर्क रखने पर गांव के विकास के नोडल अधिकारी एवं जेएनवीयू के राजनीति विज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. दिनेश गहलोत ने अपने 2 महीने का वेतन ग्राम सभा को देने की घोषणा की।

जन्मदिन मनाओ, पुण्य कमाओ योजना

1. 'जन्मदिन मनाओ पुण्य कमाओ योजना' के अन्तर्गत रमेश बेनीवाल ने अपने पुत्र युवराज बेनीवाल के जन्मदिन पर 1 लाख ग्यारह हजार की राशि गौशाला में चारे हेतु भेंट की।

2. सालावास पंचायत समिति के पूर्व सदस्य जय सिंह गहलोत ने जन्म दिवस पर गौशाला में 13100 की राशि गायों के चारे पानी हेतु भेंट की।

3. सालावास गांव के युवा उद्योगपति अमराराम पटेल के रिश्तेदार का निधन होने के उपरान्त भी उन्होंने अपने जन्मदिन पर गौशाला में गायों के चारे-पानी की सुचारू व्यवस्था हेतु 9,100/- रूपए का दान किया।

4. महंत मोती साहेब की 25वीं बरसी पर कबीर आश्रम के महंत श्री अमर साहेब ने गौशाला में 31000/-रू. की राशि गायों के हरे चारे हेतु भेंट की। साथ ही 100 किलो की लापसी बनाकर गौवंश को खिलाई गई।

5. एडीजे कोर्ट चार में कार्यरत नरपत भोबरिया ने स्वयं, अपनी 88 वर्षीय दादी हीरा देवी भोभरिया और अपनी पुत्री दिव्या का जन्मदिन गौशाला में मनाया। उन्होंने 15 हजार एक सौ रूपये गौसेवा करते हुए भेंट किए।

6. सालावास के युवा उद्यमी बाबूलाल भोबरिया ने अपने पुत्र प्रवीण भोबरिया के जन्मदिवस पर गौशाला में एक लाख की राशि भेंट की।

7. लेखाशास्त्र के व्याख्याता मदनलाल गहलोत ने अपनी 30वीं विवाह वर्षगांठ के अवसर पर गौशाला में 11 हजार रूपए भेंट किए।

8 सालावास गाँव के ठेकेदार जगदीश गहलोत ने अपने जन्मदिवस पर 21,100/- की राशि गौशाला में भेंट की।

प्रोफेसर मीना बर्डिया ने लोक प्रशासन में सम्भाला विभागाध्यक्ष का कार्यभार

कुलपति प्रो. त्रिवेदी के आदेश द्वारा प्रो. मीना बर्डिया ने लोक प्रशासन विभाग के

विभागाध्यक्ष का पदभार सम्भाला। प्रोफेसर जगमाल शेखावत के सेवा-निवृत्त होने पर उन्हें विभाग का अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया।

डॉ. व्यास पेट्रोलियम इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर

डॉ. अनिल व्यास को विश्वविद्यालय में इस शैक्षणिक सत्र से शुरू हो रहे नए विभाग पेट्रोलियम इंजीनियरिंग का विभागाध्यक्ष बनाया गया है। राज्य सरकार ने फरवरी महीने में कॉलेज में पेट्रोलियम इंजीनियरिंग विभाग खोलने के लिए 20 करोड़ रूपए का बजट जारी किया गया था।

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिया गया गाँव मोगड़ा कलां में कोरोना वायरस संक्रमण रोकथाम हेतु सामग्री का वितरण एवं जनचेतना अभियान

1. जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय द्वारा महामहिम राज्यपाल श्री कलराज मिश्र के आदेशानुसार स्मार्ट विलेज स्कीम के तहत गोद लिए गए मोगड़ा कला गावं में दिनांक 08.06.2020 को कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम हेतु सामग्री का वितरण किया गया व जनचेतना के तहत् ग्रामीणो को संक्रमण के रोकथाम हेतु जानकारी दी गई।

स्मार्ट विलेज स्कीम के कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर प्रवीण गहलोत ने बताया की गांव में एक हजार मास्क, थर्मोस्केनर मशीन, सार्वजनिक स्थलों को संक्रमण से मुक्त करने के लिए हाइपो के छिड़काव की स्वंचलित मशीन, हाथों को साफ करने हेतु हेन्ड सेनेटाइजर इत्यादि का वितरण किया गया। पंचायत कार्यालय, ई-मित्र व अन्य सार्वजनिक स्थानो पर छिड़काव हेतु हाइपों विलयन दिया गया। विश्वविद्यालय द्वारा मास्क, थर्मोस्केनर मशीन, छिड़काव मशीन व अन्य सामग्री ग्राम पंचयत को भेंट की।

2. दिनांक 06.12.2020 को गोद लिए गए गाँव मोगड़ा कलॉ में माननीय कुलपति महोदय प्रो. पी.के.त्रिवेदी के निर्देशानुसार स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम व वरिष्ठ नागरिकों से संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. के.आर. पटेल ने बताया कि कोविड-19 महामारी उन्मूलन हेतु राज्य सरकार द्वारा जारी गाईडलाईन की पालना करते हुए गॉव में सार्वजनिक स्थानों पर सफाई करवाने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा गॉव को अनुदान राशि दी गई जिसके अन्तर्गत गॉव की मुख्य सड़क, पंचायत भवन, राजकीय सीनियर सैकेण्डरी

डॉ. चौधरी एमबीएम कॉलेज माइनिंग के विभागाध्यक्ष बने

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के माइनिंग विभाग में प्रो. एस. के. परिहार के सेवानिवृत्त होने पर डॉ. राम प्रसाद चौधरी ने माइनिंग विभाग के विभागाध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण किया। डॉ. चौधरी इसी कॉलेज से अपना इंजीनियरिंग कोर्स किया था तथा आईआईटी खड़गपुर से स्कॉलरशिप के साथ एमटेक किया था।

विवि शैक्षिक संघ : प्रो. डागा अध्यक्ष व प्रो. गर्ग सचिव नियुक्त

प्रो. कैलाश डागा

अखिल रंजन गर्ग

जय नारायण व्यास विश्व. विद्यालय शैक्षिक संघ कार्यकारिणी की ऑनलाइन बैठक संपन्न हुई। बैठक में निवर्तमान अध्यक्ष प्रो. सुनील परिहार का सेवा-निवृत्ति पर अभि-नंदन किया गया। वहीं संघ में अध्यक्ष पद की बागडोर प्रो. कैलाश डागा को सौंपी गई। इसके अलावा प्रो. अखिल रंजन गर्ग को सचिव पद का दायित्व सौंपा गया।

विद्यालय, राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ऑगनवाडी इत्यादि स्थानों पर साफ-सफाई की जायेगी।

3. मोगड़ा कल्ला गाँव के मनरेगा कार्यस्थल पर स्वास्थ्य जाँच शिविर आयोजित : मोगड़ा कल्ला गाँव में एक दिवसीय जाँच शिविर का आयोजन किया गया। मोगड़ा के सरपंच वागाराम पटेल के निवेदन पर शिविर का आयोजन जर्रा नाड़ी के मनरेगा कार्यस्थल पर किया गया ।

4. औषधीय पादपों का वितरण एवं वृक्षारोपण : मोगड़ा कलां गांव में औषधीय पादपों का वितरण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत ने बताया कि गांव मे एक दिवसीय शिविर का आयोजन कर ''हरित गांव'' की थीम पर औषधीय व फलदार पौधों का वितरण किया गया। औषधीय पौधों मे तुलसी, गिलोय, ग्वारभाटा, शतावरी तथा फलदार पौधे मे जा(53)सीताफल, अमरूद, गुंदा, अनार, बादाम व आम के पौधे थे।

5. विश्वविद्यालय द्वारा स्मार्ट विलेज मोगड़ा कलां में सामाजिक सरोकार : 11 फरवरी, 2021 को मोगड़ा कलां गांव के फतेहगिरी जी महाराज भाखरी पर रत्नगिरी जी महाराज की 26वीं बरसी पर रक्तदान शिविर, नेत्र जॉच शिविर, स्वास्थ्य शिविर तथा ई-बैंकिंग, साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 110 ग्रामीणों ने अपनी नेत्र जॉच करवाई।

जेएनवीयू स्मार्ट विलेज सालावास में छह नवाचारों का शुभारम्भ

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए स्मार्ट विलेज सालावास गाँव में 23 फरवरी को छह नवाचारों का शुभारम्भ किया गया। सर्वप्रथम विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि लूणी के विधायक महेंद्र विश्नोई द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने बच्चों को प्रेरक कहानियाँ सुनाई तथा गाँव के विकास में विद्यार्थियों की सक्रिय भूमिका का आह्वान किया। नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश गहलोत के प्रयासों से गाँव में कानून व्यवस्था को सुनिश्चित करने हेतु गाँव के मुख्य मार्गो, कबीर चौराहा, बस स्टैंड तथा विद्यालय गेट पर 12 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जिसका लोकार्पण मुख्य अतिथि महेंद्र विश्नोई तथा कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने किया। ग्राम पंचायत विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना, 10वीं एवं 12वीं कला एवं विज्ञान में 90 प्रतिशत से अधिक अंकों वाले विद्यार्थियों के लिए कई पुरस्कार योजनाओं का शुभारम्भ किया गया।

महिला अध्ययन केन्द्र की निदेशक प्रो. सरोज कौशल ने बताया कि महिलाओं के रोजगार प्रशिक्षण हेतु ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केन्द्र की ओर से किया जा रहा है। 15 दिवसीय इस शिविर में महिलाओं को सौन्दर्य-सम्वर्धन तकनीक से अवगत करवाया जायेगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना तथा गाँधी अध्ययन केन्द्र के संयुक्त तत्त्वावधान में वृक्षारोपण

राष्ट्रीय सेवा योजना तथा गाँधी अध्ययन केन्द्र के संयुक्त तत्त्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. त्रिवेदी रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अशोक पुरोहित ने की। एन.एस.एस. समन्वयक प्रो. के.आर. पटेल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए वृक्षारोपण की महत्ता पर अपना उद्बोधन दिया। कुलपति ने वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरूआत अशोक, गुलमोहर, आम इत्यादि के पौधे लगाकर की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय से नवनियुक्त सिंडिकेट सदस्य प्रो. के.आर. गेनवा का स्वागत भी किया गया। गाँधी अध्ययन केन्द्र के निदेशक डॉ. हेमसिंह गहलोत ने माननीय कुलपति महोदय के साथ औषधीय पौधे लगवाये। वृक्षारोपण का कार्यक्रम गाँधी अध्ययन केन्द्र में भी आयोजित किया गया तथा गाँधी अध्ययन केन्द्र के निदेशक डॉ. हेमसिंह गहलोत ने माननीय कुलपति महोदय के साथ औषधिय पौधे लगवाये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका पुरोहित ने किया व प्रो. प्रवीण गहलोत ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जेएनवीयू ने कच्ची बस्ती में मनाया एनएसएस स्थापना दिवस

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी के निर्देश तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. के.आर. पटेल व कमला नेहरू महाविद्यालय की निदेशिका प्रो. संगीता लूंकड के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस पाँच बत्ती के पास स्थित नेहरू कॉलोनी और सांसी कॉलोनी में बच्चों व उनके घरों में मास्क व सेनेटाइजर वितरित कर मनाया। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत, डॉ. उत्तम पालीवाल, डॉ. अल्केश टाक, डॉ. आरपी सारण, डॉ. समय सिंह मीणा, डॉ. शिवकुमार बरवड़ और स्वयंसेवक मनोहर ने लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा कोविड-19 टीकाकरण शिविर का आयोजन :

विज्ञान संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा कोविड-19 टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। कुलपति के निर्देशानुसार विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राओं को कोविड-19 महामारी से बचाने हेतु उन्हें कोविशिल्ड की प्रथम व द्वितीय डोज लगायी गयी। कोविशिल्ड की 430 डोज लगाकर छात्र-छात्राओं, शिक्षकों व विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को लाभान्वित किया गया। शिविर में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा डॉ. रवि नागल के नेतृत्व में नर्सिंग स्टाफ के सहयोग से शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया।

टीकाकरण कैम्प में 737 लोगों को लगा कोरोना बचाव टीका

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में टीकाकरण कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में कुल 737 लोगों का टीकाकरण डॉ. रोहित माथुर की तीन टीमों द्वारा किया गया। प्रो. संगीता लूँकड ने CMHO डॉ. बलवंत मंडा एवं RCHO डॉ. कौशल दवे का आभार व्यक्त किया।

कला संकाय में 360 लोगों को लगाए कोवैक्सीन के टीके

कला संकाय भाषा प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्त्वावधान में कुलपति की प्रेरणा से दिनांक 13 अगस्त, 2021 को कोविड-19 टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शैक्षणिक व अशैक्षणिक कर्मचारियों को कोवैक्सीन की प्रथम व द्वितीय डोज लगाई गई।

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का द्वितीय चरण शुरू

3 राज गर्ल्स बटालियन के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का द्वितीय चरण कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में आरम्भ हुआ, जिसमे परेड, मानचित्र पठन, हथियार प्रशिक्षण, युद्ध कौशल, रण कौशल, नेतृत्व क्षमता एवं व्यक्तित्व विकास की कक्षाएं ली जाएंगी। शिविर में डिप्टी कैंप कमांडेंट मेजर इंदु मिश्रा, लेफ्टीनेंट कीर्ति माहेश्वरी आदि ने संबंधित विषयों पर कक्षाएं लीं।

छात्र सेवा मंडल से जुड़ी समितियों का गठन, सदस्य मनोनीत

कुलपति ने छात्र सेवा मंडल की सलाहकार समिति के सदस्यों का मनोनयन किया। समिति में प्रो. पवन कसेरा, प्रो. सरोज कौशल, प्रो. सतीश कुमार हरित, प्रो. जयश्री वाजपेयी, प्रो. कृष्णावतार गोयल, प्रो. सुनीता शर्मा, प्रो. राजेश कुमार दुबे, प्रो. सुनील आसोपा, डॉ. महिपाल सिंह राठौड़ को शामिल किया गया। वहीं राजस्थानी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ का गठन किया गया जिसमें छात्र सेवा मंडल के राजस्थानी प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। इसमें महिपाल सिंह को प्रभारी, मीनाक्षी बोराणा को संयोजक, गजेसिंह राजपुरोहित सह-संयोजक, धनंजया अमरावत, जया भंडारी, लेखू भंडारी, कामिनी ओझा, आशा राठी, प्रतिभा सांखला, पूजा गहलोत, हितेन्द्र गोयल व गोविंद सिंह को सदस्य के तौर पर शामिल किया गया है। वहीं छात्र सेवा मंडल के सांस्कृतिक व सह-सांस्कृतिक समन्वयक मनोनीत किये गये इसमें सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. संगीता लूंकड़, सह सांस्कृतिक समन्वयक राजश्री राणावत, भाषा प्रकोष्ठ के लिए मीना बर्डिया, गोविंदसिंह व भूमिका द्विवेदी, विधि संकाय के लिए निधि संदल व केआर मेघवाल, केएन कॉलेज के लिए एसएल मीणा, कामिनी ओझा व स्वाति शर्मा, एमबीएम कॉलेज के लिए विकास कपूर, सुशील सारस्वत, विज्ञान संकाय के लिए प्रवीण गहलोत, अशोक पटेल और वाणिज्य संकाय के लिए सपना पटावरी व क्षितिज महर्षि को शामिल कियागया है। छात्र सेवा मंडल अध्यक्ष की अनुशंसा पर सत्र 2020-21 ऑनलाइन प्रतियोगिता समिति भी गठित की गई।

कोविड-19 महामारी जागरूकता एवं बचाव पर एक दिवसीय वेबीनार आयोजित

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा कोविड-19 महामारी पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का आयोजन दिनांक 23.05.21 को माइक्रोसॉफ्ट टीम्स प्लेटफार्म पर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर त्रिवेदी ने की। मुख्य वक्ता डॉ संदीप अग्रवाल ने कोविड-19 महामारी की उत्पत्ति, संक्रमण, बचाव, लक्षणों की पहचान तथा इसके उपरांत होने वाली जटिलताओं को अपनी पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन द्वारा समझाया।

कोविड-19 चुनौतियों में शामिल ब्लैक फंगस तथा वाइटफंगस पर चर्चा की जिसमें स्वयंसेवकों को इन पर ज्ञानार्जन करने तथा समाज में लोगों से संवाद स्थापित कर इन बीमारियों से जुड़ी भ्राँतियों को दूर करने का आह्वान किया गया। कमला नेहरू कॉलेज निदेशक प्रोफेसर संगीता लूंकड़, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हेमसिंह गहलोत तथा डॉ. अशोक कुमार पटेल ने इस परिचर्चा में भाग लिया। वेबीनार का संचालन डॉ. प्रियंका पुरोहित ने किया तथा देशभर से ऑनलाइन जुडे सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वच्छता को आचरण में अपनाना जरूरी

केंद्रीय युवा एवं खेल मंत्रालय और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) क्षेत्रीय निदेशालय के संयुक्त तत्त्वावधान में 27 फरवरी को विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा स्वच्छता कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने जीवन में स्वच्छता के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कोरोना काल में विवि स्वयं सेवकों ने जन-जागरुकता फैलाने में अहम भूमिका निभाई। कार्यशाला अध्यक्ष कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने वातावरण की स्वच्छता के साथ-साथ मानसिक स्वच्छता की भी आवश्यकता बताई।

मुख्य वक्ता जोधपुर नगर निगम आयुक्त डॉ. अमित यादव ने कहा कि देश की संस्कृति में स्वच्छता का बड़ा महत्व है। एनएसएस समन्वयक प्रो. के.आर. पटेल ने एनएसएस द्वारा वर्ष पर्यन्त की गई गतिविधियों का परिचय दिया। विज्ञान संकाय के कार्यकारी अधिष्ठाता प्रो. सीमा कोठारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

समापन समारोह में प्रो. के. एल. रैगर अधिष्ठाता, कला संकाय ने स्वच्छता का जीवन में महत्त्व एवं जीवन निर्माण के सहायक के रूप में रेखांकित किया। प्रो. चैनाराम चौधरी ने एनएसएस द्वारा संचालित कार्यक्रमों की प्रशंसा की।

प्रो. के.आर. गेनवा सिंडीकेट सदस्य मनोनीत

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलपति

प्रोफेसर प्रवीण चन्द त्रिवेदी ने एक आदेश जारी कर रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर के.आर. गेनवा को एक वर्ष के लिए सिंडीकेट सदस्य मनोनीत किया है। प्रो. गेनवा इससे पूर्व अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र के निदेशक भी रहे हैं एवं विश्वविद्यालय के अन्य वैधानिक समितियों के सदस्य के रूप में भी कार्य किया है।

डॉ. मीनाक्षी बोराणा जोधपुर जिला कमिश्नर (रेंजर) नियुक्त

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय जोधपुर के जिला मुख्य

आयुक्त श्री गोपाल सिंह भाटी द्वारा भारत स्काउट्स व गाइडस् राष्ट्रीय मुख्यालय के नवीनतम नियम 107 में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए राजस्थानी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी बोराणा को जिला कमिश्नर (रेंजर), जोधपुर के पद पर नियुक्त किया गया है।

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय ने किया नो मास्क-नो एंट्री अभियान का आगाज

माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से कोरोना महामारी बचाव के लिए 2 अक्टूबर से नो मास्क-नो एंट्री अभियान का आह्वान के तहत कुलपति प्रो. त्रिवेदी के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना की **विज्ञान व कला संकाय इकाइयों** द्वारा भगत की कोठी रेल्वे स्टेशन व आसपास के क्षेत्रों में लोगों के घर-घर जाकर मास्क वितरित किए। आमजन को मास्क लगाए बिना घर से नहीं निकलने एवं कोरोना से बचाव के उपाय बता जागरूक करते हुए कोरोना बचाव के बैनर लगाए। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत के नेतृत्व में डॉ. आरपी सारण, डॉ. एसएस मीणा, डॉ. उत्तम पालीवाल, डॉ. सुरेश चौधरी, डॉ. प्रवीणचन्द, डॉ. प्रेमसिंह राजपुरोहित, डॉ. भवानी सिंह व स्वयंसेवकों ने भगत की कोठी रेल्वे स्टेशन पर यात्रियों को कोरोना बचाव के उपाय बताए मास्क व सेनेटाइजर वितरित कर बैनर लगाए। इसी तरह **कमला नेहरू महिला महाविद्यालय** के कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. पंकज नामा, डॉ. राजश्री राणावत, डॉ. पूनम पूनिया, डॉ. आरएल सैनी, डॉ. विनीता चौहान व डॉ. प्रतिभा सांखला की ओर से गांधी जयंती पखवाड़ा का आयोजन किया गया जिसके तहत क्विज, भाषण, आर्ट ऑफ लिविंग, पीपीटी बनाओ प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता व कोरोना बचाव बैनर वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित किये गये। **वाणिज्य एवं प्रबंध संकाय** में भी नो मास्क-नो एंट्री अभियान के तहत बिना मास्क के प्रवेश नहीं के फ्लेक्स का विमोचन संकाय अधिष्ठाता प्रो. रमन कुमार दवे के द्वारा किया गया। **विधि संकाय** के राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं ने नो मास्क-नो एंट्री का संदेश देकर संकाय में जागरूकता बढ़ाई।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी बने नई शिक्षा नीति अध्ययन दल सदस्य

भारत सरकार शिक्षा (ग्रुप-4) विभाग की ओर से उच्च शिक्षा विभाग संबंधित नवीन शिक्षा नीति 2020 का अध्ययन कर राजस्थान उच्च एवं तकनीकी शिक्षा नीति प्रस्तुत करने के लिए अध्ययन दल का गठन किया जिसमें जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी को अध्ययन दल सदस्य बनाया गया।

डॉ. पी.आर. व्यास सिंडीकेट सदस्य एवं श्री पी.एस. वर्मा विश्वविद्यालय चयन समिति सदस्य मनोनीत

राज्य सरकार ने आदेश जारी कर डॉ. पी.आर. व्यास को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर का सिंडीकेट सदस्य मनोनीत किया है। सिंडीकेट सदस्य के रूप में इनकी नियुक्ति अगले तीन वर्षो के लिए की गई। वहीं राज्य सरकार ने एक अन्य आदेश जारी कर प्रख्यात शिक्षाविद् श्री पी.एस. वर्मा एवं सिंडीकेट सदस्य डॉ. पी.आर. व्यास को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में शिक्षक एवं अधिकारी चयन समितियों का सदस्य मनोनीत किया है।

वृक्षारोपण एवं गौशाला में सेवा कर एनएसएस स्वयंसेवकों ने मनाया पर्यावरण दिवस

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रोफेसर के आर पटेल के आह्वान पर स्वयंसेवकों ने गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी कोरोना महामारी में अपने घरों के आस-पास के स्थानों पर वृक्षारोपण व गौशाला में सेवा कर पर्यावरण दिवस मनाया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर प्रवीण गहलोत ने बताया कि भेराराम भाटी सहित अन्य स्वयंसेवकों ने प्रेम नगर माता के थान में बन रहे नए गार्डन में, स्वयंसेवक पुष्पेंद्र बेरवा व उर्वशी सोनी की टीम ने प्रताप नगर में, स्वयंसेविका चंचल शर्मा ने फलोदी में पोधारोपण किया। स्वयंसेवक पिंटू गहलोत ने अपने साथियों के साथ गौशाला में गायों की सेवा कर व पक्षियों के परिंडे लगाकर पर्यावरण दिवस पर अपना योगदान देकर आमजन को जागरूक करने का कार्य किया। गौरतलब है कि जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयों ने गत वर्ष भी जोधपुर के विभिन्न क्षेत्रों एवं बस्तियों में मास्क बांटना, जागरूकता रैली निकाल कर लोगों को कोरोना संक्रमण बचाव के तरीकों की जानकारी देना, सेनेटाइजर वितरण कार्यक्रम, वृक्षारोपण, साफ-सफाई कार्यक्रम के साथ अन्य स्वास्थ्य से संबंधित कार्य किए थे। एनएसएस के स्वयंसेवक लगातार लोगों को जागरूक करने एवं हरसंभव सहायता कार्य कर रहे है।

डॉ. विमला शेरॉन बनीं प्राणीशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के

माननीय कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी के आदेश अनुसार प्राणीशास्त्र विभाग की प्रोफेसर डॉ. विमला शेरॉन को विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्होंने प्रो. सीमा त्रिवेदी से कार्यभार ग्रहण किया।

प्रो. हरिशरण सिंह बने भौतिक विज्ञान के विभागाध्यक्ष

जय नारायण व्यास

विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति ने भौतिक विज्ञान विभाग के प्रोफेसर प्रो. हरिशरण सिंह को भौतिक विज्ञान विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति 1 अगस्त, 2020 से तीन वर्षों या उनकी सेवानिवृत्त तिथि तक जो भी पहले हो, तब तक रहेगी।

हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता व हिन्दी समूह चर्चा

छात्र सेवा मंडल की ओर से विधि संकाय में भारतीय मीडिया अपनी स्वतंत्रता का गलत फायदा उठा रही विषय पर हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता व वर्तमान कृषि बिल किसानों का हित देख रहे विषय पर हिंदी समूह चर्चा का आयोजन हुआ। संयोजक डॉ. निधि संदल ने बताया कि वाद-विवाद प्रतियोगिता में दिया वर्मा प्रथम, विशाल विश्नोई द्वितीय व अनिकेत चारण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं समूह चर्चा में हिमपाल सिंह राठौड़ प्रथम, मिली खत्री द्वितीय एवं रौनक परिहार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में प्रो. सुनील आसोपा, आकाशवाणी से कालूराम परिहार, हिंदी विभाग के प्रो. डॉ. भरत कुमार एवं फत्ताराम ने भूमिका निभाई। संचालन वेद प्रकाश गौड़ ने किया।

हिंदी स्वरचित कविता प्रतियोगिता में पूजा स्वामी विजयी

छात्र सेवा मंडल, विज्ञान संकाय, जय नारायण व्यास विवि की ओर से बुधवार को हिंदी स्वरचित कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संयोजक प्रो. प्रवीण गहलोत ने बताया कि इसमें पूजा स्वामी ने कोरोना काल की परिस्थितियों पर स्वरचित कविता प्रस्तुत कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कमलेश ने द्वितीय एवं प्रियंका नागल एवं श्रवण सिंह ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम में कई सम-सामायिक विषयों पर कविताएं पढ़ी गई जिसमें बेटियाँ व गंभीर प्रदर्शन को दर्शकों ने सराहा। हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. भरत कुमार एवं डॉ. प्रवीण चंद ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया। कार्यक्रम का संचालन सह-संयोजक डॉ. अशोक कुमार पटेल ने किया।

प्रो. सुरजा राम जाखड़ भूगर्भशास्त्र विभाग एवं डॉ. अनिल वर्मा लेखांकन के विभागाध्यक्ष नियुक्त

प्रो. सूरजाराम जाखड़

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने भूगर्भशास्त्र विभाग के प्रोफेसर सुरजाराम जाखड़ को भूगर्भ शास्त्र विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

डॉ. अनिल वर्मा

लेखांकन विभाग के सहायक प्रो. अनिल वर्मा को लेखांकन विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इन दोनों की नियुक्ति 1 जुलाई, 2020 से तीन वर्षों तक रहेगी।

श्रीमती प्रियंका मेहता बनीं आर्किटेक्चर एण्ड टॉउन प्लानिंग की विभागाध्यक्ष

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति महोदय के निर्देशानुसार आर्किटेक्चर एंड टॉउन प्लानिंग की सहायक प्रोफेसर श्रीमती प्रियंका मेहता को आर्किटेक्चर एण्ड टॉउन प्लानिंग विभाग की विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति 16 अगस्त, 2020 से तीन वर्षों तक रहेगी।

सेजल सोनी शास्त्रीय वादन में विजेता बनी

छात्र सेवा मंडल के तत्त्वावधान में नया परिसर स्थित कला संकाय द्वारा शास्त्रीय एवम् उपशास्त्रीय वादन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतिभागियों ने अपनी संगीतमयी वाद्य प्रस्तुतियाँ दी। सह समन्वयक गोविंद सिंह राजपुरोहित ने बताया कि प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. हर्षित वैयर एवम् पियानो वादक धर्म सिंह थे।

प्रो. संगीता लूंकड़ एवं डॉ. राजश्री राणावत ने अपने उद्‌बोधन में टीम प्रयासों की सराहना की तथा विशिष्ट अतिथि प्रो कुसुमलता भंडारी एवम् संगीत विभागाध्यक्ष डॉ गौरव शुक्ला ने प्रतिभागियों को संगीत वादन की बारीकियों से अवगत कराया। समन्वयक प्रोफेसर मीना बरडिया ने बताया कि निर्णायक मंडल द्वारा शास्त्रीय वादन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सेजल सोनी तथा सांत्वना पुरस्कार के लिए राधिका राव को नामित किया गया। इसी प्रकार उप शास्त्रीय वादन प्रतियोगिता में सेजल सोनी को प्रथम पुरस्कार तथा अभिनव सिंह को सांत्वना पुरस्कार घोषित किया गया।

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में 'लोकनृत्य प्रतियोगिता' में दिव्या चौहान प्रथम रहीं

छात्र सेवा मंडल के तत्त्वावधान में कमला नेहरू महिला महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। डॉ. एस. एल. मीणा ने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से लोक नृत्य प्रतियोगिता में दिव्या चौहान प्रथम, ईशा द्वितीय तथा हेमलता तृतीय स्थान पर रही जिसमें प्रो. विनीता परिहार, डॉ. रमा अरोड़ा और श्रीमती मधुर परिहार निर्णायक मंडल सदस्य रहीं। प्रतियोगिता में भाग लेने वालीं सभी छात्राओं ने अपने आवासीय मंच से प्रस्तुति की।

छात्राओं का लोकगीत प्रतियोगिता में दिखा उत्साह : विश्वविद्यालय छात्र सेवा मंडल के तत्वावधान में कमला नेहरू महाविद्यालय में लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन ऑनलाइन के माध्यम से किया गया, जिसमें छात्राओं ने बाट थारी जोवती, म्हारी आँखड़िया, हरिया पतंग, रुणिचे रा धणिया सहित विभिन्न लोक गीतों की प्रस्तुतियाँ दीं। डॉ. कमलेश माथुर, डॉ. मीनाक्षी बोराणा, डॉ. भूमिका द्विवेदी निर्णायक मंडल के सदस्य थे। आयुषी बालोच प्रथम, कोमल जैन और गुंजन व्यास द्वितीय तथा ममता विश्नोई तृतीय स्थान पर रहीं।

प्रो. विमला वर्मा मनोविज्ञान की एवं डॉ. रेणु शर्मा ललित कला विभागाध्यक्ष नियुक्त

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के

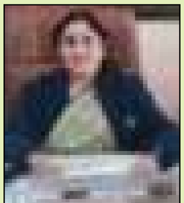

डॉ. विमला वर्मा

माननीय कुलपति के निर्देशानुसार मनोविज्ञान की प्रोफेसर डॉ. विमला वर्मा को मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति 1 सितम्बर, 2020 से प्रभावी है।

ललित कला विभाग की

डॉ. रेणु शर्मा

असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रेणु शर्मा को ललित कला विभाग की विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति 30 अगस्त, 2020 से अगले तीन वर्षों या सेवा-निवृत्ति तिथि तक रहेगी।

विधि संकाय में हुई आशुभाषण प्रतियोगिता

छात्र सेवा मण्डल की ओर से विधि संकाय में आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। संयोजक डॉ. निधि संदल ने बताया, एक्सटेंपोर प्रतियोगिता में जय काबरा प्रथम, दिया वर्मा व हिमपाल सिंह द्वितीय एवं दिव्यांशु चारण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में प्रो. राजश्री राणावत व प्रो. वीनू जॉर्ज थे। सह-संयोजक डॉ. के.आर. मेघवाल ने टीम प्रयासों को सराहा।

लोक गायन, लोक नृत्य एवं राजस्थानी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

छात्र सेवा मंडल की ओर से विधि संकाय में लोक गायन व लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संयोजक प्रो. निधि संदल ने बताया कि लोक गायन में निराली गौड़ व कृष्ण पाल ने प्रथम, यशवंती गौड़ द्वितीय व राजु दुबे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लोक नृत्य में निराली गौड़ प्रथम, जाहन्वी सोनी द्वितीय और यशवंती गौड़ तृतीय स्थान पर रही।

वहीं सायंकालीन अध्ययन संस्थान में राजस्थानी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें भोम सिंह राठौड़ प्रथम, महेंद्र सिंह राठौड़ द्वितीय और स्वरूपाराम तृतीय रहे। सांयकालीन अध्ययन संस्थान में लोकगीत गायन प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ जिसमें सहसंयोजक डॉ. हितेंद्र गोयल ने बताया कि नकुल गहलोत प्रथम, स्वरूपाराम व भोम सिंह इंदा संयुक्त रूप से द्वितीय एवं नवदीप सिंह व शंकर सिंह तृतीय स्थान पर रहे।

इसी कड़ी में संस्थान में देशभक्ति स्लोगन प्रतियोगिता में सोमसिंह चौहान प्रथम, शंकर सिंह द्वितीय और महेन्द्र सिंह हमीरा व भोमसिंह इंदा संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। निर्णायक डॉ. प्रवीण चन्द्र थे, संचालन डॉ. हितेन्द्र गोयल ने किया। सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी में सोमसिंह व स्वरूपाराम की टीम प्रथम रही। महेंद्र सिंह व भोमसिंह की टीम द्वितीय व जितेंद्र चौधरी व कुंभ सिंह की टीम तीसरे स्थान पर रही।

डॉ. राणावत आईक्यूएसी की सदस्य एवं डॉ. ओमप्रकाश टास्क फोर्स सदस्य मनोनीत

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के

डॉ. राजश्री राणावत

कुलपति के निर्देश अनुसार अंग्रेजी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. राजश्री राणावत को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की सदस्य मनोनीत किया गया है।

भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. ओम प्रकाश

डॉ. ओमप्रकाश राजपुरोहित

राजपुरोहित को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ टास्क फोर्स का सदस्य मनोनीत किया गया।

डॉ. मीणा को 'कोरोना योद्धा सम्मान'

वैश्विक महामारी कोरोना

के लिए लोगों में अलख जगा रहे राजनीति विज्ञान के सहायक प्रो. डॉ. जनक सिंह मीना की अद्वितीय एवं सराहनीय सेवाओं के लिए अल्पसंख्यक रिलीफ एण्ड वैलफेयर सोसायटी, जयपुर द्वारा कोरोना योद्धा सम्मान प्रदान किया गया।

सभी संकायों में हुई कई प्रतियोगिताएँ

छात्र सेवा मंडल के तत्त्वावधान में कला संकाय द्वारा परिस्थितिजन्य प्रतिक्रिया प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने दिए गए तात्कालिक विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कला संकाय की प्रो. मीना बरडिया ने बताया कि प्रतियोगिता की निर्णायक मनोविज्ञान विभाग की डॉ हेमलता जोशी एवं डॉ मृदुला रहे।

प्रो. संगीता लूंकड़ तथा विशिष्ट अतिथि ने टीम प्रयासों की सराहना की। छात्र सेवा मंडल के अध्यक्ष प्रो. नरेंद्र मिश्र ने विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन किया। उन्होंने बताया की कोविड-19 के विपरीत समय में इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को नवीन दिशा प्रदान करती हैं। इस प्रतियोगिता में राजनीति विज्ञान की शोधछात्रा मिस्बाह ने प्रथम स्थान भूगोल विभाग के शोधछात्र नरपत सोलंकी ने द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान संयुक्त रुप से शोध छात्र लक्ष्मण सिंह राजपुरोहित तथा महेंद्र कुमार ने प्राप्त किया।

छात्र सेवा मंडल राष्ट्रीय युवा दिवस वेबिनार

विश्वविद्यालय के छात्र सेवा मंडल के तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा दिवस पर युवाओं के प्रेरक स्वामी विवेकानंद विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता प्रो. कन्हैया लाल राजपुरोहित ने कहा कि स्वामी जी ने अपने जीवन के लिए किए गए सारे कार्यो का श्रेय राजा अजीतसिंह को प्रदान करते हैं। डॉ. अर्जुन सिंह सांखला ने कहा, यदि हम अपनी जड़ें खोद देंगे तो हमारा अस्तित्व ही हिल जाएगा। कार्यक्रम में प्रो. सरोज कौशल, प्रो. कामिनी ओझा, प्रो. नरेन्द्र मिश्र, डॉ. निधि सन्दल, डॉ. अन्नाराम शर्मा, डॉ. कोयल विश्वास के साथ ही विश्वविद्यालय के लगभग 90 से अधिक छात्र-छात्राएं व शोधार्थी उपस्थित रहे।

प्रो. नरेन्द्र मिश्र ने छात्र सेवा मण्डल के अध्यक्ष एवं हिन्दी विभागाध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के छात्र सेवा मण्डल के अध्यक्ष पद का प्रो. नरेन्द्र मिश्र ने पदभार ग्रहण किया। प्रो. मिश्र ने कहा कि छात्र सेवा मण्डल की सुदीर्घ परम्परा रही है। मण्डल ने न केवल राजस्थान में अपितु अखिल भारतीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रो. मिश्र को कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी द्वारा हिन्दी विभाग के अध्यक्ष पद पर भी नियुक्त किया गया है।

प्रो. के.आर. पटेल बने राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक

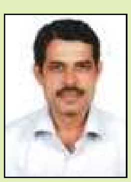

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने एक आदेश जारी कर अग्रिम आदेश तक भौतिक विज्ञान के प्रोफेसर के.आर. पटेल को राष्ट्रीय सेवा योजना का समन्वयक नियुक्त किया है।

राजस्थानी सांस्कृतिक सप्ताह संपन्न

विश्वविद्यालय के छात्र सेवा मंडल के तत्त्वावधान में राजस्थानी संस्कृति प्रकोष्ठ की ओर से 1 मार्च से सांस्कृतिक सप्ताह का शुभारंभ हुआ। पहले दिन राजस्थानी संस्कृति, लोकदेवता एवं वेशभुषा के साथ खान-पान आधारित कविता प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसके निर्णायक के रूप में वाणिज्य संकाय से डॉ. रमेश चौहान रहे। दूसरे दिन राजस्थानी निबंध/कहानी लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई इस प्रतियोगिता के प्रभारी डॉ. प्रतिभा सांखला एवं डॉ. आशा राठी थे। तीसरे दिन 'प्राथमिक शिक्षा मायड़ भाषा में व्हेणी चाहिजै- विषयक राजस्थानी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ इस कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. हितेन्द्र गोयल और डॉ. गोविन्द सिंह थे। वहीं चौथे दिन राजस्थानी मांडणा व राजस्थानी व्यंजन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. धनंजया अमरावत, डॉ. जया भंडारी, डॉ. कामिनी ओझा थी वहीं निर्णायक डॉ. मीना बारूपाल थी। सांस्कृतिक सप्ताह के समापन दिवस पर राजस्थानी वेशभुषा में लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने पधारो म्हारे देश, कालबेलिया, जय जय राजस्थानी, मूमल, गणगौर, पणिहारी, बिछियां, काछबा, चिरमी, भाव जरा वीरा जैसे लोकप्रिय राजस्थानी गीतों पर परम्परागत वेशभूषा में लोक नृत्य की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं।

प्रो. शेखावत रिसर्च डायरेक्टर नियुक्त

वनस्पति विज्ञान के प्रो. ज्ञान

सिंह शेखावत को रिसर्च डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। प्रो. ज्ञान सिंह को शोध कार्य के लिए डिपार्टमेंट ऑफ साइन्स एंड टेक्नोलॉजी की ओर से बोयकास्ट फैलोशिप से नवाजा जा चुका है। ये इंटरनेशनल एक्सचेंज फैलोशिप मास्को, युनिवर्सिटी ऑफरोम में काम कर चुके हैं।

प्रो. भागवत ने एमबीएम कॉलेज के अधिष्ठाता एवं सिंडिकेट सदस्य नियुक्त

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. रजत भागवत को अधिष्ठाता नियुक्त किया गया। प्रो. भागवत ने

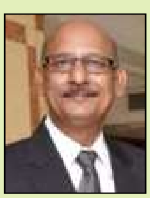

मैकेनिकल विभाग में कई शोध व नवाचार किए हैं। प्रो. रजत भागवत को विश्वविद्यालय ने सिंडिकेट सदस्य नियुक्त किया इनका कार्यकाल एक वर्ष होगा।

बीओबी ने जेएनवीयू एमए हिन्दी के विद्यार्थियों का किया सम्मान

बैंक ऑफ बडौदा के उप महाप्रबंधक सुरेशचंद्र बुंटोलिया की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 19वीं छमाही समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। जेएनवीयू कुलसचिव चंचल वर्मा मुख्य अतिथि व विशेष अतिथि के रूप में हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. नरेंद्र मिश्र उपस्थित थे। बैठक में राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय भारत सरकार के सहायक निदेशक नरेंद्र मेहरा, बैंक ऑफ बड़ौदा प्रधान कार्यालय से सहायक महाप्रबंधक राजभाषा पुनीत मिश्रा सहित सभी सदस्य बैंकों के कार्यालय प्रमुख, राजभाषा अधिकारी एवं अन्य अधिकारी ऑनलाइन उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा ने जेएनवीयू जोधपुर के एमए हिंदी की मेरिट सूची के अनुसार श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले दो विद्यार्थियों को कुलसचिव चंचल वर्मा व कार्यपालक की ओर से चेक, प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया गया।

जेएनवीयू का मोहन अमरीकन जर्नल में

विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के शोधार्थी डॉ. मोहन एल. को अमरीकन जर्नल ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति 2 वर्ष के लिए की गई। संपादक मंडल के सदस्य के रूप में ये विभिन्न प्रकार की पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होने वाले शोध पत्रों का मूल्यांकन करेंगे। वे जेएनवीयू में प्रो. के. एम. गंगोत्री के निर्देशन में फोटो गैल्वेनिक सेल और सोलर एनर्जी कन्वर्जन एंड स्टोरेज पर अनुसंधान कर रहे हैं।

वाद विवाद व समूह चर्चा संपन्न : वाणिज्य और प्रबंधन अध्ययन विभाग के छात्र सेवा बोर्ड ने सांस्कृतिक और गतिविधियों का आयोजन किया। अंग्रेजी वादविवाद प्रतियोगिता विषय 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- बून या कर्स' और इंग्लिश ग्रुप डिस्कशन विषय 'जेंडर असमानता-मिथक या वास्तविकता' विषय पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. क्षितिज महर्षि ने सभी प्रतिभागियों, निर्णायक प्रो. डॉ. सतीश हरित और अंग्रेजी विभाग की डॉ. विभा भूत का स्वागत किया।

प्रो. प्रवीण चंद त्रिवेदी को मिला महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति पद का अतिरिक्त कार्यभार

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. प्रवीण चंद्र त्रिवेदी को माननीय राज्यपाल राजस्थान एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने आदेश जारी कर राज्य सरकार की सलाह से अग्रिम आदेश तक महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्व- विद्यालय, अजमेर के कुलपति पद का अतिरिक्त प्रभार प्रदान किया है। प्रो. त्रिवेदी अगले आदेशों तक जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति पद के साथ महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्व-विद्यालय, अजमेर के कुलपति पद के कार्यो का भी निवर्हन करेंगे।

प्रो. संगीता लूकड ने संभाली के.एन. कॉलेज निदेशक पद की जिम्मेदारी

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के माननीय कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी के आदेश अनुसार रसायन विभाग की प्रोफेसर संगीता लूकड को कमला नेहरू महिला महाविद्यालय के निदेशक पद पर नियुक्त किया है। यह पश्चिमी राजस्थान का सबसे बड़ा महिला महाविद्यालय है।

अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता में आयुषी शर्मा प्रथम

कमला नेहरू महिला कॉलेज में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. एसएल मीणा ने बताया कि अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता में आयुषी शर्मा प्रथम, निकिता जांगिड़ द्वितीय, गुंजन व्यास तृतीय स्थान पर रही। डॉ. कुसुमलता भंडारी, डॉ. अर्जुनसिंह सांखला, रजाक एच हैदर निर्णायक थे। अंग्रेजी समूह चर्चा में गुंजन की छठी टीम पहले स्थान पर, पहली टीम दूसरे स्थान पर और चौथी टीम तीसरे स्थान पर रहीं।

डॉ. कुसुमलता भंडारी, प्रो. सतीश हरित निर्णायक थे। परिस्थिति जन्य प्रतिक्रिया प्रतियोगिता में दीक्षा कंवर की छठी टीम पहले स्थान पर, पहली टीम दूसरे स्थान पर, पाँचवी और आठवीं टीम तीसरे स्थान पर रही। निर्णायक डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. प्रगति भाटी रहे।

वाद-विवाद में मीनल व समूह चर्चा में सुरेंद्र की टीम विजेता

छात्र सेवा मंडल के तत्त्वावधान में आज कला संकाय, विज्ञान संकाय एवं कमला नेहरू महाविद्यालय की ओर से तीन प्रतियोगिताएँ हुई। कला संकाय और के एन कॉलेज में शास्त्रीय नृत्य, सुगम गायन तथा विज्ञान संकाय द्वारा वाद विवाद एवं समूह चर्चा संपन्न हुई। सांस्कृतिक गतिविधियों के तहत अंग्रेजी वाद-विवाद एवं अंग्रेजी समूह चर्चा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की प्रारम्भ में छात्र सेवा मंडल की सांस्कृतिक संयोजक प्रो. संगीता लूंकड ने कहा कि प्रतियोगिता में आपके स्थान की अपेक्षा आपकी प्रतिभागिता महत्त्वपूर्ण है। विज्ञान संकाय में मंडल के संयोजक प्रोफेसर प्रवीण गहलोत ने बताया कि अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय था 'ग्लोबल वार्मिंग- जिम्मेदार कौन?' निर्णायक मंडल में अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर सतीश कुमार हरित एवं राजस्थान विवि के डॉ. मोहित जीनगर ने अपनी भूमिका निभाई।

परिवार व शिक्षक युवाओं में नशाखोरी को रोकने के लिए महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है - डॉ.माणकलाव

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के रोवर एव रेंजर स्काउटिंग ग्रुप द्वारा 'युवाओं में नशाखोरी : एक प्रमुख सामाजिक समस्या एवं समाधान' विषयक राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय के रोवर ग्रुप लीडर डॉ. भरत देवड़ा ने वेबीनार के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य वक्ता डॉ. आर.सी. साहनी, डी.सी. जैन तथा पद्म विभूषण डॉ. नारायण सिंह माणकलाव आदि ने नशे के दुष्प्रभावों को रेखांकित किया और इसके बचाव के उपाय बताये। आज का युवा तनाव, दबाव के कारण सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिणिक परिस्थितियों से पलायन कर नशा करने की ओर प्रवृत्त होता जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने की। इस अवसर पर रोवर लीडर डॉ. प्रवीण चंद ने सभी को नशा नहीं करने की शपथ दिलाई तथा कार्यक्रम का संचालन रेंजर लीडर डॉ. मीनाक्षी बोराणा और डॉ. लेखू गहलोत ने किया तथा रोवर लीडर डॉ. ललित पवार ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कुलपति ने की राज्यपाल से मुलाकात, विश्वविद्यालय के मुद्दों पर की चर्चा

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. प्रवीण चंद त्रिवेदी ने माननीय राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात कर विश्वविद्यालय के विभिन्न महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। कुलपति ने बताया कि राज्यपाल महोदय से हुई मुलाकात में उन्होंने राज्यपाल को 2013 शिक्षक भर्ती के शिक्षकों के 7वें वेतन आयोग के बारे में बातचीत की, साथ ही विश्वविद्यालय के पीएफ की समस्या से उनको अवगत कराया। कोरोना काल में विश्वविद्यालय की ओर से की गई विभिन्न गतिविधियों के बारे में राज्यपाल महोदय को जानकारी दी। विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गए गाँव सालावास में विश्वविद्यालय की ओर से करवाए गए कार्यो से भी राज्यपाल को अवगत करवाया जिसकी प्रगति की माननीय राज्यपाल ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। वहीं विद्यार्थियों की ओर से विश्वविद्यालय में शुल्क वृद्धि के लिए किए जा रहे आंदोलन के बारे में विस्तार से चर्चा की और राज्यपाल महोदय को अवगत करवाया कि विश्वविद्यालय ने किसी भी तरह की शुल्क में वृद्धि नहीं की है विश्वविद्यालय सरकार के मापदंडों के आधार पर ही पहले की भाँति विद्यार्थियों से शुल्क ले रहा है। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने माननीय राज्यपाल महोदय से बातचीत में राजभवन में खेजड़ली बलिदान स्मारक के रूप में अमृता देवी पार्क बनाने के बारे में भी विस्तृत चर्चा की। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने बताया कि माननीय राज्यपाल कलराज मिश्र से हुई मुलाकात में विश्वविद्यालय से जुड़े विभिन्न महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर हुई बातचीत में राज्यपाल महोदय ने जल्द निर्णय लेने का आश्वासन दिया।

रोवर स्काउटिंग द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

नया परिसर स्थित रोवर मैदान में माननीय कुलपति महोदय प्रो. प्रवीण चंद त्रिवेदी के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रुप लीडर डॉ भरत देवड़ा ने कुलपति का स्वागत किया। कुलपति ने वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ गुलमोहर का पौधा लगाकर किया।

एनसीसी की ओर से शहीद स्मारकों एवं महापुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई

विश्वविद्यालय की एनसीसी 6 राज बटालियन के कैडेट्स ने कमांड अधिकारी कर्नल राजीव पूनिया, ट्रेनिंग सूबेदार राजेन्द्र प्रसाद व लेफ्टिनेंट ललित सिंह झाला के नेतृत्व में क्लीनिंग ऑफ स्टेच्यू स्वच्छता अभियान के तहत शहर में स्थित शहीद स्मारकों एवं महापुरुषों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई की।

पोस्टर प्रतियोगिता में छात्राएँ शिखर पर

सिमरन मालवीय

चारू जोधा

दिशा चौहान

राजस्थान राज्य हिन्दुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स मुख्यालय उदयपुर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रारंभिक परीक्षण में के. एन. कॉलेज की हिन्दुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स की टीम ने ग्रुप लीडर डॉ. जनक सिंह मीना के निर्देशन में सहभागिता की और लगभग 15 रेंजर्स के पोस्टर चयनित किए गए। राज्य भर से सहभागी प्रतियोगियों ने पर्यावरण के विविध पक्षों को दर्शाते हुए पोस्टर बनाए।

मुख्यालय द्वारा जारी परिणाम में राज्य में प्रथम स्थान के. एन. कॉलेज की रेंजर सिमरन मालवीय ने प्राप्त किया तथा द्वितीय स्थान पर संयुक्त रूप से रेंजर चारू जोधा एवं दिशा चौहान रहीं।

केएन कॉलेज की रेंजर्स ने राज्य स्तर पर फहराया परचम

विश्वविद्यालय के संघटक कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की हिन्दुस्तान स्काउट्स एण्ड गाइड्स की रेंजर्स ने युवा महोत्सव 2021 में ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में राज्य स्तरीय एकल नृत्य में अलका सिंह डगला ने प्रथम स्थान, सलाद सजावट में गीतांजलि त्रिपाठी ने द्वितीय एवं दर्शना धांभाई ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। युवा सोच-युवा भारत पर भाषण प्रतियोगिता में उर्मिला बांता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्पेशल डिश में तनिष्का अरोड़ा ने प्रथम एवं अलका सिंह डगला ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में अलका सिंह डगला ने द्वितीय एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

उत्कृष्ट सेवा के लिए रेंजर तनिष्का अरोड़ा सम्मानित

के एन कॉलेज की रेंजर्स ने अपने-अपने क्षेत्रों में मास्क वितरण, सोशल डिस्टेंसिंग, पोस्टर प्रदर्शन, सेनेटाइजर वितरण एवं जागरूकता, खाना वितरण, कविता, सेतुएप डाउनलोड जागरूकता, पक्षियों के लिए परिंडे एवं ड्यूटी देकर साहसिक कार्य किया है। प्रथम वर्ष की रेंजर तनिष्का अरोड़ा ने घर-घर एवं दुकानों पर जाकर आमजन को जागरूक करने, खाना वितरण, पोस्टर, मास्क वितरण कर कोरोना से बचने के लिए नियमों की पालना करने की सलाह एवं क्षेत्र में ड्यूटी देकर सेवाएं दीं। तनिष्का अरोड़ा को इसके लिए राजस्थान सरकार में राज्य मुख्य आयुक्त श्रीमती मंजू राजपाल तथा हिन्दुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स के राज्य सचिव श्री नरेन्द्र औदिच्य द्वारा हस्ताक्षरित प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। इसके लिए ग्रुप लीडर डॉ. जनक सिंह मीना ने बधाई देकर प्रोत्साहित किया।

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की रेंजर्स ने की सेवा

राजस्थान राज्य भारत स्काउड व गाइड की कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की रेंजर्स ने स्काउट व गाइड की शपथ ''सेवा कार्य करने की'' को अंगीकार करते हुए कोविड-19 महामारी क दौरान कई सेवा कार्य करके अपने समय का सदुपयोग किया राज्य सरकार की गाइड लाइन को ध्यान में रखते हुए उन्होंने घर में मास्क बनाए और उनका वितरण किया। भोजन के पैकेट बनाकर बांटे। इसके साथ ही पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए पौधारोपण किया बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था की। इस तरह के और भी कई तरीकों से अपने कर्त्तव्य का पालन किया और जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने कोरोना कर्मवीरों के रूप में हमारे महाविद्यालय की रेंजर तरूणा मेघवाल, पिंकी, जयश्री, तारा सुथार और आयुषी निकुंब को सम्मानित किया।

केएन कॉलेज में मानसिक अवसाद पर परिचर्चा

केएन कॉलेज व राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्त्वावधान में गाँधी जयंती पखवाड़े के अवसर पर ''अवसाद एवं जीने की कला'' पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा की मुख्य वक्ता सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती सिद्धि जोहरी थी। क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. नम्रता मेहता ने भी वक्तव्य दिया। केएन कॉलेज निदेशक प्रो. संगीता लूंकड़ ने बताया कि अवसादग्रस्तता के काफी मामले सामने आने व समाज में बढ़ते अवसाद के मद्देनजर इस परिचर्चा का आयोजन किया गया।

प्रो. सरोज कौशल बनीं पं. मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ की निदेशक

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति त्रिवेदी के आदेशनुसार संस्कृत विभाग की अध्यक्षा प्रो. सरोज कौशल को पं. मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ का निदेशक नियुक्त किया है। प्रो. सरोज कौशल ने पं. मधुसूदन ओझा तथा पं. मोतीलाल शास्त्री के साहित्य पर अनेक शोध प्रकाशन किये हैं तथा वे भारतीय दर्शन की विदुषी के रूप में सुप्रथित हैं।

डॉ. भरत देवड़ा ने संभाला विश्वविद्यालय ग्रुप लीडर का पदभार

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर में ग्रुप लीडर, रोवर स्काउटिंग ग्रुप के पद पर डॉ भरत देवड़ा ने दिनांक 1 जुलाई 2020 को अपना पदभार ग्रहण किया। डॉ देवड़ा पिछले 5 वर्षों से विश्वविद्यालय के कला संकाय में प्रथम क्रू के रोवर लीडर के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

मानव संसाधन केंद्र को मिले 50 से अधिक कार्यक्रम

अकादमिक सत्र 2021-22 में शिक्षकों के कौशल विकास, प्रशिक्षण एवं अकादमिक उत्कृष्टता वृद्धि हेतु इस वर्ष रेकार्ड 50 से अधिक विविध कार्यक्रमों का संचालन करने जा रहा है।

यूजीसी- एचआरडीसी के निदेशक प्रोफेसर राजेश दुबे द्वारा बनाई गई इस महत्त्वपूर्ण योजना को यूजीसी की संस्तुति भी मिल चुकी है। ज्ञात हो कि 1987 से संचालित एएससी को 2015 से यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने बताया कि यूजीसी- एचआरडीसी को इतने प्रमुख एवं सर्वाधिक कार्यक्रमों का मिलना हमारे लिए अत्यंत खुशी की बात है। मैं उम्मीद करता हूँ कि ना सिर्फ हमारे विश्वविद्यालय के शिक्षकगण अपितु संपूर्ण राजस्थान तथा देश भर के शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी इत्यादि इन कार्यक्रमों से लाभान्वित होंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वेबिनार

विश्वविद्यालय में नीति आयोग एवं भारतीय शिक्षण मंडल के संयुक्त तत्त्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन विषय पर 22 फरवरी को वेब संगोष्ठी का आयोजन किया गया। भारतीय शिक्षा मंडल के मुकुल कानिटकर ने वीडियो के माध्यम से नई शिक्षा नीति के बारे में बताया। मुख्य अतिथि केंद्रीय विश्व-विद्यालय पंजाब, भटिण्डा के कुलपति प्रो. आर.पी. तिवारी ने शिक्षण विधियों में बदलाव की बात कहते हुए केस स्टडी आधारित शिक्षण की जरूरत को समझाया। भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने शिक्षकों को संस्कृति का माली बताया। आइआइटी जोधपुर के प्रो. एस.आर. वडेरा ने शिक्षा से ही राष्ट्र निर्माण की बात कही।

प्रो. किशोरीलाल रैगर को शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष का मिला कार्यभार

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के

माननीय कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी के आदेश अनुसार कला, शिक्षा एवं सामाजिक विज्ञान विभाग के अधिष्ठाता प्रो. किशोरीलाल रैगर, शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष के कार्यो का निर्वहन भी करेंगे। प्रो. रैगर अपनी नियमित सेवाओं के साथ अगले आदेश तक इस पद का कार्यभार निभायेंगे।

प्रो. रमन दवे ने संभाला अधिष्ठाता, वाणिज्य संकाय का पदभार

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के

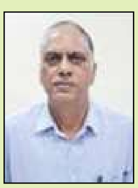

माननीय कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी के आदेश अनुसार व्यवसाय, वित्त एवं अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर रमन दवे को वाणिज्य संकाय के अधिष्ठाता पद पर नियुक्त किया है।

'परिस्थितिजन्य प्रतिक्रिया परीक्षण प्रतियोगिता में धनपत रहे प्रथम'

छात्र सेवा मंडल, विज्ञान संकाय, जय नारायण व्यास विवि द्वारा सोमवार को परिस्थिजन्य प्रतिक्रिया परीक्षण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विज्ञान संकाय के संयोजक प्रोफेसर प्रवीण गहलोत ने प्रतिभागियों को बताया कि परिस्थितिजन्य प्रतिक्रिया परीक्षण का विद्यार्थियों के जीवन में, विशेषकर साक्षात्कार के समय महत्त्वपूर्ण योगदान रहता है। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों से सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, पारिवारिक, राजनैतिक समेत सामान्य जीवन में आने वाली विभिन्न परिस्थितियों से संबंधित प्रश्न पूछे एवं उनकी प्रतिकियाएँ जानीं। इस प्रतियोगिता में धनपत पटेल एवं कार्तिका शर्मा ने सयुंक्त रूप से प्रथम, मीनल अग्रवाल ने द्वितीय एवं ललित देवड़ा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में मनोविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. हेमलता जोशी एवं भूगोल विभाग से डॉ. अर्जुन लाल मीणा थे। कार्यक्रम का संचालन सह-संयोजक डॉ. अशोक कुमार ने किया।

क्विज में कला संकाय के लक्ष्मण सिंह विजेता रहे

छात्र सेवा मंडल के तत्वावधान में नया परिसर स्थित कला संकाय द्वारा सामान्य ज्ञान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम राउंड में प्रत्येक प्रतिभागी को पांच प्रश्न पूछे गए तथा निर्णायकों द्वारा प्रत्येक का अंकन कर द्वितीय राउंड के लिए प्रतिभागियों का चयन किया गया। दूसरे राउंड में ऋणात्मक अंकन के साथ प्रतिभागियों से प्रश्न पूछे गए और उसी आधार पर अंतिम परिणाम तैयार किया गया। कला संकाय की प्रो. मीना बरडिया ने बताया कि वाणिज्य संकाय के प्रो के ए गोयल एवं राजनीति विज्ञान विभाग के डॉ. दिनेश कुमार गहलोत रहे। छात्र सेवा मंडल के अध्यक्ष प्रो. नरेंद्र मिश्र ने कहा विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं निर्णायकों आभार प्रकट किया। गोविन्दसिंह राजपुरोहित ने कहा कि शिक्षा विभाग के शोध लक्ष्मण सिंह राजपुरोहित ने प्रथम स्थान, शोध छात्र महेंद्र कुमार ने द्वितीय स्थान तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्र रमेश गूंद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्विज का संचालन इतिहास विभाग के डॉ भरत देवड़ा ने किया।

प्रो. के.एल. रैगर ने संभाला अधिष्ठाता, कला संकाय का पदभार

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कला, शिक्षा एवं समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता पद पर हिन्दी विभाग के प्रो. डॉ. किशोरी लाल रैगर ने निवर्तमान अधिष्ठाता प्रो. एस.पी. दुबे के सेवानिवृत्त हो जाने पर उनसे पदभार संभाल लिया है। प्रो. रैगर हिन्दी के आलोचक एवं दलित चिंतक के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

प्रो. एस.के. मीना ने संभाला सायंकालीन अध्ययन संस्थान के निदेशक का कार्यभार

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रो. पी. सी. त्रिवेदी ने एक आदेश जारी कर हिन्दी विभाग के प्रोफेसर डॉ. एस.के. मीना को सायंकालीन अध्ययन संस्थान का निदेशक नियुक्त किया है। वे आदिवासी विमर्श व कथा साहित्य के विशेषज्ञ हैं। उनके निर्देशन में 25 से अधिक शोधार्थी पीएच. डी. उपाधि प्राप्त कर चुके हैं।

विवि के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ की कार्यशाला आयोजित, मातृभाषा दिवस पर लिया संकल्प

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की बैठक माननीय कुलपति प्रो. त्रिवेदी की अध्यक्षता में बृहस्पति भवन में 21 फरवरी को आयोजित हुई। बैठक का प्रारंभ अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की पूर्व संध्या पर शपथ ग्रहण के साथ हुआ। यूनेस्को ने हर साल 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है ताकि मातृभाषा के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा दिया जा सके।

आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ (IQAC Cell: Internal Quality Assurance Cell) द्वारा आयोजित बैठक में कुलपति प्रो पीसी त्रिवेदी ने कहा कि यूजीसी द्वारा सभी महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों को आतंरिक गुणवत्ता मूल्यांकन अनिवार्य किया गया है। इसके तहत विश्वविद्यालय को 2022 से पूर्व आईक्यूएससी प्रक्रिया को पूर्ण करना आवश्यक है। यह प्रक्रिया पूर्ण होने पर ही विश्वविद्यालय को यूजीसी, रुसा तथा अन्य संस्थानों से अनुदान प्राप्त होगा। इस प्रक्रिया को सही समय पर पूर्ण करने के लिए इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर मिलिंद शर्मा के निर्देशन में कार्यशाला का आयोजन किया गया। बैठक में कुलसचिव चंचल वर्मा द्वारा संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों को निपटाने के लिए कार्य किया गया। उक्त कार्यशाला में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, निदेशकों, सभी प्रकोष्ठों के सहायक कुलसचिवों, वित्तीय अधिकारियों, कुलसचिव के साथ मुख्य अभियंता आदि ने भाग लिया।

डॉ. राठौड़ पत्रकारिता विभागाध्यक्ष नियुक्त

विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. महिपाल राठौड़ को पत्रकारिता एवं जन-संचार विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। डॉ. राठौड़ की अब तक करीब एक दर्जन से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है। इसके अलावा करीब डेढ़ दर्जन से अधिक पुस्तकों का सम्पादन किया है। उनके 30 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके है। उनको वीर दुर्गादास राठौड़ सम्मान, अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में विशेष सम्मान सहित कई सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है।

प्रो. सोढाणी जेएनवीयू में सिण्डीकेट सदस्य

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय की सिंडीकेट में कुलाधिपति एवं राज्यपाल कलराज मिश्र ने बांसवाड़ा स्थित गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कैलाश सोढाणी को सदस्य नियुक्त किया है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रो. सोढाणी की तीन वर्ष के लिए नियुक्ति की है।

न्यायाधीश दलवीर भंडारी को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया

कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. दलवीर भंडारी से सर्किट हाऊस में औपचारिक भेंट वार्त्ता की एवं उन्हें मानद उपाधि से सम्मानित किया। माननीय न्यायाधीश

को विश्वविद्यालय के वर्चुअल दीक्षान्त समारोह में डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया था। जोधपुर स्थित सर्किट हाउस में कमला नेहरू महाविद्यालय की निदेशक एवम् सिंडिकेट सदस्य प्रो. संगीता लूँकड़, परीक्षा नियंत्रक प्रो. के. आर. गेनवा, हाईकोर्ट के प्रोटकॉल अधिकारी श्री एम.के. पंवार एवं कुलपति के निजी सचिव श्री राजाराम सेंगवा भी इस अवसर पर विद्यमान थे।

वाइल्ड लाइफ रिसर्च एंड कंजर्वेशन अवेयरनेस सेंटर स्थापित

प्रदेश में पाए जाने वाले दुर्लभ वन्यजीवों पर शोध कार्यो को

बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नया केंद्र वाइल्ड लाइफ रिसर्च एंड कंजर्वेशन अवेयरनेस सेंटर की स्थापना की गई है। विवि की ओर से प्राणीशास्त्र के असिस्टेंट प्रो.हेमसिंह गहलोत को केन्द्र का निदेशक बनाया गया। यह केंद्र वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण पर शोध एवं कम्युनिटी कंजर्वेशन को बढ़ावा, मरुस्थल में दुर्लभ वन्यजीव पर नए शोध कार्यो के साथ स्वयं वित्तपोषित आधारित वाइल्ड लाइफ में डिप्लोमा करवाने के कार्य करेगा।

प्रो. हरचंद राम डगला बॉटनी के विभागाध्यक्ष नियुक्त

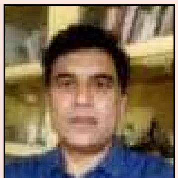

प्रो. हरचंद डगला

जय नारायण व्यास विश्व-विद्यालय, जोधपुर के कुलपति के निर्देशानुसार बॉटनी के प्रोफेसर डॉ. हरचंद राम डगला को बॉटनी विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

प्रो. मंगलाराम संस्कृत के विभागाध्यक्ष नियुक्त

प्रो. मंगलाराम

संस्कृत विभाग के प्रोफेसर डॉ. मंगला राम बिश्नोई को संस्कृत विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इनकी नियुक्ति 1 अप्रैल, 2021 से तीन वर्ष के लिए की गई है।

डॉ. दायमा ने क्रीड़ा मंडल सचिव का कार्यभार ग्रहण किया

डॉ. बाबूलाल दायमा ने सचिव, क्रीडा मंडल, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय का कार्यभार ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि डॉ. दायमा कॉमनवेल्थ गेम्स 1997 में भारतीय कुश्ती टीम के मैनेजर रहे है, वर्ल्ड क्रेडिट फ्री स्टाईल कुश्ती प्रतियोगिता मे तकनीकी ऑफिशियल रहे। सन् 2000 में अर्जेंटिना (दक्षिण अमेरिका) में आयोजित विश्वकप योग प्रतियोगिता में भारतीय टीम के प्रशिक्षक रहे जिसमें भारतीय टीम विश्व विजेता रही थी।

प्रो. शक्तावत इतिहास की विभागाध्यक्ष नियुक्त

प्रो. सुशीला शक्तावत

इतिहास विभाग की डॉ. सुशीला शक्तावत को इतिहास विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति 1 अप्रैल, 2021 से अगले तीन वर्षो तक रहेगी।

डॉ. स्वाति शर्मा संगीत विभाग की विभागाध्यक्ष नियुक्त

डॉ. स्वाति शर्मा

वहीं संगीत विभाग की सहायक प्रोफेसर स्वाति शर्मा को संगीत विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति 5 अप्रैल, 2021 से अगले तीन वर्षों तक रहेगी।

डॉ. मीता निहलानी प्रबंधन विभागाध्यक्ष नियुक्त

विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय के प्रबंधन अध्ययन विभाग में डॉ. मीता निहलानी को विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इनकी नियुक्ति अगले तीन वर्ष तक प्रभावी रहेगी।

प्रो. सरोज कौशल ने संभाला विश्वविद्यालय पीआरओ का पद

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति के आदेशानुसार संस्कृत विभाग की प्रोफेसर सरोज कौशल को जन संपर्क अधिकारी पद पर नियुक्त किया गया। जनसम्पर्क अधिकारी की टीम के सदस्यों डॉ. निधि संदल, डॉ. दिनेश गहलोत, डॉ. विभा भूत, डॉ. रचना दिनेश तथा डॉ. क्षितिज महर्षि के साथ उन्होंने पदभार सम्भाला। इस अवसर पर डॉ. छैलसिंह राठौड़ के साथ जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय के कर्मचारी मौजूद रहे। प्रो. कौशल ने अपनी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों को मीडिया के माध्यम से समाज में प्रेषित करना, विश्वविद्यालय की सभी संवैधानिक समितियों के निर्णयों से अवगत करवाना तथा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सर्वत्र प्रसारित करना प्राथमिकता में रहेंगे।

मानव संसाधन विकास केंद्र में 'भाषा एवं वास्तु' विषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम संपन्न

मानव संसाधन विकास केंद्र की ओर से 'भाषा एवं वास्तु' विषयक 15 दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम 1 सितंबर से 15 सितंबर पर्यन्त सम्पन्न हुआ। पाठ्यक्रम समन्वयक प्रो. सरोज कौशल ने बताया कि संस्कृत, हिंदी, राजस्थानी, अंग्रेजी, अपभ्रंश, पालि, प्राकृत आदि भाषाओं के प्रतिष्ठित विद्वानों तथा कवियों ने साहित्य तथा आलोचना से नये-नये आयामों को उद्घाटित किया। पद्मश्री प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, प्रो. वसंत भट्ट, डॉ. हर्षदेव माधव, प्रो. बालकृष्ण शर्मा, प्रो. उपेन्द्र राव, प्रो. रमाकान्त पाण्डे, प्रो. मुरली मनोहर पाठक आदि ने संस्कृत, प्रो. आशीष त्रिपाठी, प्रो. कुमुद शर्मा आदि ने हिंदी भाषा, प्रो. के.के. पाण्डेय, प्रो. श्यामदेव मिश्र, डॉ. मनोरमा उपाध्याय आदि ने वास्तु विज्ञान पर बहुत प्रभावी चिंतन प्रस्तुत कर शोध के नये आयामों को उद्घाटित किया। प्रो. नंदकिशोर पाण्डेय ने अपभ्रंश भाषा की महत्ता को प्रकाशित किया। डॉ. जागृति उपाध्याय ने अंग्रेजी मुहावरों पर उद्भव एवं विकास को रेखांकित किया। निदेशक प्रो. राजेश दुबे ने बताया कि इस पाठ्यक्रम में मणिपुर, केरल, त्रिवेन्द्रम, मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली एवं अनेक प्रदेशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। सह-समन्वयक डॉ. कामिनी ओझा ने कहा कि इस पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में कवियों ने अपनी कविताओं के प्रयोजन तथा जीवन-दर्शन की व्याख्या की। भाषा तथा वास्तु, दोनों ही संस्कृति तथा अभ्युदय के लिए आवश्यक घटक हैं, ये विचार कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने समापन समारोह में अभिव्यक्त किये। पद्मश्री डॉ. रमाकांत शुक्ल ने कहा कि समकालीन संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय भावना का ताना-बाना अद्भुत रीति से गूँथा हुआ है।

प्रो. रैगर ने संभाला हिन्दी विभागाध्यक्ष का कार्यभार

हिन्दी विभागाध्यक्ष का कार्यभार प्रो. किशोरी लाल रैगर ने ग्रहण किया। प्रो. रैगर वर्तमान में कला एवं समाज विज्ञान संकाय अधिष्ठाता का पद भी संभाल रहे हैं। प्रो. रैगर इससे पूर्व वर्ष 2010 से 2013 तक हिंदी विभागाध्यक्ष एवं जेएनवीयू के जनसम्पर्क अधिकारी का दायित्व निर्वाह कर चुके हैं।

विश्वविद्यालय के दो प्रोफेसर अधीनस्थ व मंत्रालयिक सेवा बोर्ड में सदस्य नियुक्त

प्रो. आर.एस. मीणा

प्रो. इरफान मेहर

राजस्थान अधीनस्थ एवं मंत्रालयिक सेवा चयन बोर्ड में व्यास विश्वविद्यालय के दो प्रोफेसर्स को सदस्य नियुक्त किया गया है। बोर्ड में विश्व-विद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन संस्थान के बीएफई विभाग के प्रो. रामसिंह मीणा एवं भूगोल विभाग के प्रो. इरफान मेहर को सदस्य नियुक्त किया गया है।

प्रो. पवन कसेरा ने संभाला विज्ञान संकाय अधिष्ठाता का कार्यभार

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के वनस्पति विभाग के प्रो. पवन कुमार कसेरा द्वारा अधिष्ठाता, विज्ञान संकाय का कार्यभार ग्रहण किया गया। इस अवसर पर संकाय के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. अशोक कुमार पुरोहित, प्रो. आर.के. यादव, प्रो. सतीश कुमार शर्मा, प्रो. कैलाश डागा आदि अनेक शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रोवर व रेंजर जिला विकास समिति के अध्यक्ष डॉ. देवड़ा एवम् उपाध्यक्ष डॉ. बोराणा

रोवर - रेंजर स्काउटिंग के ग्रुप लीडर डॉ. भरत देवड़ा को जोधपुर जिले के रोवर रेंजर जिला विकास समिति के अध्यक्ष तथा डॉ. मीनाक्षी बोराणा को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

प्रो. राठौड़ वाणिज्य संकाय के अधिष्ठाता व प्रो. मेहता बीएफई के विभागाध्यक्ष

प्रो. महेंद्र सिंह राठौड़

वाणिज्य संकाय के प्रो. महेंद्र सिंह राठौड़ संकाय के अधिष्ठाता नियुक्त किए गए। इनकी नियुक्ति 2 अगस्त, 2021 से अगले तीन वर्ष के लिए रहेगी। प्रो. राठौड़ के कई शोध प्रकाशित हो चुके हैं। प्रो. राठौड़ को शिक्षक रत्न अवार्ड, बेस्ट सिटीजन ऑफ इंडिया अवार्ड मिल चुका है।

प्रो. सुनील मेहता

प्रो. सुनील मेहता को वाणिज्य संकाय के बीएफई का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रो. मेहता इससे पूर्व परामर्शदाता, बीबीए कोर्स के निदेशक, एमएफसी और एमबीए के समन्वयक व एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी रह चुके हैं।

बेहतर नागरिक बनाने के लिए जेएनवीयू में 'आनंदम्' पाठ्यक्रम शुरु

पढ़ाई के साथ अब पहले साल के हर सेमेस्टर में छात्रों को करना होगा 64 घण्टे का सोशल वर्क

विश्वविद्यालय की ओर से सत्र 2020-21 में प्रवेशित प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए नियमित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त एक अच्छे नागरिक बनाने के उद्देश्य से आनन्द आधारित शिक्षा आनंदम् कोर्स शुरू किया गया है। विद्यार्थियों को प्रति सेमेस्टर 64 घंटे तक सामाजिक कार्य करने की फाइल, फोटोग्राफ सबमिट करनी अनिवार्य होगी। जिस के आधार पर विद्यार्थी को ग्रेड प्रदान किए जाएंगे। इस कोर्स के तहत मूल कर्त्तव्य को जानने एवं उनकी पालना करने की शिक्षा दी जायेगी। इसके अलावा समाज के लिए जीने, आमजन, गरीबों और बेसहारा की मदद करने की शिक्षा दी जाएगी। इसके लिए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को दो सेमेस्टर में प्रति सेमेस्टर 64 घंटे का सामाजिक कार्य कर उसकी फाईल तैयार करनी होगी।

विवि को विद्यार्थी से अपेक्षा है –

- प्रतिदिन कम से कम सेवा का एक कार्य करना होगा।
- इस सेवा के कार्य को अपने निर्धारित रजिस्टर या व्यक्तिगत डायरी में नोट करना होगा।
- प्रत्येक टर्म में 64 घंटे का एक सामूहिक सेवा प्रोजेक्ट करेंगे।
- आनंदम् प्लेटफार्म पर सामूहिक प्रोजेक्ट की रिपोर्ट अपलोड करना।
- प्रत्येक महीने में एक बार सामूहिक सेवा पर आयोजित होने वाली चर्चा में भाग लेना व प्रस्तुतिकरण करना।
- सत्र समाप्ति का अंत विद्यार्थी को कुछ ना कुछ दान देकर करना होगा।

विद्यार्थी जिम्मेदार नागरिक बन करेगा सेवा कार्य – प्रो. शेरॉन

(आनंदम् पाठ्यक्रम का आरिएंटेशन कार्यक्रम)

माननीय कुलपति प्रो पी सी त्रिवेदी के निर्देशानुसार 12 फरवरी को आनंदम् पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण एवं आमुखिकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सभी विभागों और संकायों के शिक्षकों ने भाग लिया और आनंदम् के उद्देश्यों को समझा और इसे कार्यान्वित करने की पद्धति को सीखा। इस अवसर पर प्राणी शास्त्र विभाग की अध्यक्ष और आनंदम पाठ्यक्रम कोर कमेटी की समन्वयक प्रो. विमला शेरॉन ने कहा कि आनंद जीवन की ऊर्जा है । हम जीवन कमाते नहीं हैं, इसे परमात्मा के उपहार के रूप में प्राप्त करते हैं। इसलिए सभी में कृतज्ञता का भाव होना चाहिए। आज

समाज में चारों और अलगाव और बिखराव बढ़ रहा है। ऐसे में सब अपने अपने तक सीमित हो रहे हैं। ऐसे चुनौतीपूर्ण दौर में युवाओं में कुछ देने का भाव जागृत करने तथा उन्हें अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित और संस्कारित करने के लिए ही आनंदम् पाठ्यक्रम की रचना की गई है। कार्यक्रम में प्रबंधन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नीलम कल्ला ने आनंदम् पाठ्यक्रम के व्यावहारिक कार्यान्वयन से जुड़े नियमों से अवगत कराया। विश्वविद्यालय में रूसा के नोडल अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत ने पाठ्यक्रम के तकनीकी पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रारंभ में मनोविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. हेमलता जोशी ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन अंग्रेजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. हितेंद्र गोयल ने किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय आनंदम् पाठ्यक्रम कोर कमेटी के सदस्यों प्रो. प्रवीण गहलोत, डॉ. ओ.पी . टाक, डॉ.. नीलम कल्ला, डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. हितेंद्र गोयल, डॉ. ऋषभ गहलोत के अलावा अलग-अलग संकायों के आचार्य एवं शिक्षकों के साथ-साथ विश्वविद्यालय से जुड़े संस्थानों के निदेशक शामिल रहे।

आनंदम् आमुखीकरण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के सायंकालीन अध्ययन संस्थान सभागार में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आनंदम् आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने अपने उद्बोधन में जीवन में सकारात्मकता का महत्त्व बताते हुए विद्यार्थियों को उदारता और दयालुतापूर्ण कार्य करने के लिए मार्गदर्शित किया।

उन्होंने कहा कि जीवन में सकारात्मक रहना एवं खुशियाँ बांटना ही आनंदम् है। संस्थान निदेशक प्रो. मीना ने स्वागत किया। मुख्य वक्ता आनंदम् कोर कमेटी की समन्वयक प्रो. विमला शेरॉन व प्रो. प्रवीण गहलोत थे। प्रो. शेरॉन ने विषय की अवधारणा को स्पष्ट किया और प्रो. प्रवीण गहलोत ने आनंदम् विषय के व्यावहारिक पक्ष एवं कार्यविधि पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हितेन्द्र गोयल ने किया। कार्यक्रम में आनंदम् कोर कमेटी के सदस्य डॉ. नीलम कल्ला, डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. ऋषभ गहलोत व अन्य मौजूद रहे।

प्रो. शर्मा ने संभाला इंजीनियरिंग कॉलेज अधिष्ठाता का पदभार

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर सुनील शर्मा ने कॉलेज अधिष्ठाता का पदभार संभाला। प्रो. शर्मा केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न समितियों में नामित सदस्य भी हैं। डॉ. शर्मा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की स्टेट टेक्निकल एजेंसी के चेयरपर्सन होने के साथ ही सरदार सरोवर बांध और राज्य सरकार की डीएलबी की विभिन्न समितियों में सदस्य भी हैं। प्रो. शर्मा ईएमएमआरसी निदेशक का कार्यभार भी निभा रहे हैं।

प्रो. भदादा ईसीई विभागाध्यक्ष नियुक्त

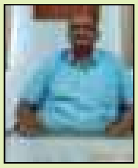

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज के इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष पद पर प्रोफेसर राजेश भदादा को नियुक्त किया गया। प्रो. भदादा ईसीई विभागाध्यक्ष का कार्यभार संभाल चुके है। उनके कार्यकाल में विभाग में कई नवाचार किए गए। इसके अलावा कई अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के शोध कार्य किए गए हैं।

क्रीडा मंडल ने अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस पर आयोजित की सद्भावना प्रतियोगिताएँ

क्रीड़ा मंडल की ओर से अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर पुराना परिसर में ओलंपिक सद्भावना प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

सद्भावना प्रतियोगिता में एक हजार मीटर दौड़ एवं टेनिस खेल का आयोजन किया गया। सद्भावना दौड़ का शुभारंभ अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी दाऊलाल भाटी एवं सचिव डॉ. दायमा ने हरी झंडी दिखाकर किया। दौड़ में प्रथम स्थान पर मोहित भाटी, द्वितीय स्थान पर ओम सिंह एवं तृतीय स्थान पर हेमेंद्र पाल सिंह रहे।

58 साल बाद एल्युमनी एसोसिएशन का आधिकारिक तौर पर गठन : विश्वविद्यालय की स्थापना के 58 साल बाद एल्युमनी एसोसिएशन का आधिकारिक तौर पर गठन किया गया। एसोसिएशन को कंपनी एक्ट में पंजीकृत करवाया गया है।

आध्यात्मिक उन्नति के लिए योग केंद्र द्वारा किया गया कर्मयोग यज्ञ

विश्व योग दिवस पर योग केंद्र द्वारा आध्यात्मिक उन्नति के लिए कर्मयोग यज्ञ का आयोजन किया गया। योग केंद्र के निदेशक डॉ. बाबूलाल दायमा ने बताया कि जिस प्रकार शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक उन्नति के लिए योग किया जाता है उसी प्रकार आध्यात्मिक उन्नति के लिए कर्मयोग 'यज्ञ' किया जाता रहा है।

योग केंद्र ने वर्चुअल मनाया योग दिवस, प्रतिभागियों में दिखा उत्साह

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग केंद्र की ओर से वर्चुअल माध्यम से योग दिवस मनाया गया। इस वर्चुअल कार्यक्रम में प्रतिभागियों द्वारा योगासन करते हुए वीडियो भी साझा किए गए। विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के साथ बुद्धिजीवी एवं प्रतिष्ठित नागरिकों ने कार्यक्रम में जुड़कर योग दिवस को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

योग दिवस के प्रतिभागियों को कुलपति ने प्रदान किए प्रमाण-पत्र

योग केंद्र की ओर से 21 जून को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को कुलपति ने प्रमाण पत्र प्रदान किये। योग केंद्र निदेशक डॉ. बाबूलाल दायमा ने बताया कि केंद्रीय कार्यालय स्थित बृहस्पति भवन में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए।

प्रो. चतुर्वेदी ने भेंट की इतिहास विभाग में लगभग 500 पुस्तकें

इतिहास विभाग से सेवानिवृत्त प्रो. चतुर्वेदी की ओर से विभाग में लगभग 500 पुस्तकें भेंट की गईं। इस अवसर पर इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. सुशीला शक्तावत, शिक्षकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। विभागाध्यक्ष प्रो. शक्तावत ने प्रो. चतुर्वेदी का आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय में आदिवासी अध्ययन केन्द्र की स्थापना होगीः प्रो. त्रिवेदी

विश्वविद्यालय के आदिवासी शिक्षक एवं अधिकारियों ने विश्व आदिवासी दिवस मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने पौधारोपण के साथ आदिवासी क्रांतिकारी बिरसा मुंडा के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया। प्रो. त्रिवेदी ने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के आदिवासी शिक्षकों एवं कर्मचारियों की माँग पर विश्वविद्यालय में आदिवासी अध्ययन केन्द्र खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा, आदिवासी प्रकृति एवं पर्यावरण के संरक्षक रहे हैं। कुलपति ने भविष्य में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस को विश्वविद्यालय स्तर पर मनाने की भी घोषणा की। अकादमिक परिषद् और सिण्डीकेट से पारित कर इसे संवैधानिक स्वरूप दिया गया। आदिवासी अध्ययन केन्द्र के उद्देश्य निम्नानुसार हैं-

- विश्वविद्यालय में आदिवासी विषयों पर शोधकार्यों को प्रेरित करना।
- आदिवासी समुदाय के परम्परा, रीति-रिवाज, लोक-कलाओं, संस्कृति, लोक-साहित्य का संरक्षण किया जा सकेगा।
- आदिवासी लोक कलाकारों को बढ़ावा मिल सकेगा।
- आदिवासी साहित्य और साहित्यकारों को साहित्य की मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जाएगा।
- लुप्त होती आदिवासी धरोहरों का संरक्षण किया जा सकेगा।
- वर्तमान परिदृश्य में आदिवासी समुदाय और उनकी समस्याओं पर प्रकाश डालकर राज्य एवं केन्द्र सरकार को अवगत करवाकर समाधान करने का प्रयास किया जाएगा।

आदिवासी अध्ययन केन्द्र की स्थापना करने पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों ने कुलपति महोदय का आभार व्यक्त किया।

डॉ. एस.पी. मीना की पुस्तक का कुलपति ने किया विमोचन

विधि संकाय के सहायक आचार्य डॉ. शीतल प्रसाद मीना की संपादित पुस्तक मॉब लिंचिंग विधिक एवं सामाजिक आयाम का विमोचन कुलपति प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी ने विश्व आदिवासी दिवस पर विश्वविद्यालय अतिथि गृह में किया। डॉ. शीतल प्रसाद मीना के अब तक 9 पुस्तकें एवं 50 से अधिक शोध आलेख प्रकाशित हो चुके हैं।

डॉ. गोयल बने थिएटर सेल के समन्वयक

कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने विवि में थिएटर सेल की स्थापना कर अंग्रेजी विभाग के सहायक आचार्य, रंगकर्मी डॉ. हितेंद्र गोयल को समन्वयक नियुक्त किया। डॉ. गोयल ने 50 से अधिक नाटकों में बतौर अभिनेता, दो लघु नाटकों का निर्देशन और अमेरिकन राइटर एडवर्ट ऑल्बी के नाटक जू स्टोरी को हिंदी में अनूदित किया है।

सायंकालीन अध्ययन संस्थान में कोविड-19 टीकाकरण शिविर का आयोजन

कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी की प्रेरणा तथा संस्थान के निदेशक प्रो. एस.के.मीणा के मार्गदर्शन में सायंकालीन अध्ययन संस्थान, पुराना परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्त्वावधान में कोविड-19 टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं शैक्षणिक व अशैक्षणिक कर्मचारियों को कोविशील्ड की प्रथम व द्वितीय डोज लगाई गई। निदेशक प्रो. (डॉ.) एस.के. मीणा ने बताया कि राजस्थान सरकार की कोविड-19 गाइडलाईन के अनुसार 01 सितम्बर से संचालित की जाने वाली नियमित कक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए संस्थान के छात्रों, शिक्षकों व कर्मचारियों का टीकाकरण कैम्प के माध्यम से किया गया। प्रो. के.आर. पटेल ने बताया कि एन.एस.एस. द्वारा आयोजित किये जाने वाले कैम्पों की श्रृंखला में यह छठा कैम्प है। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत, डॉ. ललित पंवार, डॉ. प्रवीणचन्द, डॉ. फत्ता राम नायक आदि ने सफल आयोजन में सहयोग किया।

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस पर पौधारोपण

गाँधी अध्ययन केन्द्र की ओर से राष्ट्रीय वन शहीद दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने रोहिड़ा लगाकर इसका शुभारंभ किया। केंद्र के निदेशक डॉ. हेम सिंह गहलोत ने बताया कि गांधी अध्ययन केंद्र के पास स्थित उद्यान में गुलमोहर, चांदनी, टिकोमा, जेट्रोफा, अशोका, मोगरा, बेलपत्र सहित 15 प्रकार की प्रजातियों का पौधारोपण किया गया।

मोगड़ा कलाँ में जैव उर्वरक कार्यशाला आयोजित

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गाँव में स्मार्ट विलेज इनिशिएटिव के तहत 13 सितंबर 2021 को जैव उर्वरक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संगीता सिंह विषय विशेषज्ञ के तौर पर ग्रामीणों एवं किसानों से रूबरू हुई। स्मार्ट विलेज इनिशिएटिव के नोडल अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत ने बताया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों एवं किसानों को ट्राइकोडर्मा एवं पिरिफॉर्मोस्पोरा कवक से जैव उर्वरक बनानाए बीजों को उपचारित करने की विधियाँ बताना एवं इसके उपयोग से उत्पादन में बढ़ोतरी एवं पर्यावरणीय लाभ के बारे में विस्तार से बताना था।

संस्कार एवं नैतिक मूल्य आधारित शिक्षा से ही समाज का उद्धार संभव- प्रो. त्रिवेदी

के.एन. कॉलेज ऑडिटोरियम में शिक्षक दिवस पर हुआ भव्य आयोजन

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में शिक्षक दिवस के अवसर पर विवि एवं बैंक और बड़ौदा के संयुक्त तत्त्वावधान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की निदेशिका प्रो. संगीता लूंकड़ ने बताया कि इस अवसर पर जनवरी 2020 से अगस्त 2021 तक सेवानिवृत्त हुये करीब 27 से अधिक शिक्षकों का साफा, माला, श्रीफल, शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर उनका अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर प्रो. हुकम सिंह गहलोत, प्रो. अनिल व्यास, सह-आचार्य डॉ. मेघाराम गडवीर, प्रो. जसराज बोहरा, प्रो. एस.पी. दुबे, प्रो. अवधेश शर्मा, प्रो. राकेश मेहता, प्रो. सुरेश चंद्र माथुर, प्रो. मदन गोपाल सोनी, प्रो. कविता नरुका, प्रो. रमन दवे, प्रो. सीमा कोठारी, प्रो. विनीता शर्मा, प्रो. राजेन्द्र भंसाली, प्रो. रजत भागवत, प्रो. विनीता परिहार एवं डॉ. रेखा मेहता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने कहा कि वर्तमान समय में संस्कार आधारित एवं नैतिक मूल्यों की शिक्षा की आवश्यकता हैं। इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षकों में से प्रो. एस. पी. दुबे, प्रोफेसर विनीता परिहार, प्रो. रमन दवे, प्रोफेसर अवधेश शर्मा, प्रो. सीमा कोठारी ने भी अपने कार्यकाल के विभिन्न संस्मरण साझा किए। इस दौरान विवि की कुलसचिव श्रीमती गोमती शर्मा, वित्त नियंत्रक मंगला राम विश्नोई एवं सिंडिकेट सदस्य एवं परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर के. आर. गेंवा सहित विवि के विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, निदेशक सहित अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर बैंक के रीजनल मैनेजर श्री सुरेश चंद्र, मुख्य प्रबंधक श्री आलोक टंडन, एवं जयदीप कच्छवाह सहित बैंक के अन्य कर्मचारियों ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों के सम्मान करने को बैंक का सौभाग्य बताया।

वन्यप्राणी सप्ताह 2021 के कार्यक्रमों का पोस्टर विमोचन

आमजन में वनों, वन्यजीवों एवं प्रकृति के संरक्षण के प्रति प्रेम एवं चेतना जाग्रत करने के उद्देश्य से साप्ताहिक वन्यप्राणी कार्यकम के पोस्टर का विमोचन कुलपति प्रो. पी. सी. त्रिवेदी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर विजय बोराणा, उपवन संरक्षक, वन्यजीव जोधपुर, डॉ. हेमसिंह गहलोत, निदेशक, वाईल्ड लाईफ रिसर्च एण्ड कन्जर्वेशन अवेयरनेस सेन्टर, श्री के.के. व्यास, सहायक उपवन संरक्षक माचिया पार्क जोधपुर द्वारा कुलपति कार्यालय में किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा नेत्र जाँच शिविर का आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं ए.एस.जी. नेत्र चिकित्सालय समूह के संयुक्त तत्त्वावधान में निःशुल्क नेत्र जाँच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी के निर्देशानुसार इस शिविर का आयोजन रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस शिविर के आयोजन का उद्देश्य कोविड-19 महामारी के पश्चात् आँखों पर पड़े नकारात्मक असर की जाँच करवाना एवं उचित परामर्श देना था। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. के.आर. पटेल ने बताया कि शिविर में 150 से अधिक विश्वविद्यालय शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की नेत्र जाँच की गई। कार्यक्रम में परीक्षा नियंत्रक प्रो. के.आर. गेनवा, विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. पवन कसेरा, कुलसचिव श्रीमती गोमती शर्मा एवं विश्वविद्यालय अभियंता विनीत गुप्ता ने भी नेत्र जाँच करवाई।

बच्चों को पढ़ाया साक्षरता का पाठ

कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवक छात्राओं ने एनएसएस के 52वें स्थापना दिवस को साक्षरता अभियान के तौर पर मनाया। एनएसएस अधिकारी डॉ. पंकज नामा और डॉ. रामलाल सैनी के नेतृत्व में छात्राओं ने महिलाओं और बच्चों को कॉपी, पेंसिल, मास्क और बिस्किट्स का वितरण किया।

प्रो. गेनवा सिंडीकेट सदस्य नियुक्त

कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने रसायन शास्त्र विभाग के प्रोफेसर डॉ. के.आर. गेनवा को सिंडीकेट सदस्य नियुक्त किया है। इनका कार्यकाल एक वर्ष का रहेगा।

डॉ. जनक सिंह को मिलेगा अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक रत्न पुरस्कार

राजनीति विज्ञान के सहायक प्रो. डॉ. जनक सिंह मीना का चयन इनके द्वारा लेखन, शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट एवं अतुलनीय योगदान के लिए बेटी फाउंडेशन वणी, महाराष्ट्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक रत्न पुरस्कार-2021 के लिए किया गया है।

डॉ. खींची बीएफई के और डॉ. सुनीता बॉटनी के विभागाध्यक्ष नियुक्त

कुलपति ने आदेश जारी कर डॉ. डूंगर सिंह खीची को व्यवसाय, वित्त एवं अर्थशास्त्र (बीएफई) विभाग का विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। डॉ. खींची की नियुक्ति अगले तीन वर्षों तक या उनकी सेवानिवृत्ति तिथि जो भी पहले हो, तक रहेगी। वहीं डॉ. सुनीता अरोरा को बॉटनी विभाग की विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है इनकी नियुक्ति अगले तीन वर्षों तक रहेगी।

फ्रांस के शिष्टमण्डल के साथ विश्वविद्यालय की बैठक

कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी, संकाय अधिष्ठाता एवं निदेशक समूह ने फ्रांस के एक शिष्टमण्डल के साथ वार्ता की। फ्रांस की ओर से बैठक में शिक्षा, विज्ञान एवं कला के उप समन्वयक डॉ. निकोलस घर्राडी, प्रो. फेबियन चेरिक्स, राजस्थान एनेक्स ऑफ द फ्रेंच इंस्टीट्यूट इन इंडिया की निदेशक संजना सरकार एवं परिसर फ्रांस राजस्थान की प्रबंधक सौदामिनी देव शामिल थी। बैठक में कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों तथा जानकारी से युक्त फिल्म की प्रस्तुति से विश्वविद्यालय का प्रभावी परिचय प्रस्तुत किया। कुलपति महोदय ने शिष्टमंडल के सदस्यों को बताया कि पश्चिमी राजस्थान का सबसे बड़ा शिक्षा केन्द्र जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय समाज, विज्ञान, भाषा, अभियांत्रिकी आदि क्षेत्रों में फ्रांस के विश्वविद्यालयों तथा संस्थाओं से आदान-प्रदान और वैचारिक विनिमय कर विद्यार्थियों तथा प्रोफेसर के उच्चशिक्षा के अवसरों को विस्तारित कर सकता है। अनेक सांस्कृतिक तथा शैक्षणिक आयोजनों से दोनों देशों की संस्कृतियों तथा शिक्षा का विकास होगा। अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष प्रो. कल्पना पुरोहित ने अपनी प्रस्तुति में अनुवाद, फिल्म-उद्योग, साहित्य, कला के विविध क्षेत्रों में आदान-प्रदान के बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। विधि संकाय की अधिष्ठाता प्रो. चन्दनबाला ने विधि के क्षेत्र में जानकारी प्रदान की। संस्कृत विभाग की प्रो. सरोज कौशल ने कहा कि विश्व की सबसे पुरानी भाषा संस्कृत का फ्रेंच भाषा से विनिमय होने पर भाषा के नये आयाम उद्‌घाटित होंगे। प्रो. संगीता लूंकड़ ने विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्म कार्यशाला आयोजन का सुझाव दिया। प्रो. सुनील शर्मा ने इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा हेतु अपने विचार प्रस्तुत किये। प्रो. गेनवा ने विद्यार्थियों के लिए फ्रांस में उच्चाध्ययन की प्रक्रिया के विषय में जानकारी ली।

इन पर हुआ विचार-

- उच्च शिक्षा के स्तर पर सहयोग
- विद्यार्थियों का परस्पर गमनागमन,
- सांस्कृतिक आदान-प्रदान,
- नेतृत्व, शोध तथा शिक्षकों का वैचारिक विनिमय हेतु दोनों देशों में अवसर उपलब्ध करवाना,
- अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन,
- क्षमता सम्वर्धन ट्रेनिंग, प्रबंधन विकास आदि कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार हुआ।

विद्यालय का अध्ययन ऋण चुकाने हेतु 'बैक टू स्कूल' कार्यक्रम की शुरुआत

सालावास गाँव में भामाशाह को अधिक से अधिक प्रेरित करने तथा विद्यालय से प्राप्त शिक्षा के संदर्भ में अपने ऋण को चुकाने हेतु बैक टू स्कूल कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत श्री अचलदास बागरेचा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सालावास की स्थापना से लेकर अब तक पढ़े विद्यार्थियों से विद्यालय की आवश्यकताओं को पूरा करने का आह्वान किया गया है। गाँव के अणदाराम भोबरिया की ओर से विद्यालय को 15 छत पंखे, लकड़ी की 10 कुर्सी तथा 2 बड़ी टेबल भेंट की गई है। नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश गहलोत ने बताया कि पैसठ हजार की राशि का सामान विद्यालय में भेंट करने पर अणदाराम भोभरिया का अभिनंदन किया गया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि अध्ययन ऋण चुकाए बिना जीवन अधूरा रह जाता।

साहित्य के माध्यम से ही मानवता की सेवा संभव

"व्यक्ति अपने कार्यों से अमर होता हैं, मृत्यु से पहले मरते हैं हजारों पर जिन्दगी उनकी है जो मरकर जिया करते हैं, विश्व में फैल रही अराजकता को तोड़ने के लिए साहित्य ही एक ऐसा माध्यम है जिसके कारण ही विश्व में मानवता की सेवा सम्भव है" यह उद्गार कुलपति प्रो. त्रिवेदी ने स्वामी कृष्णानन्द महाराज की तपोभूमि पर सिटिजन्स सोसायटी फॉर एजुकेशन के तत्त्वावधान में आयोजित व्यास अभिनन्दन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कहे।

जेएनवीयू-आफरी में एमओयू

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) एवं जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के मध्य शिक्षा एवं शोध व विस्तार के क्षेत्र में परस्पर सहयोग को लेकर एक एमओयू किया गया। एमओयू पर आफरी निदेशक एम.आर. बालोच और जेएनवीयू कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने हस्ताक्षर किए। बालोच ने बताया कि एमओयू के अंतर्गत मरू प्रसार रोक, शुष्क पारिस्थितिकी तंत्र के प्रबंधन सहित अन्य क्षेत्रों में परस्पर सहयोग एवं समन्वय किया जाएगा। दोनों सस्थानों संयुक्त रूप से सेमिनार, वेबीनार, कॉन्फ्रेंस, कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करेंगे। आफरी के समूह समन्वयक शोध डॉ. जी. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. तरुणकांत, प्रभागाध्यक्ष अनीता, जेएनवीयू रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. के.आर. गेनवा, वनस्पति विज्ञान के प्रो. डॉ. प्रवीण गहलोत, डॉ. एन.के. बोहरा, एन.के. शारदा एवं शिवलाल चौहान उपस्थित रहे।

टेप्से एवं हेप्सन केंद्र में हॉल का शुभारंभ

विश्वविद्यालय के टेप्से एवं हेप्सन केंद्र में हॉल का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. के.एल. रैगर, विधि संकाय अधिष्ठाता प्रो. चन्दन बाला और केएन कॉलेज निदेकश प्रो. संगीता लूंकड़ सम्मिलित हुईं। केंद्र निदेशक डॉ. उम्मेद राज तातेड़ ने बताया कि केंद्र पर चल रहे पाठ्यक्रम स्पेशल बीएड और पीजीडीआईपी के प्रशिक्षुओं ने विशेष बालकों के प्रशिक्षण के लिए फोटोकॉपी मशीन और कॉफी मेकर मशीन भेंट की।

फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग में इंजिनियर्स डे पर आयोजित वर्चुअल समारोह

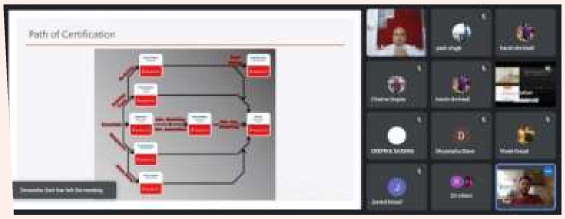

एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में अभियंता दिवस के उपलक्ष्य में वर्चुअल समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, कॉलेज के डीन प्रो. सुनील शर्मा ने विद्यार्थी जीवन में इंजीनियरिंग कौशल एवं तकनीक की महत्ता के बारे में बताया। कार्यक्रम के संयोजक, मैकेनिकल विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. कैलाश चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम में कॉलेज के प्रतिभाशाली विद्यार्थी जिन्होंने विभिन्न तकनीकी प्रतियोगिताओं में राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियाँ प्राप्त कीं उन्हें प्रशस्ति पत्र के प्रारूप में ई-सर्टिफिकेट प्रदान किये गए।

स्मार्ट विलेज में संतुलित आहार पर कार्यशाला

सालावास गाँव के श्री अचलदास बागरेचा राउमा विद्यालय में संतुलित आहार पर कार्यशाला आयोजित की। नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश गहलोत ने एनएसएस के महत्त्व को रेखांकित किया। मुख्य वक्ता डॉ. नमिता भंडारी ने संतुलित आहार से व्यक्ति की जीवन प्रत्याशा दर बढ़ाने की बात कही। लोक प्रशासन विभागाध्यक्ष प्रो. मीना बरडिया, इनरव्हील क्लब ऑफ जोधपुर की उपाध्यक्ष रंजना जैन, एवं लोक प्रशासन विभाग के शोधार्थी महिपाल गहलोत व रेणुका चौधरी ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

जागरुकता से ही स्मार्ट विलेज चरितार्थ होगा : राठौड़

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए सालावास गाँव में ग्रामीणों को संविधान की जानकारी के लिए प्रमाण पत्र कोर्स का शुभारम्भ हुआ। राजस्थान हाई कोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष नाथूसिंह राठौड़ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे, जबकि पूर्व राजकीय अधिवक्ता देवकीनंदन व्यास मुख्य वक्ता थे। देवकीनंदन व्यास ने अपने उद्बोधन में अधिकारों के पूर्व मूल कर्तव्यों की जानकारी को महत्त्वपूर्ण बतलाया। मुख्य अतिथि नाथूसिंह राठौड़ के अनुसार ग्रामीणों में अपेक्षाकृत संवैधानिक जागरूकता कम होती है, इसलिए उन्हें अक्सर मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों हेतु शुरू किए गए इस प्रमाण कोर्स को स्मार्ट विलेज की अवधारणा को चरितार्थ किया है। उनके अनुसार विधिक रूप से जानकार नागरिक ही स्मार्ट नागरिक हो सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन नोडल अधिकारी डॉ दिनेश गहलोत ने किया।

भूविज्ञान विभाग की ओर से भूकम्प पर वेबीनार आयोजित

भूविज्ञान विभाग की ओर से भूकंप पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित किया गया। वेबिनार में गाँधीनगर स्थित भूकंपीय शोध संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. संतोष कुमार ने कहा कि विश्व में हर साल करीब 13 लाख भूकंप आते हैं। इसमें से

140 खतरनाक होते हैं। राजस्थान में बाड़मेर, जालोर और अलवर भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र हैं। देश में गुजरात का कच्छ सबसे अधिक संवेदनशील है। यहाँ 60 भूकंप केंद्र स्थापित किए गए हैं। सुखाड़िया विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एबी राय ने कहा कि मोहनजोदाड़ो, गुजरात के लाथल, जैसलमेर के कुलधरा में मिले टूटे-फूटे मकान और मानव हड्डियाँ भी भूकंप का संकेत देती हैं। आइआइटी जोधपुर के डॉ. एके राठी, जेएनवीयू भूविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. एस.आर. जाखड़, विज्ञान संकाय अधिष्ठाता प्रो. पी.के. कसेरा ने भी अपने विचार रखे।

जैन कवि कुशल लाभ के साहित्य में लोक समाज का चित्रण : प्रो माथुर

जेएनवीयू के राजस्थानी विभाग द्वारा ऑनलाईन फेसबुक लाइव पेज पर गुमेज व्याख्यानमाला के अन्तर्गत महामहोपाध्याय कवि कुशल लाभ पर अपना महत्त्वपूर्ण वक्तव्य देते हुए राजस्थानी विभाग के पूर्व प्रो. मनमोहन स्वरूप माथुर ने कहा कि जैन कवि कुशल लाभ का राजस्थानी भाषा और साहित्य में बहुत ही महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यकाल के ऐसे जैन कवि है जिन्होंने राज्यश्रित होते हुए भी जैन और जैनेतर विषयों पर रचनाएँ लिखीं। राजस्थानी विभागाध्यक्ष एवं गुमेज व्याख्यानमाला की संयोजक डॉ. मीनाक्षी बोराणा ने बताया कि कुशल लाभ रचित रचनाओं में 'माधवानल कामकंदला चौपई' प्रथम रचना है जो कि वि.सं. 1616 में लिखी गई।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने रक्तदान देकर बचाया बच्चे का जीवन

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने एम्स जोधपुर के इमरजेन्सी वार्ड में भर्ती आठ वर्षीय बालक धीराराम को दो यूनिट रक्त देकर उसकी जान बचाई। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. के. आर. पटेल ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक एम. एस.सी. भौतिक विभाग, अन्तिम वर्ष के विद्यार्थी जयसूर्या के पास उसके एक परिजन का फोन आया कि एम्स के आपातकालीन इकाई में एक आठ वर्षीय बालक सर्पदंश के कारण भर्ती है उसको तुरन्त दो यूनिट ब्लड की आवश्यकता है इस पर दो स्वयं सेवक एम.एस.सी. भौतिक विभाग के छात्र सुरेन्द्र चौधरी व तरूण सिसोदिया ने रक्तदान कर बच्चे की जान बचाने का महत्त्वपूर्ण कार्य किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने एन. एस.एस. स्वयं सेवकों द्वारा जनसेवा के ऐसे कार्यो के लिए खुशी कर ऐसे स्वयं सेवकों को सम्मानित करने का आह्वान किया है।

एनएसएस स्थापना दिवस कार्यक्रम

विज्ञान संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस की 52वीं वर्षगांठ पर आमुखीकरण व राष्ट्रीय सेवा योजना सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विज्ञान संकाय अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार कसेरा और विशिष्ट अतिथि वनस्पति विभागाध्यक्ष प्रो. एच.आर. डागला ने अपने विचार रखे। अध्यक्षता एनएसएस समन्वयक प्रो. के.आर. पटेल ने की। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत ने बताया कि सभी स्वयंसेवकों को एनएसएस से सम्बंधित एक लघु फिल्म दिखाई गई।

विश्वविद्यालय के नए परिसर में 197 यूनिट रक्तदान

कला संकाय के सेमिनार हॉल में 28 सितंबर को विज्ञान संकाय के छात्र प्रतिनिधि स्व. हरेंद्र बेड़ा की चतुर्थ पुण्यतिथि पर उसके परिजनों की उपस्थिति में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. के आर पटेल ने बताया कि विश्वविद्यालय कुलपति पी. सी. त्रिवेदी के मार्ग निर्देशन में एन एस एस द्वारा कोरोना काल में रक्त की आवश्यकता के मद्देनजर समय-समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। मथुरादास माथुर अस्पताल के लिए 102 यूनिट तथा उम्मेद अस्पताल के लिए 95 यूनिट रक्तदान किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता प्रो.किशोरीलाल रैगर ने स्वयंसेवकों को रक्तदान महादान का संदेश देते हुए रक्त दाताओं को स्मृति चिह्न तथा प्रमाण पत्र भेंट किए। पूर्व समन्वयक प्रो. चेनाराम चौधरी ने जन सेवा में हमेशा तत्पर रहते हुए योगदान देने का आग्रह किया।

गणतंत्र दिवस पर परेड शिविर आयोजित

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से 29 सितम्बर को संभाग स्तरीय पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य समन्वयक डॉ. धर्मेन्द्र सिंह चाहर, युवा अधिकारी डॉ. श्रवण कटारिया तथा युवा सहायक श्री कमल किशोर मक्कड उपस्थित थे। राज्य समन्वयक डॉ. धर्मेन्द्र सिंह चाहर व युवा अधिकारी डॉ. श्रवण कटारिया ने उपस्थित स्वयंसेवको को राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्यों व उपलब्धियों के बारे में बताया तथा गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने के लिये प्रेरित किया। प्रो. के.आर. पटेल ने बताया कि इस शिविर में विश्वविद्यालय तथा जोधपुर सम्भाग के सभी जिलो में स्थित महाविद्यालयों के 55 स्वयं सेवकों ने भाग लिया जिनमें 30 छात्र व 25 छात्राएँ थीं। शिविर में विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. ललित सिंह झाला द्वारा स्वयं सेवकों को परेड करायी गई।

परीक्षण के पश्चात् मेरिट के आधार पर स्वयं सेवकों का पूर्व गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयन किया गया। चयनित स्वयं सेवक दिल्ली में आयोजित होने वाले पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर तथा गणतंत्र दिवस परेड शिविर में भाग लेंगे। कार्यक्रम के पश्चात सभी स्वयं सेवक व कार्यक्रम अधिकारियों ने शपथ ली कि वे कोरोना महामारी के उन्मूलन हेतु राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करेंगे व टीकाकरण के लिये लोगों को प्रेरित करेंगे।

कोरोना की पहली लहर की तुलना में दूसरी लहर में लोग अधिक लापरवाह : डॉ महेन्द्र

सालावास स्मार्ट विलेज योजना के अन्तर्गत श्री अचलदास बागरेचा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में ''कोरोना से कैसे बचें'' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता एम्स ऋषिकेश के सहायक आचार्य डॉ.महेंद्र गहलोत थे। डॉ. महेंद्र गहलोत ने कोरोना महामारी के कारणों तथा उससे बचाव के संदर्भ में रखी जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने उद्बोधन में किसी भी बीमारी को महामारी घोषित करने के कारण तथा प्रक्रिया को समझाते हुए बचाव हेतु सरकारी स्तर पर किए जाने वाले प्रयासों से अवगत कराया। उनके अनुसार कोरोना से बचाव में जन सहभागिता महत्त्वपूर्ण कारक है। कोरोना की पहली लहर व दूसरी लहर में जनता की प्रतिक्रिया की तुलना भी की। कोरोना की दूसरी लहर में जनता में डर कम हुआ है लेकिन लापरवाही भी बढ़ी हुई है जो चिंताजनक है। जनता यदि सक्रिय सहयोग करे तो कोरोना जैसी महामारी का सामना करने में सरकार को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश गहलोत ने स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। विद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य उम्मीद राज लक्षकार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। ज्ञातव्य है कि डॉ. महेंद्र गहलोत इसी गाँव के मूल निवासी हैं तथा इसी विद्यालय में उन्होंने दसवीं तक अध्ययन किया है।

सम्पादक मण्डल

प्रधान संरक्षक

प्रो. (डॉ.) प्रवीण चन्द्र त्रिवेदी

कुलपति

प्रधान सम्पादक

प्रो. सरोज कौशल

संस्कृत विभाग

ले-आउट

महेश आचार्य

मनीष प्रजापत

जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय सदस्य

मुकेश सक्सेना

दीपक दवे

प्रकाशक

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

Coronavirus Safety and Precaution

1 Social Distance

2 Carry a Sanitizer

3 Wear a Mask

4 Namaste Over Handshake

5 Don't Touch Face

6 Have a vaccine